सूर्योदय 6.16 सूर्यास्त 6:04

आज का तापमान

शिमला	16.0 न्यू	26.0 अधि
धर्मशाला	18.0 न्यू	29.0 अधि

बाजार

सेंसेक्स	71,909.70
निफ्टी	22,421.95

सोना 1,48,138 चांदी 2,20,829

भारतेन्दु शिखर

हिमाचल, चंडीगढ़, पंजाब, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, जम्मू व उत्तराखंड में प्रसारित

आरएनआई नं. HPHIN/2000/02437 | शिमला | शनिवार, 3 अक्तूबर 2026 | 17 अश्विन, विक्रमी संवत 2083 | वर्ष 28, अंक 159, कुल पृष्ठ 12 | मूल्य : 5 रुपए | info@bhartendushikhar.com | 8894677702

न्यूज शॉर्ट्स

पुतिन बोले- मोदी दोस्त, फिर भी जंग रोकने को कहते हैं

एजेंसी, मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने वीरवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार यूक्रेन युद्ध खत्म करने की बात उठाते हैं। वह हर मुलाकात में युद्ध रोकने और शांति का रास्ता निकालने पर बात करते हैं। पुतिन ने मॉस्को में वाल्दाई फोरम के दौरान कहा मोदी मेरे अच्छे दोस्त हैं, फिर भी वे लगातार यूक्रेन युद्ध खत्म करने की बात उठाते हैं। वे जल्द युद्ध खत्म करने के पक्ष में हैं। इसके लिए उनके पास अच्छे सुझाव हैं। पीएम मोदी 5 बार अंतरराष्ट्रीय मंचों पर यूक्रेन युद्ध का मुद्दा उठा चुके हैं।

तमिलनाडु- हाईवे बोर्ड पर हिंदी लिखने पर दो अधिकारी सस्पेंड

एजेंसी, चेन्नई। तमिलनाडु सरकार ने शुक्रवार को नेशनल हाईवे साइनबोर्ड पर हिंदी लिखने के मामले में दो असिस्टेंट इंजीनियर को सस्पेंड कर दिया। मामला तूतीकोरिन के सत्तानकुलम-नाजरेथ स्टेट हाईवे का है, जहां नए साइनबोर्ड पर तमिल और अंग्रेजी के साथ कस्बों के नाम हिंदी में भी लिखे गए थे। तमिलनाडु सरकार के मुताबिक यह राज्य की दो-भाषा नीति का उल्लंघन है। हिंदी हटाने के साथ दोनों अधिकारियों पर विभागीय कार्रवाई शुरू कर दी गई है। 2026 में हिंदी में लिखे नाम मिटाने का तीसरा मामला है।

मीठी नदी घोटाले मामले में एक्टर डिनो मोरिया गिरफ्तार

एजेंसी, मुंबई। बॉलीवुड एक्टर डिनो मोरिया को मुंबई पुलिस की इकोनॉमिक ऑफेंस विंग ने गिरफ्तार किया। एक्टर को कथित तौर पर मीठी नदी घोटाले के सिलसिले में गिरफ्तार किया है। प्रोजेक्ट से जुड़ी आर्थिक गड़बड़ियों के चलते डिनो मोरिया को 2 अक्तू बर को हिरासत में लिया गया था। गिरफ्तारी से पहले डिनो से अधिकारियों ने उनके घर पर लगभग आठ घंटे पूछताछ की थी। केस मुंबई की मीठी नदी की साफ-सफाई से जुड़ा है। 'मिड-डे' की रिपोर्ट के मुताबिक, इकोनॉमिक ऑफेंस विंग इस प्रोजेक्ट में वित्तीय गड़बड़ियों की जांच कर रही है, जिसमें बीएमसी को कथित तौर पर 65.54 करोड़ का नुकसान हुआ है। डिनो मोरिया काफी समय से इस मामले को लेकर चर्चा में रहे हैं।

मुंबई सिर्फ ट्रेलर, फाइनल दिल्ली में होगा : सीजेपी

एजेंसी, नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी ने मुंबई के शिवाजी पार्क में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे के लिए प्रदर्शन किया। इस दौरान स्टेज पर मौजूद सभी लोग गांधी की फोटो वाली टी-शर्ट पहनकर पहुंचे। सीजेपी के फाउंडर अभिजीत दीपके ने कहा जब भारत के प्रधानमंत्री अमेरिका जाते हैं, तब भी वहां कहा जाता है कि ये गांधी के देश से आए हैं। गांधी देश की आत्मा हैं, आंबेडकर रीढ़ की हड्डी और नेहरू दिमाग हैं। कॉकरोच जनता पार्टी ने यह भी कहा कि मुंबई पुलिस ने हमारा प्रदर्शन शांतिपूर्ण होने दिया। मुंबई तो सिर्फ ट्रेलर है, जो करना है कर लो, फाइनल तो हम जंतर-मंतर पर ही खेलेंगे।

13वें दिन भारत ने लगाया गोल्ड का 'सिक्सर'

- भारतीय महिला हॉकी को एशियाड में 44 साल बाद गोल्ड
- चीन को 1-0 से हराया, ओलंपिक टिकट किया पक्का
- रेसलिंग में सुजीत कलकल ने जीता गोल्ड
- भारतीय महिला रिकर्व टीम ने भी रचा इतिहास
- पहली बार एक ही एशियन गेम्स में 3 भारतीय बॉक्सर बने चैंपियन

एजेंसी, नागोया। भारतीय विमेंस हॉकी टीम ने एशियन गेम्स में 44 साल बाद गोल्ड जीत लिया। भारत ने फाइनल में चीन को 1-0 से हराया। टीम के लिए एकमात्र गोल लालरेमसियामी ने किया।

शुक्रवार को गोलकीपर सविता पूनिया ने फर्स्ट हाफ में चीन का पेनल्टी स्ट्रोक रोककर भारत की बढ़त कायम रखी। इस जीत के साथ भारत ने लॉस एंजिलिस 2028 ओलिंपिक के लिए भी क्वालिफाई कर लिया। भारत ने इससे पहले 1982 में साउथ कोरिया को हराकर गोल्ड जीता था। विमेंस हॉकी के गोल्ड के साथ भारत के कुल 16 गोल्ड हो गए हैं और वह मेडल टैली में 5वें नंबर पर है। सविता पूनिया ने बाईं ओर डाइव लगाकर चीन का पेनल्टी स्ट्रोक रोक दिया। 13वें दिन भारत ने 6 गोल्ड मेडल जीते। अंकुयर पंघाल ने पुरुषों की 80 किग्रा कैटेगरी के फाइनल में साउथ



कोरिया के किम मिन-सियोंग को 4-0 से हराकर गोल्ड जीता। वह 2018 के बाद एशियन गेम्स में बॉक्सिंग गोल्ड जीतने वाले पहले भारतीय पुरुष बने। इससे पहले परवीन हुड्डा ने विमेंस 65 किग्रा फाइनल में चेन निएन-चेन को 3-2 से हराकर गोल्ड जीता। लवलीना बोरगोहेन ने विमेंस 75 किग्रा फाइनल में बाओ जिया को 5-0 से हराकर गोल्ड अपने नाम किया। इस तरह पहली बार एक ही एशियन गेम्स में 3 भारतीय बॉक्सर चैंपियन बने। रेसलिंग के पुरुषों के 65 किग्रा फ्रीस्टाइल फाइनल में सुजीत





कलकल ने ताजिकिस्तान के अब्दुलमजीद कुडिएव को 10-9 से हराया। मुकाबले में एक समय सुजीत 2-9 से पीछे थे और सिर्फ 1 मिनट 40 सेकेंड का खेल बाकी था। इसके बाद उन्होंने लगातार टेकडाउन किए। आखिरी 11 सेकेंड में एक और टेकडाउन से 2 अंक लेकर स्कोर 10-9 कर दिया और गोल्ड जीत लिया। कुमकुम मोहोड, अंकिता भक्त और कीर्ति की भारतीय विमेंस रिकर्व टीम ने गोल्ड



जीता। इससे पहले टीम ने सेमीफाइनल में चीन को हराकर फाइनल में जगह बनाई थी। रिकर्व में एक सेट जीतने पर 2 सेट पॉइंट मिलते हैं और 5 सेट पॉइंट हासिल करने वाली टीम मुकाबला जीतती है। इसी इवेंट में भारत की मेंस रिकर्व टीम को सिल्वर मिला। कुमकुम मोहोड और धीरज बोम्मदेवरा की मिक्स्ड रिकर्व टीम ने भी सिल्वर जीता। सेलिंग में नेथ्रा कुमानन ने विमेंस डिंगी में ब्रॉन्ज अपने नाम किया, जबकि मेंस सेपकटकरा टीम ने भी ब्रॉन्ज जीता।

पीएम मोदी से कैप्टन स्मित बोले घायल था पर हिम्मत नहीं हारी

एजेंसी, नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को 174 जान बचाने वाले भारतीय पायलट स्मित मच्छर से करीब 9 मिनट वीडियो कॉल पर बात की। स्मित ने दो दिन पहले दुबई से तेल अवीव जा रहे प्लेन की हाइजैकिंग नाकाम की थी। ओमानी को-पायलट ने उन्हें चाकू मारा। स्मित ने फिर भी प्लेन क्रैश नहीं होने दिया। मोदी ने स्मित से कहा, पूरा देश आपके लिए प्रार्थना कर रहा था और आपके अच्छे स्वास्थ्य की कामना कर रहा था। आपके साहस और सूझबूझ से कई लोगों की जान बची।

बातचीत के दौरान स्मित ने बताया कि वह विमान उड़ा रहे थे और एक झटके के बाद नीचे गिर गए, जिससे काफी चोटें आईं। इसके बावजूद उन्हें महसूस हो रहा था कि विमान नीचे जा रहा है। स्मित ने कहा, 'मुझे पता था कि यह आखिरी मौका है। दरवाजा वहीं था और मैंने उसे खोल दिया। मैं मुश्किल समय में हनुमान चालीसा पढ़ता हूं और उस समय भी पढ़ रहा था। मुझे पता है कि भगवान ने ही



- कहा- विमान गिर रहा था आखिरी मौका था; हनुमान चालीसा पढ़ते हुए कॉकपिट का दरवाजा खोला

हमें बचाया।' पीएम से बात करते हुए स्मित भावुक हो गए। उन्होंने कहा, 'आपका फोन आया, यह मेरे लिए बहुत गर्व की बात है। माफ कीजिए सर, मैं आपके सामने रो रहा हूं। मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि मेरी आपसे बात होगी।' मोदी ने कहा कि आपने इतना बड़ा काम किया है कि देश का हर नागरिक व दुनिया के लोग आपको देखना और आपसे बात करना चाहते हैं। आपने हनुमान चालीसा के बारे में जो बताया, उसके लिए मैं आपकी मां गीताबेन को प्रणाम करूंगा कि उन्होंने आपको ऐसे संस्कार दिए।

बलिदानी आंदोलनकारियों के सपनों का उत्तराखंड बनाना सरकार की प्राथमिकता : मुख्यमंत्री धामी

एजेंसी, देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को कचहरी परिसर स्थित शहीद स्थल पहुंचकर उत्तराखंड राज्य आंदोलन के बलिदानी आंदोलनकारियों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

उन्होंने शहीद आंदोलनकारियों के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित कर राज्य निर्माण के लिए उनके संघर्ष, त्याग और बलिदान को नमन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड राज्य का निर्माण राज्य आंदोलनकारियों के संघर्ष और बलिदान का परिणाम है। राज्य निर्माण के लिए अपने प्राण न्योछावर करने वाले आंदोलनकारियों का योगदान प्रदेशवासी सदैव स्मरण करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार आंदोलनकारियों और उनके परिजनों के सम्मान एवं कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री धामी



- शहीद स्थल पहुंचकर राज्य आंदोलनकारियों को किया नमन

ने कहा कि राज्य आंदोलनकारियों ने जिस समृद्ध, सशक्त और आत्मनिर्भर उत्तराखंड की कल्पना की थी, उसे साकार करना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। सरकार राज्य के विकास को नई दिशा देने के साथ जनभावनाओं और राज्य आंदोलन के मूल उद्देश्यों के अनुरूप उत्तराखंड के निर्माण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री खजान दास सहित अन्य लोग भी मौजूद रहे।

दुनिया के सबसे ऊंचे ब्रिज पर 100 किमी/घंटा से दौड़ी ट्रेन वंदे भारत

एजेंसी, जम्मू। भारतीय रेलवे ने जम्मू-कश्मीर में 1178 फुट की ऊंचाई पर बने दुनिया के सबसे ऊंचे चिनाब रेलवे ब्रिज पर वंदे भारत एक्सप्रेस को 100 किमी प्रति घंटे की स्पीड से सफलतापूर्वक क्रॉस कराया। इतना ही नहीं, वंदे भारत एक्सप्रेस ने भारत के पहले केबल-स्टे वाले अंजी ब्रिज को भी 100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से क्रॉस किया। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इसका वीडियो भी शेयर कर इसे ऐतिहासिक पल बताया। इस सफल ट्रायल के बाद 111 किलोमीटर लंबे श्री माता वैष्णो देवी कटरा-बनिहाल सेक्शन पर अधिकतम ट्रेन की स्पीड को 75 किमी/घंटा से बढ़ाकर 100 किमी/घंटा कर दिया गया है। एक्स पर एक पोस्ट में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा- आज का दिन ऐतिहासिक है। आज बढ़ी हुई स्पीड का सफल परीक्षण किया गया।

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सुक्खू के जांगलिक सड़क दस दिन में खोलने के दिए निर्देश

पुल निर्माण के लिए छह करोड़ देगी सरकार : सीएम

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने शुक्रवार को रोहड़ू विधानसभा क्षेत्र के प्रवास के दौरान तांगणू-जांगलिक पंचायत क्षेत्र का दौरा किया। उन्होंने हाल ही में हुए भूस्खलन के कारण अवरुद्ध जांगलिक सड़क का निरीक्षण कर क्षेत्र की स्थिति का जायजा लिया।

मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को जांगलिक सड़क को दस दिन के भीतर यातायात के लिए बहाल करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सड़क बंद होने से स्थानीय लोगों के साथ-साथ बागवानों को भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है और सरकार सड़क की जल्द बहाली सुनिश्चित करेगी। मुख्यमंत्री ने निर्माणाधीन जांगलिक पुल के कार्य को पूरा करने के लिए चार करोड़ रुपए की अतिरिक्त धनराशि



उपलब्ध करवाने की घोषणा की। इसके अलावा, मुख्यमंत्री ने थैंटवाड़ी गांव में भूस्खलन से प्रभावित क्षेत्र के लिए दो करोड़ रुपए की धनराशि उपलब्ध करवाने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को राहत एवं पुर्नबहाली कार्यों में तेजी लाने के निर्देश भी दिए।

इससे पहले मुख्यमंत्री ने शुक्रवार बीती रात 'सरकार गांव के द्वार' कार्यक्रम के तहत मुख्यमंत्री सुक्खू के भटवाड़ी पहुंचने पर ग्रामीणों ने पारंपरिक संगीत, लामण और नाटी के साथ उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। मुख्यमंत्री भी ग्रामीणों के साथ नाटी में शामिल हुए और स्थानीय गीत गाकर लोगों का उत्साह बढ़ाया। मुख्यमंत्री ने स्थानीय लोगों की समस्याएं सुनीं व अधिकारियों को उनके जल्द समाधान के निर्देश दिए।

उन्होंने महिला मंडलों को पांच-पांच लाख रुपये देने की घोषणा की। साथ ही बरशील पुल को मोटरेबल बनाने का आश्वासन दिया और चिंगवाड़ी सड़क के लिए 20 लाख रुपए तथा पेखा-दिऊदी महिला मंडल भवन के लिए पांच लाख रुपये देने की घोषणा की। धमवाड़ी स्कूल को सीबीएसई में शामिल करने की घोषणा भी की गई।

गांधी जयंती पर गांधी आश्रम पहुंचे सीएम योगी, खरीदा खादी का भगवा रंग का गमछा

एजेंसी, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती पर हजरतगंज स्थित गांधी आश्रम पहुंचे।

उन्होंने यहां आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लेने के साथ ही खादी उत्पाद खरीदा। मुख्यमंत्री ने भगवा रंग का गमछा खरीदा और इसका भुगतान किया। सीएम ने गांधी आश्रम में विभिन्न खादी उत्पादों को देखा और उनके बारे में जानकारी भी ली। उन्होंने वहां आए लोगों को खादी खरीदने के लिए प्रेरित किया। मुख्यमंत्री ने खादी आश्रम में कार्यरत सभी लोगों का कुशलक्षेम जाना और वहां मौजूद बच्चों को चॉकलेट दी। बच्चों से उनकी पढ़ाई आदि के बारे में भी



- खादी खरीदने के लिए लोगों को किया प्रेरित, बच्चों से भी मिले

पूछा। बच्चों ने पैर छूकर मुख्यमंत्री का आशीर्वाद प्राप्त किया।

इस दौरान उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, कैबिनेट मंत्री राकेश सचान, राज्यसभा सांसद ब्रजलाल, विधान परिषद सदस्य डॉ. महेंद्र सिंह, पवन सिंह चौहान, उप्र राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव आदि मौजूद रहे।

भारत एआई सैटेलाइट लॉन्च करने वाला बना चौथा देश

अंतरिक्ष में ही तस्वीरों का विश्लेषण, धरती तक डेटा पहुंचाने में बचेगा समय

एजेंसी, हैदराबाद। भारत ने ऐसा पहला एआई सैटेलाइट अंतरिक्ष में भेजा है, जो सिर्फ तस्वीरें खींचकर धरती पर नहीं भेजेगा, बल्कि उनका एनालिसिस भी स्पेस में ही करेगा। इससे बॉर्डर निगरानी और आपदा में मदद मिलेगी। साथ ही तस्वीरों और डेटा को धरती तक भेजने में लगने वाला समय और खर्च कम होगा।

हैदराबाद की कंपनी टेकमीटूस्पेस का एमओआई-1ए सैटेलाइट स्पेसएक्स के ट्रांसपोर्टर-18 मिशन से रात 11:48 बजे लॉन्च किया गया। कंपनी के मुताबिक यह भारत का पहला ऑर्बिटल कंप्यूटिंग सैटेलाइट है। अमेरिका, यूरोपीय यूनियन और चीन के बाद भारत ऐसी क्षमता वाला दुनिया का चौथा देश बन गया है। अभी सैटेलाइट से मिलने वाला डेटा पहले धरती पर



भेजा जाता है। इसके बाद उसकी जांच और विश्लेषण होता है। नए सैटेलाइट में यह काम अंतरिक्ष में ही किया जा सकेगा। कंपनी टेकमीटूस्पेस के सीईओ रौनक कुमार सामंत राय के मुताबिक अगर किसी सैटेलाइट ने 300 जीबी डेटा जुटाया है और उसमें से केवल 5 जीबी जानकारी काम की है तो एआई जरूरी डेटा की पहचान करके वही जानकारी धरती पर भेज सकता है। इससे डेटा ट्रांसफर का समय और खर्च कम होगा।

बाढ़ से जंगलों तक निगरानी में कारगर होगी तकनीक

इस तकनीक का इस्तेमाल बाढ़, जंगलों, फसलों, खनन क्षेत्रों और सीमा या जमीन की निगरानी में किया जा सकता है। उदाहरण के लिए, बाढ़ की स्थिति में सैटेलाइट तस्वीरों से यह पता लगा सकता है कि पानी कितने इलाके में फैला है और फिर जरूरी जानकारी ही धरती पर भेज सकता है।

महाराष्ट्र के अमरावती में ट्रक-पिकअप वैन की टक्कर; 7 की मौत, 18 घायल

एजेंसी, अमरावती। महाराष्ट्र के अमरावती जिले में समृद्धि हाईवे पर शुक्रवार को भीषण सड़क हादसा हुआ। यहां तेज रफ्तार ट्रक ने पीछे से पिकअप वैन को टक्कर मार दी। हादसे में 7 लोगों की मौत हो गई, जबकि 18 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

जानकारी के मुताबिक, पिकअप में श्रद्धालु देवी दुर्गा की प्रतिमा लेकर जा रहे थे। पिकअप की रफ्तार कम थी और उसके पीछे ट्रॉली लगी हुई थी। इसी दौरान पीछे से आए तेज रफ्तार ट्रक ने ट्रॉली को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रॉली पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और राहत-



- समृद्धि हाईवे पर हादसा, देवी दुर्गा की प्रतिमा लेकर जा रहे थे लोग

बचाव का काम शुरू किया। पुलिस ने ट्रक ड्राइवर को हिरासत में ले लिया है। सभी घायलों को इलाज के लिए वर्धा के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्राथमिक जानकारी के मुताबिक, पिकअप की कम रफ्तार और पीछे लगी ट्रॉली के कारण ट्रक ड्राइवर का अंदाजा चूक गया, जिससे यह हादसा हुआ।

'सेवा मेरा योगदान' के तहत स्वच्छता अभियान में शामिल हुईं मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, स्वच्छ दिल्ली के लिए की अपील

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को आजादपुर इलाके में 'सेवा मेरा योगदान' अभियान के तहत स्वच्छता अभियान में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने लोगों से राष्ट्रीय राजधानी को साफ-सुथरा रखने में अपना योगदान देने की अपील की।

लोगों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि उन्होंने जानबूझकर इस जगह को चुना, ताकि यहां सफाई की खराब स्थिति का मुद्दा उठाया जा सके और नगर निकायों के बीच जिम्मेदारी तय की जा सके। उन्होंने कहा जब दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में स्वच्छता कार्यक्रमों को लेकर चर्चा हुई, तो मैंने खास तौर पर इस जगह को चुना, ताकि कमिश्नर का ध्यान इस ओर दिलाया जा सके। मैं अक्सर उनसे कहती थी कि यह इलाका 'नो मैन्स लैंड' जैसा है। यह



मंडी का पिछला गेट है, जहां हमेशा भारी मात्रा में कचरा जमा रहता है। सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि केशवपुरम जोन का कहना था कि यह इलाका उसके अधिकार क्षेत्र से बाहर है, जबकि सिविल लाइंस जोन का कहना था कि उसकी सीमा यहां से शुरू नहीं होती।

उन्होंने कहा जहां कचरे की इतनी गंभीर समस्या है और दोनों जोन जिम्मेदारी लेने को तैयार नहीं हैं, वहां मैंने सीधे कमिश्नर को बुलाने का फैसला किया, ताकि यह साफ हो सके कि यह इलाका आखिर किसके अधिकार क्षेत्र में आता है। जवाबदेही तय होना जरूरी है क्योंकि इस तरह काम नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि शहर को साफ रखने के लिए हर स्तर पर जिम्मेदारी तय करनी होगी और व्यवस्थित तरीके से काम करना होगा।

सुविधा मुख्यमंत्री सैनी ने किया जीवीपी मुक्त अभियान का शुभारंभ, 21 कचरा संवेदनशील बिंदुओं को स्वच्छ बनाने का लक्ष्य

घरों से निकलने वाले कचरे को अलग रखना नागरिकों की जिम्मेदारी

एजेंसी, गुरुग्राम। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि स्वच्छता को केवल सरकारी व्यवस्था तक सीमित न रखते हुए नागरिकों की भागीदारी पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सरकार व्यवस्था और सुविधाएं उपलब्ध करा सकती है। आधुनिक तकनीक एवं संसाधनों का उपयोग कर सकती है, लेकिन घरों और संस्थानों से निकलने वाले कचरे को अलग-अलग रखना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है।

यह बात उन्होंने शुक्रवार को सेवा संकल्प अभियान के तहत राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर कही। वे यहां महरौली रोड स्थित गार्बेज वर्नेबल पॉइंट्स (जीवीपी) मुक्त स्थल का किया निरीक्षण करने पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने सफाई कर्मचारियों से



भी बात की। साथ ही स्वच्छता पर नुक्कड़ नाटक भी देखा। स्वच्छता की इस दौरान शपथ दिलाई गई।

मुख्यमंत्री सैनी ने नगर निगम गुरुग्राम द्वारा विकसित किए गए जीवीपी मुक्त स्थल का निरीक्षण कर अभियान की शुरुआत की। उन्होंने सरकारी व्यवस्था, आधुनिक तकनीक और जनता की भागीदारी को स्वच्छता अभियान के तीन महत्वपूर्ण पक्षों के रूप में रेखांकित किया और कहा कि इसका उद्देश्य स्वच्छता अभियान को जनभागीदारी के माध्यम से एक व्यापक नागरिक अभियान का रूप देना है। मुख्यमंत्री ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि खुले में कचरा न फेंकें, घर पर कचरे को

11 अक्तूबर तक शहर के विभिन्न क्षेत्रों में चलेगा विशेष सफाई अभियान

मुख्यमंत्री ने नागरिकों से भी अभियान से जुड़ने तथा अपने क्षेत्र के जीवीपी को स्वच्छ बनाए रखने में श्रमदान और सहयोग करने के लिए आमंत्रित किया गया है। अभियान कार्यक्रम के अनुसार दो अक्तूबर को डीएचबीवीएन कॉलोनी के पास तथा सरहोल में अभियान की शुरुआत की गई। इसके बाद तीन अक्टूबर को टिकरी तथा सेक्टर 18, चार अक्तूबर को अरबाना मॉल एवं सुभाष चौक, पांच अक्तूबर को पेस सिटी-1 एवं गौशाला मैदान, जबकि छह अक्तूबर को पेस सिटी तथा सिंघा चौक में विशेष सफाई गतिविधियां प्रस्तावित हैं। इसी प्रकार सात से 11 अक्तूबर तक कृष्णा कॉलोनी, मेगापोलिस मॉल के पास, इंडियन गैस के पास, घाटा, बंजारा मार्केट, सेक्टर 37, मोहम्मद हेड़ी रोड, दौलताबाद रोड, सेक्टर 39 तथा उल्लावास सहित अन्य चिन्हित स्थानों पर अभियान चलाया जाएगा।

अलग-अलग रखें और केवल अधिकृत कचरा-वाहन को ही कचरा दें।

जीवीपी मुक्त अभियान का उद्देश्य केवल एक बार सफाई करना नहीं, बल्कि चिन्हित स्थानों पर दोबारा कचरा जमा न हो, इसके लिए नागरिकों में जिम्मेदार व्यवहार को बढ़ावा देना भी है। नगर निगम द्वारा शुरू किए गए अभियान के अनुसार जीवीपी मुक्त अभियान दो से 11 अक्तूबर तक चलेगा। अभियान का संदेश 10 दिन-21 कचरा बिंदु-एक गुरुग्राम है।

मुख्यमंत्री सुक्खू के भटवाड़ी रात्रि प्रवास से गांव में उत्सव सा माहौल

'सरकार गांव के द्वार' कार्यक्रम में ग्रामीणों से मिले मुख्यमंत्री, घोषणाओं की दी सौगात

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू के रोहड़ू विधानसभा क्षेत्र के दूरदराज गांव भटवाड़ी पहुंचने पर दिवाली से पहले ही उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला। 'सरकार गांव के द्वार' कार्यक्रम के तहत मुख्यमंत्री ने गांव में पहुंचकर ग्रामीणों से सीधा संवाद किया और उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने अधिकारियों को लोगों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र समाधान करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री के गांव पहुंचने पर ग्रामीणों ने पारंपरिक संगीत और नृत्य के साथ उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। स्थानीय लोगों ने पारंपरिक लोकगीत 'लामण' प्रस्तुत किए और नाटी डालकर खुशी जताई। मुख्यमंत्री भी ग्रामीणों के साथ नाटी में शामिल हुए। उन्होंने स्थानीय गीत गाकर ग्रामीणों का उत्साह बढ़ाया। मुख्यमंत्री के इस सहज अंदाज से ग्रामीणों में खासा उत्साह देखने को मिला।



भटवाड़ी में लोकगीतों और नाटी से हुआ मुख्यमंत्री सुक्खू का जोरदार स्वागत।

मुख्यमंत्री ने ग्राम पंचायत दिऊदी के प्रधान प्रशनलाल के घर पर रात्रि प्रवास किया। प्रधान प्रशनलाल ने कहा कि इससे पहले पूर्व मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह इस गांव में पहुंचे थे, लेकिन उसके बाद किसी मुख्यमंत्री का यहां रात्रि प्रवास नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू प्रदेश के पहले मुख्यमंत्री हैं, जिन्होंने इस दूरदराज गांव में रात बिताई है। इससे ग्रामीणों में विशेष उत्साह है।

मुख्यमंत्री के रात्रि भोज के लिए ग्रामीणों ने स्थानीय और पारंपरिक व्यंजन तैयार किए। उन्हें फाफरा, कोदे की रोटी, लाल चावल और राजमा सहित क्षेत्र के पारंपरिक पकवान परोसे गए। मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों के साथ बैठकर भोजन किया और स्थानीय संस्कृति व खान-पान की जानकारी भी ली।

भटवाड़ी को विकास कार्यों की सौगात

मुख्यमंत्री के गांव पहुंचने के दौरान रास्ते में भी विभिन्न स्थानों पर ग्रामीणों ने उनका स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने महिला मंडलों को पांच-पांच लाख रुपये देने की घोषणा की। उन्होंने बरशील पुल को मोटरेबल बनाने का आश्वासन दिया। चिंगवाड़ी सड़क के निर्माण के लिए 20 लाख रुपये देने की घोषणा की गई। इसके अलावा पेखा-दिऊदी महिला मंडल भवन के निर्माण के लिए पांच लाख रुपये देने का ऐलान किया। मुख्यमंत्री ने धमवाड़ी स्कूल को सीबीएसई स्वरूप में विकसित करने की घोषणा भी की। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा, सड़क और अन्य मूलभूत सुविधाओं को मजबूत करने के लिए सरकार लगातार काम कर रही है। 'सरकार गांव के द्वार' कार्यक्रम का उद्देश्य दूरदराज क्षेत्रों के लोगों तक पहुंचकर उनकी समस्याओं को मौके पर समझना और उनके समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाना है।

राज्यपाल कविन्द्र गुप्ता ने गांधी-शास्त्री को श्रद्धासुमन किए अर्पित

राज्यपाल ने गांधी के सत्य-अहिंसा और शास्त्री के नैतिक मूल्यों को किया याद

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। राज्यपाल कविन्द्र गुप्ता ने गांधी जयंती के अवसर पर शिमला के ऐतिहासिक रिज मैदान पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को श्रद्धासुमन अर्पित किए। उन्होंने महात्मा गांधी के सत्य, अहिंसा और सत्याग्रह के सिद्धांतों को याद करते हुए कहा कि उनके विचार और आदर्श आने वाली पीढ़ियों को निरंतर प्रेरित करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि गांधी जी ने अपने संघर्ष और सत्याग्रह की शक्ति से देश के स्वतंत्रता आंदोलन में अतुलनीय योगदान दिया और अपना संपूर्ण जीवन समाज सेवा के लिए समर्पित किया।

राज्यपाल ने कहा कि महात्मा गांधी ने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान समाज के विभिन्न वर्गों को एकजुट किया। उनके विचार आज भी प्रासंगिक हैं और राष्ट्र निर्माण की दिशा में मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। उन्होंने स्वतंत्रता सेनानियों और शहीदों को भी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनके सर्वोच्च बलिदान के कारण देश को स्वतंत्रता प्राप्त हुई। राष्ट्र को उनके साहस, त्याग और समर्पण को सदैव स्मरण रखना चाहिए।

इस अवसर पर राज्यपाल ने रिज मैदान पर सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की ओर से महात्मा गांधी के जीवन और संघर्ष पर लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया।



रिज मैदान पर श्रद्धांजलि, शास्त्री के आदर्शों को जीवन में अपनाने का आह्वान

उन्होंने प्रदर्शनी में गांधी जी के जीवन से जुड़े विभिन्न पहलुओं और स्वतंत्रता आंदोलन में उनके योगदान की जानकारी ली। इसके बाद उन्होंने स्वच्छता कर्मियों को मैत्री संस्था की ओर से उपलब्ध करवाए गए हीटर वितरित किए।

इसके बाद राज्यपाल कविन्द्र गुप्ता ने शिमला के सीटीओ पहुंचकर पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने राष्ट्र की प्रगति में शास्त्री जी के योगदान को याद करते हुए कहा कि उन्होंने अपने जीवन में ईमानदारी, सादगी और नैतिक मूल्यों के उच्च मानदंड स्थापित किए। उन्होंने सार्वजनिक जीवन में स्वच्छता और नैतिकता को विशेष महत्व दिया।

ईमानदारी और सेवा के मूल्यों को अपनाने पर जोर

राज्यपाल ने कहा कि वर्तमान समय में भी सार्वजनिक जीवन से जुड़े लोगों को लाल बहादुर शास्त्री के जीवन और आदर्शों से प्रेरणा लेने की आवश्यकता है। महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री का जीवन सेवा, जिम्मेदारी, ईमानदारी और राष्ट्र के प्रति प्रतिबद्धता का संदेश देता है। उनके विचारों को जीवन में अपनाकर समाज और देश के विकास में सकारात्मक योगदान दिया जा सकता है। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री, नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर, पूर्व सांसद प्रतिभा सिंह, महापौर सुरेंद्र चौहान, हिमाचल प्रदेश वन निगम के उपाध्यक्ष केहर सिंह खाची, उपमहापौर उमा कौशल सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

जुब्बल में सीसीटीवी सुराग से चोरी की कार बरामद, आरोपी गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, जुब्बल। पुलिस थाना जुब्बल में दर्ज कार चोरी के मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी अजय कुमार उर्फ राजिन्द्र, निवासी जुब्बल, जिला शिमला, को गिरफ्तार किया है। आरोपी की उम्र 32 वर्ष बताई गई है। पुलिस ने चोरी की गई कार भी बरामद कर ली है।



पुलिस के अनुसार, इस संबंध में अभियोग संख्या 42/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 303(2) में 14 सितंबर 2026 को मामला दर्ज किया गया था। चोरी की वारदात मसिना कैंची, सावड़ा क्षेत्र में हुई थी। शिकायत मिलने के बाद पुलिस टीम ने वाहन की तलाश शुरू की।

जांच के दौरान पुलिस ने रोहड़ू और रामपुर क्षेत्र में कई स्थानों की सीसीटीवी फुटेज खंगाली। हटकोटी-खड़ापत्थर-रोहड़ू मार्ग, शीलघाट और ब्राल क्षेत्र में लगे कैमरों की फुटेज का गहन विश्लेषण किया गया। जांच और सीसीटीवी से मिले सुरागों के आधार पर पुलिस ने चोरी की कार को 20 सितंबर को रामपुर रोड पर सुंगरी के समीप से बरामद कर लिया।

मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी, जुब्बल की अदालत में पेश किया गया। अदालत से आरोपी का चार दिन का पुलिस रिमांड तीन अक्टूबर 2026 तक मिला है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है और चोरी की वारदात से जुड़े अन्य तथ्यों की जांच जारी है। जुब्बल पुलिस की त्वरित कार्रवाई से चोरी की वारदात का पर्दाफाश, रोहड़ू-रामपुर क्षेत्र में जांच के बाद सुंगरी के पास मिली कार, आरोपी से पूछताछ जारी, अन्य कड़ियों की तलाश में जुटी पुलिस।

जुब्बल में भीषण अग्निकांड, पांच मकान जलकर राख

आग से पांच परिवारों के उजड़े आशियाने, मंत्री ने हरसंभव सहायता का दिया भरोसा

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। शिमला जिले के जुब्बल क्षेत्र के धार गांव में वीरवार देर रात भीषण आग लगने से पांच रिहायशी मकान पूरी तरह जलकर राख हो गए। आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते पांच परिवारों के आशियाने इसकी चपेट में आ गए। हालांकि, राहत की बात यह रही कि हादसे में किसी व्यक्ति के हताहत होने की सूचना नहीं है। आग से संपत्ति का भारी नुकसान हुआ है। शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने अग्निकांड पर दुख जताते हुए प्रभावित परिवारों को हरसंभव सहायता का भरोसा दिया है।

जानकारी के अनुसार धार गांव में वीरवार रात करीब 11:20 बजे आग लगने की सूचना जुब्बल अग्निशमन केंद्र को मिली। सूचना मिलते ही दमकल कर्मी वाहनों के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। आग की भयावहता को देखते हुए रोहड़ू, कोटखाई और टिक्कर से भी दमकल वाहन मौके पर भेजे गए। स्थानीय पुलिस और ग्रामीणों ने भी आग बुझाने में दमकल कर्मियों का सहयोग किया।



दमकल कर्मियों ने रातभर कड़ी मशक्कत कर आग पर काबू पाया। आग को आसपास के अन्य मकानों और गांव के दूसरे हिस्सों तक फैलने से रोकने के लिए दमकल दल सुबह तक मौके पर डटा रहा। अग्निशमन विभाग की ओर से आग से हुए नुकसान का विस्तृत आकलन किया जा रहा है। प्रारंभिक तौर पर संपत्ति के भारी नुकसान का अनुमान है।

अग्निकांड में नानक चंद चौहान, हरनाम सिंह धाल्टा, नरेंद्र सिंह धाल्टा, गिंदा देवी और अनिल धान्टा के परिवार प्रभावित हुए हैं। पांचों के रिहायशी मकान आग की चपेट में आने से पूरी तरह जल गए। घटना के बाद प्रभावित परिवारों के सामने रहने और जरूरी सामान की व्यवस्था की चुनौती खड़ी हो गई है।

जुब्बल थाना प्रभारी ने बताया कि आग से पांच मकान जले हैं। घटना में किसी तरह का जानी नुकसान नहीं हुआ है। आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने धार गांव में हुए अग्निकांड पर गहरा दुख जताया। उन्होंने प्रभावित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि जीवनभर की मेहनत से बनाए आशियाने का आग की भेंट चढ़ जाना बेहद पीड़ादायक है। उन्होंने कहा कि संकट की इस घड़ी में प्रभावित परिवार खुद को अकेला न समझें। प्रदेश सरकार और प्रशासन उनके साथ खड़े हैं।

रोहित ठाकुर ने कहा कि अग्निकांड में हुए नुकसान को देखते हुए प्रभावित परिवारों को सरकार की ओर से हरसंभव सहायता उपलब्ध करवाने के प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि आपदा राहत नियमावली के तहत प्रभावित परिवारों को राहत और सहायता देने का मामला मुख्यमंत्री के समक्ष उठाया जाएगा।

पठानियां लौटेंगे स्वदेश, विदेश दौरे से हिमाचल पर्यटन को मिलेगी नई दिशा

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश विधान सभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानियां विदेश दौरे के समापन के बाद आज चार अक्टूबर को स्वदेश लौटेंगे। वह नॉर्वे की राजधानी ओस्लो से दुबई होते हुए वायुमार्ग से चंडीगढ़ पहुंचेंगे। पठानियां 13 सितंबर से विदेश दौरे पर थे। इस दौरान उन्होंने विभिन्न देशों में संसदीय सम्मेलन, आधिकारिक अध्ययन प्रवास और पर्यटन से जुड़े विषयों पर महत्वपूर्ण बैठकें कीं। पठानियां ने कहा कि विदेश दौरा उनके लिए कई स्मृतियों से भरपूर और ज्ञानवर्धक रहा। उन्होंने विभिन्न देशों में पर्यटन विकास से जुड़ी व्यवस्थाओं का गहन अध्ययन किया और संवाद के दौरान हिमाचल प्रदेश में मौजूद सांस्कृतिक एवं धार्मिक पर्यटन की संभावनाओं का विशेष उल्लेख किया।

संसदीय सम्मेलन में रखे विचार

पठानियां ने 14 से 17 सितंबर तक दक्षिण अफ्रीका की विधायी राजधानी केपटाउन में आयोजित 69वें राष्ट्रमंडल अंतरराष्ट्रीय संसदीय सम्मेलन में भाग लिया। सम्मेलन के दौरान उन्होंने कई महत्वपूर्ण विषयों पर वक्ता के रूप में अपने विचार रखे। इसके बाद उन्होंने इटली, फिनलैंड और नॉर्वे का आधिकारिक अध्ययन प्रवास किया। विदेश दौरे के दौरान पठानियां ने भारतीय दूतावासों के अधिकारियों, भारतीय समुदाय के लोगों और स्थानीय नागरिकों से विभिन्न विषयों पर चर्चा की। उन्होंने भारत और हिमाचल प्रदेश के हितों से जुड़े पर्यटन विषयों पर स्थानीय अधिकारियों और उद्योगपतियों से भी मुलाकात की तथा संबंधित देशों में पर्यटन विकास की व्यवस्थाओं और संभावनाओं का तुलनात्मक अध्ययन किया। पठानियां ने कहा कि हिमाचल की कला, संस्कृति और स्थानीय उत्पादों को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने की व्यापक संभावनाएं हैं।

ढली में 75वें वन्यजीव सप्ताह का शुभारंभ

मंत्री अनिरुद्ध सिंह ने वन्यजीव संरक्षण और जनभागीदारी पर दिया जोर

अनिल कुमार शर्मा,भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश में 75वें वन्यजीव सप्ताह 2026 का औपचारिक शुभारंभ ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री अनिरुद्ध सिंह ने शिमला के ढली स्थित वाटर कैचमेंट परिसर में किया। इस अवसर पर वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों, कर्मचारियों और अन्य गणमान्य लोगों ने भाग लिया। सप्ताह के दौरान वन्यजीव संरक्षण, उनके प्राकृतिक आवासों की सुरक्षा, स्वच्छता और जनजागरूकता से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।



वन्यजीव सप्ताह में संरक्षण प्रयासों के साथ सम्मानित किए गए कर्मठ अधिकारी

प्रधान मुख्य अरण्यपाल एवं मुख्य वन्यजीव संरक्षक आलोक प्रेम नागर ने मुख्य अतिथि और अन्य अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने सप्ताह भर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए वन एवं वन्यजीव संरक्षण में लोगों की सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया।

मंत्री अनिरुद्ध सिंह ने वन्यजीव संरक्षण और जनजागरूकता के क्षेत्र में वन विभाग के वन्यजीव प्रभाग की ओर से किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों को वन्यजीव सप्ताह के सफल आयोजन के लिए बधाई दी। उन्होंने प्रदेशवासियों से वन्यजीवों और उनके प्राकृतिक आवासों की सुरक्षा के लिए अपनी भूमिका सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

उन्होंने वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में सराहनीय योगदान देने वाले टीम सदस्यों को प्रशंसा पत्र और स्मृति-चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया। इसके बाद मंत्री ने हरी झंडी दिखाकर स्वच्छता अभियान की शुरुआत की। उन्होंने स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए लोगों से प्राकृतिक संसाधनों को सुरक्षित रखने का आह्वान किया।

मंत्री रोहित ठाकुर खिलाड़ियों को किया सम्मानित

खेलकूद प्रतियोगिता में नेरवा का दबदबा, दो खिताब किए अपने नाम

अनिल कुमार शर्मा,भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। रामपुर के तकलेच में आयोजित चौदह वर्ष से कम आयु वर्ग की छात्र खेलकूद प्रतियोगिता में नेरवा खंड के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपना दबदबा कायम किया। प्रतियोगिता में नेरवा ने बैडमिंटन और कबड्डी में खिताब अपने नाम किया, जबकि वालीबाल में उसे उपविजेता बनकर संतोष करना पड़ा। खिलाड़ियों के बेहतर प्रदर्शन की प्रतियोगिता में मौजूद लोगों ने सराहना की। बैडमिंटन के फाइनल मुकाबले में नेरवा ने देहा खंड को हराकर विजेता ट्रॉफी पर कब्जा किया। वहीं कबड्डी के फाइनल में नेरवा ने रोहड़ू खंड की टीम को पराजित कर खिताब जीता। वालीबाल के फाइनल मुकाबले में नेरवा को रोहड़ू खंड के हाथों हार का सामना करना पड़ा।



प्रतियोगिता के समापन अवसर पर शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने विजेता खिलाड़ियों को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। इस दौरान नेरवा खंड के शारीरिक शिक्षकों और खिलाड़ियों ने क्षेत्र में कबड्डी छात्रावास खोलने की मांग को लेकर मंत्री को लिखित पत्र सौंपा।

खंड प्रभारी भूप सिंह चौहान और शारीरिक शिक्षक संघ के खंड प्रधान दिनेश गजटा ने कहा कि नेरवा जिला शिमला का बड़ा और दुर्गम क्षेत्र है, जिसकी सीमा उत्तराखंड से लगती है।

ऐतिहासिक बावड़ी के संरक्षण में जुटी इको टास्क फोर्स

अनिल कुमार शर्मा,भारतेन्दु संवाददाता, मशोबरा। गांधी जयंती एवं स्वच्छ भारत दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित स्वच्छता ही सेवा पखवाड़े के तहत 133 इको टास्क फोर्स (डोगरा), कुफरी ने मशोबरा और कुफरी क्षेत्र में व्यापक स्वच्छता एवं पर्यावरण जागरूकता अभियान चलाया। अभियान के दौरान राष्ट्रपति निवास परिसर स्थित ऐतिहासिक बावड़ी के पुनरुद्धार और रखरखाव पर विशेष ध्यान दिया गया।



133 इको टास्क फोर्स के जवानों ने राष्ट्रपति निवास के कर्मचारियों, स्थानीय पंचायत प्रतिनिधियों, दुकानदारों, विद्यार्थियों और विभिन्न संस्थाओं के सदस्यों के साथ मिलकर बावड़ी, कुफरी हेरिटेज तालाब, पर्यटक बाजार और सार्वजनिक स्थलों की सफाई की। एकत्रित कचरे को जैविक, पुनर्चक्रण योग्य और प्लास्टिक श्रेणियों में अलग कर उचित निस्तारण के लिए संबंधित एजेंसियों को सौंपा गया।

अभियान के तहत राजकीय उच्च विद्यालय शकरा और राजकीय उच्च विद्यालय किंडर में भी स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित किए गए। विद्यार्थियों और शिक्षकों ने विद्यालय परिसर, खेल मैदान, ग्रामीण संपर्क मार्गों तथा आसपास के जलस्रोतों की सफाई की। विद्यार्थियों को व्यक्तिगत स्वच्छता, कचरा पृथक्करण, प्लास्टिक का कम उपयोग और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया।

कांग्रेस ने गांधी और शास्त्री को श्रद्धासुमन किए अर्पित



भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस दौरान दोनों महान नेताओं के जीवन, संघर्ष और देश के प्रति योगदान को याद किया गया। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष अमित नंदा ने कहा कि महात्मा गांधी ने सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलकर देश के स्वतंत्रता आंदोलन को नई दिशा दी। उनका योगदान देश ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व में सदैव स्मरण किया जाएगा। उन्होंने लाल बहादुर शास्त्री को याद करते हुए कहा कि 'जय जवान, जय किसान' का संदेश देकर उन्होंने किसानों और जवानों के महत्व को रेखांकित किया। प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष एवं सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की महासचिव जैनब चंदेल ने कहा कि महात्मा गांधी ने सत्य, अहिंसा और मानवता का मार्ग दिखाया, जो आज भी समाज का मार्गदर्शन करता है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को देश कभी नहीं भुला सकता।

कैचमेंट क्षेत्र संरक्षण से मजबूत होगी शिमला की जल सुरक्षा, पर्यावरण और जैव विविधता

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। वन्यजीव सप्ताह समारोह-2026 के तहत वाटर कैचमेंट अभयारण्य, ढली में उद्घाटन समारोह और स्वच्छता अभियान आयोजित किया गया। कार्यक्रम में ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री अनिरुद्ध सिंह ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। कार्यक्रम का आयोजन हिमाचल प्रदेश वन विभाग के वन्यजीव प्रभाग की ओर से किया गया।



मंत्री अनिरुद्ध सिंह ने कहा कि कैचमेंट क्षेत्र केवल जंगल नहीं, बल्कि शिमला की जल सुरक्षा, पर्यावरणीय संतुलन और जैव विविधता का महत्वपूर्ण आधार है। पेड़ वर्षा और बर्फ के पानी को संचित रखते हैं और धीरे-धीरे इसे जमीन में पहुंचाकर प्राकृतिक जलस्रोतों के पुनर्भरण में मदद करते हैं। उन्होंने कहा कि बच्चों और आम लोगों को जल संरक्षण की प्राकृतिक प्रक्रिया के प्रति जागरूक करना जरूरी है।

उन्होंने कहा कि जंगल और जलस्रोतों का संरक्षण केवल वन विभाग की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। जंगल में गिरे पेड़ और जैविक अवशेष भी पारिस्थितिकी तंत्र के लिए उपयोगी हैं। उन्होंने प्लास्टिक प्रदूषण को वन्यजीवों के लिए गंभीर खतरा बताते हुए जंगलों में प्लास्टिक पहुंचने से रोकने का आह्वान किया।

मंत्री ने कैचमेंट क्षेत्र के प्राकृतिक मार्गों को चरणबद्ध तरीके से प्रकृति पर्यटन के लिए विकसित करने का सुझाव दिया। उन्होंने प्रवेश-निकास व्यवस्था, आगंतुकों के पंजीकरण और सुरक्षा जांच को मजबूत करने पर भी जोर दिया। साथ ही पेड़-पौधों की स्थानीय एवं वैज्ञानिक जानकारी क्यूआर कोड के माध्यम से उपलब्ध करवाने का सुझाव दिया।

सियासत

कर्मचारियों की मांगों और योजना में देरी पर जयराम ने सुक्खू सरकार से मांगा स्पष्ट जवाब

जयराम ने सुखी परिवार योजना पर सुक्खू सरकार को घेरा

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने गांधी जयंती और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर शिमला के ऐतिहासिक रिज मैदान स्थित प्रतिमाओं पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस दौरान उन्होंने स्वच्छता अभियान में भी भाग लिया और सफाई कर्मचारियों के योगदान की सराहना की। जयराम ठाकुर ने प्रदेश सरकार से सफाई कर्मचारियों की मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करने का आग्रह किया। शिमला में गांधी-शास्त्री जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में जयराम ठाकुर समेत अन्य नेताओं ने भी दोनों महान नेताओं को श्रद्धांजलि दी।

श्रद्धांजलि के बाद मीडिया से बातचीत में जयराम ठाकुर ने महात्मा गांधी के सत्य, अहिंसा, त्याग और सत्याग्रह के आदर्शों को याद किया। उन्होंने कहा कि गांधी के विचार आज भी समाज और देश के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के सादगी, ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा के जीवन को याद करते हुए उनके प्रसिद्ध नारे 'जय जवान, जय किसान' का उल्लेख किया।

◆सुखी परिवार योजना के विलंब और कर्मचारियों के आंदोलन पर जताई चिंता



दिल्ली दौरे की चर्चाओं के बीच कर्मचारी हितों पर सरकार से जवाब मांगा

दिल्ली दौरे को लेकर दी जानकारी : अपने हालिया दिल्ली दौरे से जुड़े सवाल पर जयराम ठाकुर ने कहा कि उन्होंने केंद्रीय मंत्रियों के साथ प्रदेश हित से जुड़े विभिन्न विकास कार्यों, सरकार के कामकाज और संगठन से जुड़े विषयों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि केंद्र से प्रदेश को सहयोग मिलता रहा है और विभिन्न योजनाओं के संबंध में भी चर्चा होती रहती है। उनका कहना था कि बैठकों में इस बात पर भी विचार किया गया कि केंद्र की योजनाओं और सहयोग का हिमाचल को अधिक से अधिक लाभ कैसे मिल सके।

सरकार पर कर्मचारी हितों की अनदेखी का आरोप : नेता प्रतिपक्ष ने प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि कर्मचारी हितैषी होने का दावा करने वाली सरकार में कर्मचारी और पेंशनर अपनी मांगों को लेकर धरने पर बैठने को मजबूर हैं। उन्होंने कहा कि कई दिनों से अपनी मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे जेबीटी शिक्षकों की समस्याओं पर भी सरकार को गंभीरता से विचार करना चाहिए।

भारतेन्दु Classifieds

नाम परिवर्तन

मैं, अरुण शुक्ला पुत्र श्री रामा पति निवासी सी/ओ ए-3 विंसम टेक्सटाइल इंडस्ट्रीज लिमिटेड, साई रोड 1, औद्योगिक क्षेत्र, बद्दी, जिला - सोलन हिमाचल प्रदेश ब्यान करता हूं कि मेरे शैक्षणिक प्रमाण पत्र में मेरा नाम अरूण शुक्ला दर्ज है। जबकि अन्य सरकारी दस्तावेजों में मेरा नाम अरूण कुमार दर्ज है। अरूण कुमार व अरूण शुक्ला एक ही व्यक्ति के नाम है। भविष्य में मुझे अरूण शुक्ला के नाम से जाना जाएं। सभी नोट करें।

न्यूज ब्रीफ

रुद्रप्रयाग पुलिस ने गांधी-शास्त्री जयंती पर अर्पित किए श्रद्धासुमन



भारतेन्दु संवाददाता, रुद्रप्रयाग। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर रुद्रप्रयाग पुलिस ने विभिन्न स्थानों पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किए। रिजर्व पुलिस लाइन रतूड़ा में पुलिस अधीक्षक नीहारिका तोमर ने दोनों महापुरुषों के चित्रों पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। उन्होंने पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को गांधी एवं शास्त्री के आदर्शों, जीवन मूल्यों और सिद्धांतों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान समानता, सद्भाव, अहिंसा और प्रेम की भावना को बढ़ावा देने का आह्वान किया गया। पुलिस कार्यालय, कोतवाली और चौकियों में भी श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम के बाद पुलिस कार्यालय, पुलिस लाइन और चौकियों में स्वच्छता अभियान चलाकर साफ-सफाई की गई।

जंगल के बेजुबानों की सुरक्षा का संदेश लेकर निकली वन विभाग की बाइक रैली



सुनील सोनकर

मसूरी। जंगलों में रहने वाले वन्यजीवों की सुरक्षा और उनके प्रति संवेदनशीलता का संदेश लेकर मसूरी में वन विभाग की बाइक रैली निकली। वन्य प्राणी सुरक्षा सप्ताह के तहत मसूरी वन प्रभाग कार्यालय से निकली रैली को डीएफओ डीपी बलूनी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए शहीद भगत सिंह चौक पर संपन्न हुई। रैली बालाहिसार, किंग्रेग, लाइब्रेरी, मालरोड, शहीद स्थल. इंदमणि बडोनी चौक और कलडी होते हुए शहीद भगत सिंह चौक पहुंची। इस दौरान वन विभाग की टीम ने लोगों को वन्यजीवों के संरक्षण, उनकी सुरक्षा और उनके प्रति संवेदनशील व्यवहार के लिए जागरूक किया। वन विभाग की ओर से वन्य प्राणी सुरक्षा सप्ताह के तहत रायपुर, कैप्टी, देवलसारी और सुमनक्यारी रेंज में भी स्कूली विद्यार्थियों के सहयोग से जागरूकता रैलियां निकाली गईं। साथ ही विभिन्न स्थानों पर सफाई अभियान भी चलाया गया। डीएफओ डीपी बलूनी ने बताया कि अक्टूबर के पहले सप्ताह में वन्यजीवों की सुरक्षा को लेकर विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। मसूरी वन प्रभाग की सभी रेंजों में रैली, कार्यशाला, ट्रैकिंग और गोष्ठियों के माध्यम से लोगों को वन्यजीव संरक्षण के प्रति जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वन्यजीवों की सुरक्षा केवल वन विभाग की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि आम लोगों की सहभागिता भी जरूरी है। रैली में रेंज अधिकारी महेंद्र चौहान, वन दरोगा अभिषेक सजवाण सहित वन विभाग के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

- **वन्य प्राणी सुरक्षा सप्ताह पर मसूरी में जागरूकता अभियान, रैलियों के साथ सफाई अभियान और गोष्ठियों का भी होगा आयोजन**

रामपुर तिराहा के बलिदानियों को सीएम धामी ने दी श्रद्धांजलि

कहा- आंदोलनकारियों के सम्मान और हितों के लिए सरकार प्रतिबद्ध

अनिल थपलियाल



देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को रामपुर तिराहा स्थित शहीद स्थल पर उत्तराखंड राज्य आंदोलन के अमर बलिदानियों की पुण्य स्मृति में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में शामिल होकर शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने रामपुर तिराहा कांड के शहीदों को नमन करते हुए कहा कि राज्य आंदोलनकारियों के संघर्ष और बलिदान के कारण ही उत्तराखंड पृथक राज्य के रूप में अस्तित्व में आया। उन्होंने कहा कि 1 और 2 अक्टूबर 1994 की रात दिल्ली जा रहे राज्य आंदोलनकारियों के साथ रामपुर तिराहा में हुई घटना उत्तराखंड राज्य आंदोलन के इतिहास का अत्यंत पीड़ादायक अध्याय है। खटीमा, मसूरी, रामपुर तिराहा और श्रीनगर के श्री यंत्र टापू सहित विभिन्न स्थानों पर आंदोलनकारियों ने राज्य निर्माण के लिए अपना बलिदान दिया।

मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि राज्य आंदोलन में शहीद हुए जिन आंदोलनकारियों की प्रतिमाएं अब तक स्थापित नहीं हुई हैं, उनकी प्रतिमाएं उनके पैतृक गांव अथवा निवास क्षेत्र में उपयुक्त स्थान पर स्थापित की जाएंगी। उन्होंने रामपुर तिराहा स्थित राज्य अतिथि गृह के उच्चीकरण, शहीद स्मारक परिसर में स्थित पुस्तकालय को ई-लाइब्रेरी के रूप में विकसित करने और संग्रहालय के विस्तार की भी घोषणा की। संग्रहालय में उत्तराखंड के पारंपरिक वाद्य यंत्रों, वेशभूषा और लोक संस्कृति से जुड़ी सामग्री को शामिल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य आंदोलनकारियों के पुन: चिन्हीकरण की प्रक्रिया भी जल्द पूरी की जाएगी।

धामी ने कहा कि राज्य सरकार आंदोलनकारियों और उनके आश्रितों के सम्मान एवं हितों के लिए लगातार काम कर रही है। राज्य आंदोलनकारियों और उनके आश्रितों को राजकीय सेवाओं में 10 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण दिया जा रहा है। आश्रितों को नियुक्ति पत्र भी दिए गए हैं।

मातृशक्ति के संघर्ष को मुख्यमंत्री ने सराहा

मुख्यमंत्री ने रामपुर तिराहा कांड में शहीद आंदोलनकारियों की प्रतिमाओं की स्थापना के कार्य का शिलान्यास भी किया। उन्होंने बताया कि इसके लिए 27 लाख रुपये की धनराशि जारी की गई है। स्मारक के लिए भूमि दान करने वाले स्व. पंडित महावीर शर्मा के योगदान को भी उन्होंने नमन किया और बताया कि उनकी प्रतिमा स्मारक परिसर में स्थापित की गई है। मुख्यमंत्री ने आंदोलन के दौरान स्थानीय लोगों द्वारा आंदोलनकारियों को दिए गए सहयोग और शरण के लिए उनका आभार जताया। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड राज्य निर्माण आंदोलन में मातृशक्ति की भूमिका अतुलनीय रही। माताओं और बहनों ने अनेक कठिनाइयों का सामना करते हुए आंदोलन को निर्णायक मुकाम तक पहुंचाया। उन्होंने कहा कि शहीदों और आंदोलनकारियों का संघर्ष भावी पीढ़ियों को देशभक्ति, समाजसेवा और राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित करता रहेगा। शहीदों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि उनके सपनों और भावनाओं के अनुरूप उत्तराखंड को समृद्ध, सशक्त और अग्रणी राज्य बनाया जाए।

आनंद बर्धन ने गांधी और शास्त्री जयंती पर अर्पित किए श्रद्धासुमन



सचिवालय में गांधी और शास्त्री को नमन करते हुए।

अनिल थपलियाल

देहरादून। मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने सचिवालय में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर उनके चित्रों पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस दौरान सचिवालय के अन्य उच्चाधिकारियों ने भी गांधीजी और पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय लाल बहादुर शास्त्री के चित्रों पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में दोनों महापुरुषों के जीवन और देश के प्रति उनके योगदान को याद किया गया।

इस अवसर पर भारतखंडे संगीत महाविद्यालय की ओर से महात्मा गांधी के प्रिय भजन 'वैष्णव जन' का सामूहिक गायन किया गया। भजन के माध्यम से गांधीजी के सत्य, अहिंसा, सेवा और मानवता के संदेश को स्मरण किया गया। अधिकारियों और कर्मचारियों ने दोनों महापुरुषों के आदर्शों को अपनाने का संकल्प लिया।

मुख्य सचिव ने कहा कि महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री का जीवन देशवासियों के लिए प्रेरणास्रोत है। गांधीजी ने सत्य और अहिंसा का मार्ग दिखाया, जबकि शास्त्रीजी ने सादगी, ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा का उदाहरण प्रस्तुत किया। उनके विचार आज भी राष्ट्र निर्माण के लिए प्रासंगिक हैं।

इस अवसर पर प्रमुख सचिव आरके सुधांशु, आर. मीनाक्षी सुंदरम, सचिव नितेश कुमार झा, अपर सचिव विजय कुमार जोगदंडे, नवनीत पाण्डेय सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

रामपुर तिराहा शहीदों को यकेडी ने दी श्रद्धांजलि

श्रद्धांजलि तक सीमित न रहे सरकार, शहीदों के सपनों को साकार करे : उक्रांद

अनिल थपलियाल



देहरादून। रामपुर तिराहा कांड के अमर शहीदों की स्मृति में उत्तराखंड क्रांति दल के केंद्रीय अध्यक्ष सुरेंद्र कुकरेती के नेतृत्व में उक्रांद के पदाधिकारी और कार्यकर्ता रामपुर तिराहा पहुंचे। उन्होंने शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित कर उनके बलिदान को नमन किया। इस अवसर पर केंद्रीय अध्यक्ष सुरेंद्र कुकरेती ने कहा कि उत्तराखंड के शहीदों ने जिस राज्य की कल्पना की थी, वह केवल सरकारी कार्यक्रमों और श्रद्धांजलि तक सीमित नहीं होना चाहिए। शहीदों के सपनों का उत्तराखंड बनाने के लिए सरकार को ठोस कार्य करने की आवश्यकता है।

कुकरेती ने कहा कि रामपुर तिराहा कांड के शहीदों को सच्ची श्रद्धांजलि तभी होगी, जब प्रदेश में मूल निवास, भू-कानून, रोजगार, पलायन रोकने, युवाओं के भविष्य और उत्तराखंड के संसाधनों पर प्रदेशवासियों के अधिकार जैसे मुद्दों पर गंभीरता से काम किया जाएगा। उन्होंने युवाओं से राज्य के हितों की लड़ाई को मजबूत करने के लिए आगे आने और उक्रांद के साथ लामबंद होने का आह्वान किया।

उक्रांद के पूर्व केंद्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक पुष्पेश त्रिपाठी ने भी रामपुर तिराहा कांड को उत्तराखंड के इतिहास का काला दिन बताते हुए शहीदों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि सरकार को केवल औपचारिक श्रद्धांजलि कार्यक्रमों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि प्रदेश के युवाओं के रोजगार और भविष्य के लिए भी गंभीरता से काम करना चाहिए। उन्होंने सरकार से प्रदेश के हितों और युवाओं के भविष्य को प्राथमिकता देने की मांग की।

इस अवसर पर केंद्रीय महामंत्री संगठन गणेश काला, केंद्रीय उपाध्यक्ष बहादुर सिंह रावत, मोहन असवाल, कर्नल सुनील कोटनाला सहित बड़ी संख्या में उक्रांद पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। उक्रांद ने कहा कि शहीदों का सम्मान केवल श्रद्धांजलि से नहीं, बल्कि उनके सपनों के उत्तराखंड के निर्माण के संघर्ष को आगे बढ़ाकर किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने उत्तराखण्ड राज्य आंदोलनकारी शहीदों को अर्पित की श्रद्धांजलि

राज्य आंदोलनकारियों के संघर्ष और बलिदान से ही उत्तराखण्ड राज्य का निर्माण संभव हुआ : मुख्यमंत्री

अनिल थपलियाल



देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को शहीद स्थल कचहरी परिसर में उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारी शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने शहीद आंदोलनकारियों के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए उनके संघर्ष, त्याग और बलिदान को नमन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य आंदोलनकारियों के संघर्ष और बलिदान के कारण ही अलग उत्तराखंड राज्य का निर्माण संभव हो सका। राज्य निर्माण में उनके योगदान को सदैव स्मरण रखा जाएगा।

उन्होंने कहा कि उत्तराखंड राज्य के लिए अपने प्राणों का बलिदान देने वाले आंदोलनकारी प्रदेश के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उनके सपनों और आकांक्षाओं के अनुरूप समृद्ध, सशक्त और आत्मनिर्भर उत्तराखंड का निर्माण करना ही शहीद आंदोलनकारियों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार आंदोलनकारियों और शहीद आंदोलनकारियों के परिजनों के सम्मान तथा कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार की ओर से उनके हितों को ध्यान में रखते हुए निरंतर कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य आंदोलनकारियों की कुर्बानी को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाना सभी की जिम्मेदारी है। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री खजान दास भी मौजूद रहे।

भैरव सेना के रक्तदान शिविर में 33 यूनिट रक्तदान

रामपुर तिराहा कांड के शहीदों की स्मृति में भैरव सेना ने लगाया रक्तदान शिविर

अनिल थपलियाल



देहरादून। रामपुर तिराहा गोलीकांड के अमर शहीदों की स्मृति में भैरव सेना संगठन की ओर से स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। संगठन ने कहा कि दो अक्टूबर 1994 को पृथक उत्तराखंड राज्य की मांग को लेकर दिल्ली जा रहे निहत्थे राज्य आंदोलनकारियों पर रामपुर तिराहा में हुई पुलिस कार्रवाई राज्य आंदोलन के इतिहास का अत्यंत पीड़ादायक अध्याय है। शहीदों को श्रद्धांजलि देने और उनके सपनों का उत्तराखंड बनाने का संकल्प दोहराने के उद्देश्य से शिविर लगाया गया।

सुबह नौ बजे से दोपहर तीन बजे तक चले शिविर में स्थानीय निवासियों और युवाओं ने उत्साह के साथ भाग लिया। बड़ी संख्या में लोग रक्तदान के लिए पहुंचे। स्वास्थ्य जांच के दौरान कुछ लोगों के रक्तचाप और शुगर स्तर में उतार-चढ़ाव पाया गया, जबकि कुछ लोग हाल में रक्तदान कर चुके थे। स्वास्थ्य सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उन्हें रक्तदान की अनुमति नहीं दी गई। शिविर में कुल 33 यूनिट रक्त एकत्र किया गया।

शिविर का नेतृत्व भैरव सेना के जिला अध्यक्ष अनिल कुमार ने किया, जबकि संयोजक प्रदेश संगठन मंत्री गणेश जोशी रहे। संस्थापक अध्यक्ष संदीप खत्री, केंद्रीय सचिव संजय पवार, युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष मयंक मलेठा, जिला उपाध्यक्ष गजेंद्र चौहान, गोविंद वाधवा सहित कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने रक्तदान किया। पदाधिकारियों ने कहा कि जनसेवा और रक्तदान के माध्यम से शहीदों को सच्ची श्रद्धांजलि दी जा सकती है।

एसएसपी दून के नेतृत्व में दून पुलिस की बड़ी कार्यवाही

अनैतिक देह व्यापार के धंधे में लिप्त गिरोह के सरगना सहित 6 अभियुक्तों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

विकास बलूनी



देहरादून। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून ने सभी थाना प्रभारियों को अपने-अपने थाना क्षेत्र में अवैध गतिविधियों में लिप्त अभियुक्तों को चिन्हित कर प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। इसी क्रम में 1 अक्टूबर 2026 को प्रभारी निरीक्षक कोतवाली पटेल नगर को मुखबिर से हरभजवाला स्थित नीलकंठ एनक्लेव में महिलाओं और पुरुषों द्वारा अवैध देह व्यापार कराए जाने की सूचना मिली। उच्चाधिकारियों को अवगत कराने के बाद पुलिस टीम गठित कर मकान में औचक छापेमारी की गई। मौके पर तीन महिलाएं, एक नाबालिग युवती और तीन पुरुष आपत्तिजनक स्थिति में मिले। पुलिस ने तीन महिलाओं सहित छह अभियुक्तों को गिरफ्तार किया और नाबालिग युवती को रेस्क्यू किया।

पुलिस के अनुसार, पूछताछ में सामने आया कि मनीष कुमार लखेडा ने मकान किराये पर लेकर दिल्ली से महिलाओं को बुलाकर देह व्यापार का धंधा चला रखा था। वह फोन के माध्यम से ग्राहकों से संपर्क कर उन्हें महिलाओं की तस्वीरें भेजता था और मांग के अनुसार महिलाओं को दिल्ली से बुलाकर कमरे अथवा ग्राहकों के बताए स्थान पर भेजता था। नाबालिग युवती को अभियुक्त अभिषेक दिल्ली से मसूरी घुमाने के बहाने देहरादून लाया था। आरोप है कि गलत काम के लिए दबाव बनाने और विरोध करने पर उसे कमरे में बंधक बनाकर रखा गया।

- **गिरफ्तार अभियुक्तों के विरुद्ध पोक्सो एक्ट अनैतिक व्यापार (निवारण) अधिनियम 1956 व बीएनएस के अंतर्गत संगीन धाराओं में दर्ज किया गया अभियोग**
- **अनैतिक देह व्यापार के लिए गुमराह कर दिल्ली से लाई गई एक नाबालिक युवती को किया रेस्क्यू**

मामले में कोतवाली पटेल नगर में मुकदमा संख्या 704/2026, धारा 96/99/127(2)/3(5) बीएनएस, 14(5) पोक्सो अधिनियम तथा 3/4/5/11 देह व्यापार अधिनियम के तहत अभियोग दर्ज किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों में मनीष कुमार लखेडा, अभिषेक, भानू उर्फ सिद्धान्त, ममता, नेहा और सुमन शामिल हैं। पुलिस ने आपत्तिजनक सामग्री, दवाइयां और 18 हजार रुपये नकद बरामद किए।

कार्रवाई करने वाली पुलिस टीम में निरीक्षक नरेश सिंह राठौड़, व0उ0नि0 मुकेश थलेडी, उ0नि0 जयवीर सिंह, म0उ0नि0 शिखा तेग्रवाल, हे0का0 मनोज कुमार, का0 कैलाश पंवार, का0 बृजमोहन सिंह रावत, का0 नितिन कुमार, का0 राकेश पंवार और हे0का0 चालक बाबूलाल शामिल रहे।

चुनावी तैयारी

बांसुरी स्वराज बोलीं, भाजपा पर भरोसा जताएगा उत्तराखंड का मतदाता

उत्तराखंड में तीसरी बार सरकार बनाएगी भाजपा: बांसुरी स्वराज

भारतेन्दु संवाददाता, देहरादून



भारतीय जनता पार्टी की सह प्रभारी एवं सांसद बांसुरी स्वराज ने कहा कि भाजपा आगामी विधानसभा चुनाव में उत्तराखंड में लगातार तीसरी बार सरकार बनाने के लक्ष्य के साथ मैदान में उतरेगी। उन्होंने कहा कि पार्टी संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने के साथ चुनावी तैयारियों को गति दे रही है। प्रदेश का मतदाता राष्ट्रवादी सोच वाली भाजपा पर भरोसा जताएगा। स्वराज शुक्रवार को भाजपा प्रदेश मुख्यालय में प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट की अध्यक्षता में हुई संगठनात्मक बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रही थीं। बैठक में नवनियुक्त प्रदेश प्रभारी एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राम माधव, सह प्रभारी अरविंद मेनन और प्रदेश महामंत्री संगठन फणींद्रनाथ शर्मा सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

बैठक में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों, संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने और चुनावी रणनीति सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। स्वराज ने कहा कि किसी राजनीतिक दल को मिलने वाली सीटों में बढ़ोतरी या कमी किसी एक व्यक्ति के कारण नहीं होती, बल्कि अंतिम निर्णय मतदाता करता है। उन्होंने उत्तराखंड को वीरभूमि और देवभूमि बताते हुए कहा कि प्रदेश के बड़ी संख्या में लोग सेना से जुड़े हैं और यहां राष्ट्रवादी सोच के प्रति लोगों का विशेष जुड़ाव है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में प्रदेश में चल रहे विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए उन्होंने दिल्ली-देहरादून द्रुतमार्ग का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि करीब 12 हजार करोड़ रुपये की लागत वाली इस परियोजना से दोनों शहरों के बीच यात्रा का समय कम हुआ है।

- **मोदी-धामी के नेतृत्व में विकास कार्य आगे बढ़ने का दावा**

पारंपरिक अंदाज में बांसुरी स्वराज का स्वागत

भाजपा प्रदेश कार्यालय में उनके स्वागत के दौरान उत्तराखंड की संस्कृति और परंपरा की झलक भी देखने को मिली। पारंपरिक वेशभूषा में पहुंचीं महिलाओं ने तिलक लगाकर और पुष्पवर्षा कर उनका स्वागत किया। जवाब में स्वराज ने भी महिलाओं पर पुष्पवर्षा की और उनके पैर छूकर आशीर्वाद लिया। स्वागत के दौरान एक महिला जब उनके पैर छूने के लिए आगे बढ़ीं तो स्वराज ने उन्हें रोक दिया। इस दौरान आपसी सम्मान और आत्मीयता का भाव नजर आया।

टिकट के सवाल पर स्वराज ने नहीं खोले पत्ते

विधायकों के प्रदर्शन और आगामी चुनाव में टिकट को लेकर संगठनात्मक बैठक में हुई चर्चा के सवाल पर स्वराज ने कहा कि पार्टी और संगठन के भीतर होने वाली चर्चाओं को सार्वजनिक नहीं किया जा सकता। उन्होंने इस संबंध में कोई जानकारी साझा नहीं की। इससे पहले बांसुरी स्वराज ने देहरादून स्थित प्रसिद्ध टपकेश्वर महादेव मंदिर पहुंचकर भगवान शिव की पूजा-अर्चना की और आशीर्वाद लिया। उन्होंने मंदिर को देहरादून की धार्मिक और आध्यात्मिक पहचान से जुड़ा प्रमुख तीर्थस्थल बताया।

परेड ग्राउंड में शुरू हुआ आर्किटेक्स एक्सपो

पूर्व सीएम तीरथ सिंह रावत ने किया आर्किटेक्स एक्सपो का उद्घाटन

अनिल थपलियाल



चार अक्टूबर तक चलेगी आर्किटेक्स की तीन दिवसीय प्रदर्शनी।

देहरादून। परेड ग्राउंड में गुरुवार से तीन दिवसीय आर्किटेक्स-द आर्किटेक्चरल एक्सपो का शुभारंभ हुआ। दो से चार अक्टूबर तक चलने वाली इस प्रदर्शनी का उद्घाटन पूर्व मुख्यमंत्री एवं सांसद तीरथ सिंह रावत ने किया। प्रदर्शनी में वास्तुकला, आंतरिक सज्जा, भवन निर्माण और अक्षय ऊर्जा क्षेत्र से जुड़े प्रमुख ब्रांड, निर्माता, विशेषज्ञ और पेशेवर भाग ले रहे हैं। उद्घाटन कार्यक्रम में छोटी बच्चियों ने सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुत किया। इसके बाद अतिथियों का सम्मान किया गया और वास्तुकला, निर्माण, डिजाइन तथा ऊर्जा क्षेत्र से जुड़े विषयों पर परिचर्चा हुई।

विशेषज्ञों ने आधुनिक निर्माण तकनीक, डिजाइन में नवाचार, सतत विकास और उद्योग के सामने मौजूद चुनौतियों व संभावनाओं पर विचार रखे। प्रदर्शनी में टाइल्स, सिरेमिक, संगमरमर, प्राकृतिक पत्थर, स्नानघर एवं स्वच्छता उत्पाद, दरवाजे-खिड़कियां, एल्युमिनियम, पीवीसी, कांच, रेलिंग, फर्श, रंग एवं लेप, विद्युत समाधान, नलसाजी, रसोई, स्नानघर, फर्नीचर और स्मार्ट होम से जुड़े उत्पाद प्रदर्शित किए जा रहे हैं।

आगंतुकों को विभिन्न कंपनियों के उत्पादों और नई तकनीकों की जानकारी एक ही स्थान पर मिल रही है। आयोजकों के अनुसार, आर्किटेक्स केवल उत्पाद प्रदर्शनी नहीं बल्कि ज्ञान साझा करने, संपर्क बढ़ाने और व्यावसायिक अवसर उपलब्ध कराने का मंच भी है। इसके साथ रेन्यूएक्स प्रदर्शनी भी आयोजित की जा रही है, जिसमें अक्षय और सौर ऊर्जा क्षेत्र की नवीन तकनीकों को प्रदर्शित किया गया है। कार्यक्रम में डीपी गैरोला, राहुल सक्सेना, गिरेन्द्र भारतीया, बीएस राणा, इंदर ढींगरा, डीके सिंह, विजय सिंह तोमर और राहुल देव सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

चंडीगढ़ की पुनर्वास कालोनियों के 35 हजार परिवारों को जल्द मिलेगा मालिकाना हक

प्रशासक ने गृह मंत्री के समक्ष उठाया मुद्दा, नीड बेस्ड बदलावों को भी राहत की उम्मीद



भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। फगवाड़ा स्थित लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी (एलपीयू) और मोहाली की चितकारा यूनिवर्सिटी में हालिया विवादों के दौरान हुई हिंसक घटनाओं ने कैंपस के माहौल के साथ विद्यार्थियों के करियर को लेकर भी चिंता बढ़ा दी है। निजी विश्वविद्यालयों में अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए नवंबर-दिसंबर का समय महत्वपूर्ण होता है, क्योंकि इसी दौरान देश-विदेश की बड़ी कंपनियां कैंपस प्लेसमेंट के लिए पहुंचती हैं।

इन विश्वविद्यालयों में प्रबंधन, इंजीनियरिंग और अन्य पाठ्यक्रमों के हजारों विद्यार्थी प्लेसमेंट प्रक्रिया में शामिल होते हैं। कई कंपनियां योग्य विद्यार्थियों को आकर्षक वेतन पैकेज भी देती हैं। ऐसे में कैंपस में किसी तरह की हिंसा, असुरक्षा या लंबे समय तक बना तनाव प्लेसमेंट गतिविधियों को प्रभावित करने की आशंका बढ़ा सकता है।

समग्र विश्वविद्यालय की छवि भी अहम : विशेषज्ञों के अनुसार कंपनियां प्लेसमेंट के लिए केवल विद्यार्थियों की शैक्षणिक योग्यता को ही नहीं देखतीं, बल्कि विश्वविद्यालय के अनुशासन, सुरक्षा, स्थिरता और अकादमिक वातावरण को भी महत्व देती हैं। यदि किसी संस्थान की पहचान लगातार विवाद या हिंसक घटनाओं से जुड़ने लगे तो कंपनियां वहां प्लेसमेंट गतिविधियों को लेकर अतिरिक्त सावधानी बरत सकती हैं।

चंडीगढ़ स्थित पंजाब विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. अरुण कुमार ग्रोवर ने कहा कि निजी विश्वविद्यालयों में अकादमिक सत्र एक निर्धारित प्रक्रिया के तहत चलता है। विद्यार्थियों की उपस्थिति, आंतरिक मूल्यांकन, परीक्षाएं और अन्य गतिविधियां पूरे वर्ष तय कार्यक्रम के अनुसार होती हैं। ऐसे में लंबे समय तक खराब माहौल रहने का असर अकादमिक गतिविधियों के साथ प्लेसमेंट पर भी पड़ सकता है।

उन्होंने कहा कि निजी विश्वविद्यालयों में अभिभावक बच्चों की शिक्षा पर बड़ी राशि खर्च करते हैं। विद्यार्थी भी बेहतर शिक्षा के साथ अच्छे रोजगार और करियर की उम्मीद लेकर दाखिला लेते हैं। यदि कैंपस का वातावरण सुरक्षित और व्यवस्थित नहीं रहता तो इसका असर विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा पर पड़ सकता है। मेधावी विद्यार्थी भी भविष्य में ऐसे संस्थानों में दाखिला लेने को लेकर विचार कर सकते हैं।

समग्र कंपनियां माहौल को भी देती हैं महत्व : मोहाली स्थित अमेठी यूनिवर्सिटी के पूर्व कुलपति प्रो. आरके कोहली ने कहा कि हिंसक घटनाओं और बिगड़े माहौल का असर विद्यार्थियों की प्लेसमेंट पर पड़ सकता है। कंपनियां विश्वविद्यालय के शैक्षणिक स्तर के साथ परिसर की स्थिति को भी ध्यान में रखती हैं। यदि किसी संस्थान में लगातार तनाव या अव्यवस्था बनी रहती है तो कंपनियां वहां कैंपस प्लेसमेंट में भाग लेने से पहले सुरक्षा और अन्य परिस्थितियों का आकलन कर सकती हैं।

उन्होंने कहा कि अभिभावक भी दाखिले के समय विश्वविद्यालय की प्लेसमेंट दर, कंपनियों की भागीदारी और कैंपस के वातावरण को महत्व देते हैं। इसलिए विद्यार्थियों के बेहतर भविष्य के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ परिसर में शांति, सुरक्षा और अनुशासन बनाए रखना जरूरी है।

प्लेसमेंट प्रक्रिया में कंपनियों के प्रतिनिधि विद्यार्थियों के साक्षात्कार, तकनीकी परीक्षण और समूह चर्चा जैसी विभिन्न प्रक्रियाओं के माध्यम से चयन करते हैं। इसके लिए विश्वविद्यालयों को पहले से आवश्यक व्यवस्थाएं करनी होती हैं। यदि परिसर में तनाव या सुरक्षा संबंधी स्थिति बनी रहती है तो इन गतिविधियों के सुचारू संचालन में बाधा आ सकती है।

एसपी ओसवाल साइबर ठगी का मुख्य हैंडलर कोलकाता से गिरफ्तार



भारतेंदु संवाददाता, जालंधर। लुधियाना के उद्योगपति एसपी ओसवाल से सात करोड़ रुपये की साइबर ठगी के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़ी कार्रवाई की है। ईडी के जालंधर जोनल कार्यालय ने गिरोह के मुख्य हैंडलर सोहेल अख्तर उर्फ राजू को कोलकाता से गिरफ्तार किया है। एजेंसी ने 28 सितंबर को पश्चिम बंगाल में तीन स्थानों पर तलाशी अभियान चलाने के बाद धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत उसे गिरफ्तार किया। कोलकाता की अदालत से ट्रांजिट रिमांड मिलने के बाद आरोपित को जालंधर लाया गया। यहां विशेष पीएमएलए अदालत ने उसे छह अक्टूबर तक सात दिन की ईडी हिरासत में भेज दिया।

ईडी के अनुसार, जांच की शुरुआत लुधियाना साइबर अपराध थाने में दर्ज प्राथमिकी से हुई थी। जांच के दौरान डिजिटल अरेस्ट से जुड़े नौ अन्य साइबर अपराध मामलों की प्राथमिकी को भी शामिल किया गया। जांच में सामने आया कि आरोपितों ने खुद को सीबीआई और न्यायपालिका के अधिकारी बताकर एसपी ओसवाल को डिजिटल अरेस्ट किया और उनसे सात करोड़ रुपये की रकम ठगी।

दो कंपनियों के खातों में पहुंची रकम : जांच के मुताबिक ठगी गई रकम पहले रिग्लो वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड और फ्रोजनमैन वेयरहाउसिंग एंड लॉजिस्टिक्स के बैंक खातों में पहुंचाई गई। सात करोड़ रुपये में से चार करोड़ रुपये फ्रोजनमैन वेयरहाउसिंग एंड लॉजिस्टिक्स और तीन करोड़ रुपये रिग्लो वेंचर्स के खाते में स्थानांतरित किए गए।

ईडी का कहना है कि रिग्लो वेंचर्स के बैंक खातों को सोहेल अख्तर नियंत्रित करता था। वह ऐसे लोगों को जुटाने में भी प्रमुख भूमिका निभाता था, जिनके नाम पर म्यूल बैंक खाते उपलब्ध कराए जाते थे। इन खातों का इस्तेमाल ठगी की रकम को आगे स्थानांतरित करने के लिए किया जाता था।

मोबाइल में विशेष फाइलों के जरिये हासिल करते थे ओटीपी : जांच में यह भी सामने आया कि बैंक खातों से जुड़े सिम कार्ड ऐसे मोबाइल फोन में लगाए जाते थे, जिनमें पहले से विशेष एपीके फाइलें डाउनलोड रहती थीं। ईडी के अनुसार नेपाल में बैठे सहयोगी इन मोबाइल फोन पर आने वाले ओटीपी और एसएमएस तक पहुंच बनाते थे। इसके बाद रकम को तेजी से दूसरे खातों में भेज दिया जाता था।

ठगी की रकम को अलग-अलग म्यूल खातों में दो से पांच लाख रुपये की छोटी-छोटी किस्तों में स्थानांतरित किया जाता था। बाद में इन खातों से नकदी निकालकर वर्चुअल डिजिटल एसेट यानी क्रिप्टो करेंसी खरीदी जाती थी। कमीशन काटने के बाद रकम विदेशी नागरिकों के खातों में भेजी जाती थी।

सितंबर में जीएसटी संग्रह बढ़ा, कर चोरी पर विभाग ने कसी सख्ती, 142 करोड़ के जुर्माने



भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब ने सितंबर 2026 में कर राजस्व के मोर्चे पर बेहतर प्रदर्शन किया है। वित्त, योजना, आबकारी एवं कराधान मंत्री हरपाल सिंह चीमा के अनुसार, सितंबर में राज्य की शुद्ध जीएसटी प्राप्ति में पिछले वर्ष की तुलना में 22.11 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। सितंबर 2025 में शुद्ध जीएसटी प्राप्ति 1,973.12 करोड़ रुपये थी, जो सितंबर 2026 में बढ़कर 2,409.47 करोड़ रुपये हो गई। इस तरह इसमें 436.35 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई।

चीमा ने बताया कि सितंबर में राज्य का एसजीएसटी नकद संग्रह भी 738.05 करोड़ रुपये से बढ़कर 877.82 करोड़ रुपये हो गया। इसमें 19 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जो राष्ट्रीय स्तर पर दर्ज वृद्धि से अधिक रही। सितंबर तक पंजाब का कुल जीएसटी संग्रह 15,405.12 करोड़ रुपये रहा, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह 13,112.27 करोड़ रुपये था। इस तरह कुल संग्रह में 17.39 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

सितंबर में वैट और सीएसटी से प्राप्त राजस्व में भी 28.70 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। यह संग्रह सितंबर 2025 के 577.11 करोड़ रुपये से बढ़कर 742.75 करोड़ रुपये हो गया। अप्रैल से सितंबर तक वैट और सीएसटी संग्रह 4,558.48 करोड़ रुपये रहा, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह 3,982.43 करोड़ रुपये था। इस अवधि में 576.05 करोड़ रुपये यानी 14.46 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

चीमा ने कहा कि सितंबर में पंजाब के जीएसटी राजस्व में 16 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि राष्ट्रीय स्तर पर यह वृद्धि 14 प्रतिशत रही। इसी तरह एसजीएसटी नकद संग्रह में पंजाब की 19 प्रतिशत वृद्धि के मुकाबले राष्ट्रीय स्तर पर वृद्धि आठ प्रतिशत रही।

कर चोरी के खिलाफ विभाग की ओर से लगातार कार्रवाई की जा रही है। सितंबर में फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट, फर्जी बिलिंग और बिना दस्तावेज माल ढुलाई के मामलों में करीब 142 करोड़ रुपये के जुर्माने लगाए गए। मंडी गोबिंदगढ़ की मैसर्स जगत मेटल्स प्राइवेट लिमिटेड के मामले में 22.53 करोड़ रुपये के संदिग्ध इनपुट टैक्स क्रेडिट का पता चला।

पंजाब बोर्ड ने प्रमाणपत्र संशोधन प्रक्रिया पूरी तरह की ऑनलाइन

भारतेंदु संवाददाता, मोहाली। पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड ने परीक्षार्थियों और आम जनता को राहत देते हुए स्कूल प्रमाणपत्रों में संशोधन की प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन कर दी है। अब नाम, माता-पिता के नाम, जन्मतिथि सहित अन्य विवरणों में सुधार के लिए आवेदकों को बोर्ड कार्यालय के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। नई व्यवस्था के तहत आवेदन से लेकर दस्तावेज जमा करने और शुल्क भुगतान तक की प्रक्रिया घर बैठे पूरी की जा सकेगी। पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डा. अमरपाल सिंह (सेवानिवृत्त) ने बताया कि इसके लिए बोर्ड ने नया ऑनलाइन पोर्टल शुरू किया है। पोर्टल पर प्रमाणपत्रों में संशोधन से संबंधित नियमों, आवश्यक दस्तावेजों और आवेदन की प्रक्रिया की पूरी जानकारी उपलब्ध कराई गई है। आवेदक पोर्टल के माध्यम से आवेदन फार्म भरने के साथ आवश्यक दस्तावेज अपलोड कर सकेंगे और ऑनलाइन शुल्क भी जमा करवा सकेंगे। आवेदन जमा करने के बाद आवेदक अपने आवेदन की स्थिति भी ऑनलाइन देख सकेंगे।

राजा वड़िंग ने राहुल गांधी को सौंपा अध्यक्ष पद से इस्तीफा

राजा वड़िंग ने साढ़े चार साल के कार्यकाल के बाद पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष पद छोड़ा



भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। कांग्रेस में संगठनात्मक बदलाव के बीच लुधियाना के सांसद अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने शुक्रवार को दिल्ली में कांग्रेस नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने औपचारिक रूप से पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष पद से अपना इस्तीफा राहुल गांधी को सौंप दिया। मुलाकात के बाद राजा वड़िंग अपनी पत्नी के साथ दिल्ली स्थित बंगला साहिब गुरुद्वारा पहुंचे और अरदास की। इसके बाद उन्होंने मीडियाकर्मियों से बातचीत में अपने कार्यकाल, पंजाब कांग्रेस में बदलाव और पार्टी के नेताओं को लेकर अपने विचार साझा किए।

राजा वड़िंग ने अपने साढ़े चार साल के कार्यकाल को लेकर संतोष जताया। उन्होंने कहा कि कार्यकाल लंबा या छोटा हो सकता है, लेकिन ऐसा होना चाहिए जिसे लोग याद रखें। उन्होंने कहा कि मंत्री के तौर पर उनका कार्यकाल भी यादगार रहा और राज्य अध्यक्ष के रूप में भी उन्होंने अपनी जिम्मेदारियों को पूरी निष्ठा से निभाने का प्रयास किया। पार्टी ने उन्हें जो जिम्मेदारी दी, उसे उन्होंने खुशी से स्वीकार किया और पार्टी नेतृत्व के आदेश का पालन किया।

उन्होंने कहा कि पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में साढ़े चार साल का कार्यकाल पूरा करने के बाद उन्हें संतोष है। उनके अनुसार पार्टी में जो भी बदलाव होते हैं, उनमें आगे कुछ बेहतर होने की संभावना रहती है। उन्होंने कहा कि पार्टी ने उन्हें जो कुछ भी दिया, उसके लिए वह नेतृत्व के आभारी हैं।

सचिन पायलट को लेकर भी रखी बात : पंजाब कांग्रेस के नए प्रभारी सचिन पायलट को लेकर पूछे गए सवाल पर राजा वड़िंग ने कहा कि जब पायलट को पंजाब का प्रभारी नियुक्त किया गया था, तब वह उन्हें औपचारिक रूप से बधाई देने गए थे। उस दौरान दोनों के बीच करीब 15 मिनट तक बातचीत हुई थी। हालांकि, इसके बाद उनकी सचिन पायलट से मुलाकात नहीं हुई।

राजा वड़िंग ने कहा कि अपने लंबे राजनीतिक अनुभव के आधार पर उन्हें लगता है कि सचिन पायलट ने शायद यह तय किया होगा कि अब 'राजा' को पद से हटाने का समय आ गया है। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि उनके पास इस संबंध में कोई ठोस प्रमाण नहीं है। उन्होंने कहा कि जो कुछ उन्हें कहना था, वह राहुल गांधी तक पहुंचा चुके हैं।

चन्नी को लेकर बोले- किसी से मनमुटाव नहीं : पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी को लेकर पूछे गए सवाल पर राजा वड़िंग ने कहा कि सभी नेता उनके लिए सम्माननीय हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका किसी भी नेता के साथ मनमुटाव नहीं है। उन्होंने व्यक्तिगत मतभेद की बात से भी इनकार किया।

राहुल गांधी से पंजाब के हालात पर हुई चर्चा : राहुल गांधी से मुलाकात को लेकर राजा वड़िंग ने कहा कि उन्होंने उन्हें औपचारिक रूप से अपना इस्तीफा सौंप दिया।

लुधियाना आर्मी कैंप में जवान पर साथी फौजी की पत्नी से दुष्कर्म का आरोप



भारतेंदु संवाददाता, लुधियाना। लुधियाना के जगराओं ब्रिज के पास स्थित सीजी आर्मी कैंप में तैनात करीब 25 वर्षीय जवान पर अपने साथी फौजी की पत्नी से दुष्कर्म करने का आरोप लगा है। महिला की शिकायत के आधार पर डिवीजन नंबर-5 पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस शिकायत में लगाए गए आरोपों की जांच कर रही है और घटना से जुड़े साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं।

महिला का पति भारतीय सेना में तैनात है और उसे सीजी आर्मी कैंप में सरकारी क्वार्टर आवंटित हुआ था। महिला अपनी बेटी के साथ क्वार्टर में रहती थी। कैंप की देखरेख और चार्ज 152 सी रेजिमेंट में तैनात आरोपित जवान के पास था।

महिला ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि आरोपित ने उसके परिवार को सरकारी क्वार्टर दिलाने में मदद की थी। इसके बाद वह अन्य जरूरतों और मदद के बहाने उनके घर आने-जाने लगा। धीरे-धीरे दोनों के बीच बातचीत बढ़ी और आरोपित की घर पर आवाजाही बढ़ गई।

शिकायत के अनुसार, बाद में आरोपित महिला पर जबरन संबंध बनाने का दबाव डालने लगा। महिला ने विरोध किया तो आरोपित ने कथित तौर पर धमकी दी कि यदि उसने इस बारे में अपने पति को बताया तो वह उसका तलाक करवा देगा।

मोहाली में खेलों का महाकुंभ शुरू, फेंसिंग और बास्केटबॉल मुकाबलों में दिखा उत्साह

मोहाली में 'खेडां वतन पंजाब दियां' सीजन-4 का आगाज, खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम



भारतेंदु संवाददाता, मोहाली। 'खेडां वतन पंजाब दियां' सीजन-4 के तहत शुक्रवार को सेक्टर-78 स्थित स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खेल मुकाबलों का आगाज हुआ। प्रतियोगिता में विभिन्न खेलों के खिलाड़ी उत्साह के साथ हिस्सा लेने पहुंचे। मुकाबलों को देखने के लिए दर्शक भी बड़ी संख्या में मौजूद रहे और खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया।

उद्घाटन अवसर पर फेंसिंग के मुकाबले विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। इसमें अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी गुंजन और रिद्धि के बीच मुकाबला हुआ। दोनों खिलाड़ियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए अपनी प्रतिभा दिखाई। इसके अलावा बास्केटबॉल समेत कई अन्य खेलों के मुकाबले भी शुरू हुए।

कार्यक्रम में मोहाली के विधायक कुलवंत सिंह और डेराबस्सी के विधायक कुलजीत सिंह रंधावा विशेष रूप से मौजूद रहे। दोनों विधायकों ने विभिन्न खेलों में भाग लेने पहुंचे खिलाड़ियों से मुलाकात की और उनका परिचय लिया। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाते हुए उन्हें प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं।

विधायक कुलवंत सिंह ने कहा कि पंजाब में खेलों को बढ़ावा देने के लिए सरकार लगातार प्रयास कर रही है। पिछले चार वर्षों में खेलों को प्राथमिकता देते हुए खिलाड़ियों को बेहतर अवसर और सुविधाएं उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान दिया गया है।

बकाया वेतन नहीं मिला तो सेवा केंद्र कर्मचारी करेंगे आंदोलन

भारतेंदु संवाददाता, तपा मंडी। सेवा केंद्र कर्मचारी यूनियन पंजाब की ओर से सेवा केंद्रों में तैनात सुरक्षा गार्डों और ऑपरेटरों के बकाया वेतन सहित अन्य मांगों को लेकर एडीसी बरनाला विवेक कुमार मोदी को मांगपत्र सौंपा गया। यह मांगपत्र यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष बलजिंदर सिंह माझा के निर्देश पर दिया गया। इस दौरान कर्मचारियों ने लंबे समय से वेतन और अन्य भुगतान लंबित होने के कारण आ रही आर्थिक परेशानियों से अधिकारियों को अवगत कराया। सुरक्षा गार्ड कुलवंत दास और दविंदर दास तपा ने बताया कि कई कर्मचारी लंबे समय से अपने बकाया वेतन की प्रतीक्षा कर रहे हैं। वेतन नहीं मिलने से उनके सामने परिवार का खर्च चलाने समेत कई आर्थिक समस्याएं खड़ी हो गई हैं। यूनियन ने मांगपत्र के माध्यम से बकाया वेतन और यात्रा भत्ता जल्द जारी करने की मांग की है।

भुल्लर मामले में भ्रष्टाचार आरोपी एएसआई की तैनाती पर उठे सवाल



भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब पुलिस के निलंबित डीआइजी हरचरण सिंह भुल्लर से जुड़े रिश्वत मामले में वीरवार को सीबीआई की विशेष अदालत में सुनवाई हुई। बुड़ैल जेल से भुल्लर को चंडीगढ़ पुलिस की सुरक्षा में सीबीआई अदालत में पेश किया गया। इस दौरान पुलिस की कार्यप्रणाली को लेकर एक अहम सवाल सामने आया। भुल्लर को जेल से अदालत तक पहुंचाने वाले पुलिसकर्मी एएसआइ शेर सिंह पर खुद भ्रष्टाचार का मामला चल रहा है।

सीबीआई ने इस पर आपत्ति जताते हुए सवाल उठाया कि भ्रष्टाचार के मामले में आरोपित पुलिसकर्मी को इतने महत्वपूर्ण मामले में आरोपित की सुरक्षा के लिए कैसे तैनात किया गया। मामले को गंभीरता से लेते हुए अदालत ने चंडीगढ़ के एसएसपी को इसकी जांच के निर्देश दिए हैं।

एएसआइ शेर सिंह सेक्टर-43 पुलिस चौकी में तैनात था। सीबीआई ने 11 मार्च 2025 को उसे और कथित बिचौलिये रिंकू को 54,400 रुपये रिश्वत लेते गिरफ्तार किया था। आरोप था कि बुड़ैल निवासी दविंद्र सिंह के खिलाफ चेक बाउंस मामले में प्राथमिकी दर्ज हुई थी और वह अदालत से भगोड़ा घोषित हो चुका था।

आरोप के अनुसार, गिरफ्तारी से बचाने के लिए शेर सिंह ने दविंद्र सिंह से डेढ़ लाख रुपये की मांग की थी। शिकायत मिलने के बाद सीबीआई ने जाल बिछाकर शेर सिंह और रिंकू को रिश्वत की रकम लेते गिरफ्तार किया था।

लुधियाना सेंट्रल जेल में बंदियों का रंगदारी रैकेट, दो कैदियों से वसूले दो लाख रुपए



भारतेंदु संवाददाता, लुधियाना। ताजपुर रोड स्थित लुधियाना सेंट्रल जेल में बंदियों द्वारा कथित तौर पर जबरन वसूली का रैकेट चलाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि छह बंदियों ने जेल के अंदर दो अन्य बंदियों के साथ मारपीट कर उन्हें डराया-धमकाया और बाहर से करीब दो लाख रुपये की रकम वसूल करवाई। मामले में पुलिस ने छह आरोपितों के खिलाफ केस दर्ज कर एक कीपैड मोबाइल फोन भी बरामद किया है।

आरोपितों की पहचान हरसिमरन सिंह मंड, जगवीर सिंह, जतिंदर सिंह, अभय, गुरजीत सिंह उर्फ हरमन और सुखमन के रूप में हुई है। पुलिस ने यह कार्रवाई सेंट्रल जेल के सहायक सुपरिंटेंडेंट रिशवपाल गोयल की शिकायत के आधार पर की है। थाना डिवीजन नंबर सात में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

शिकायत के अनुसार, आरोपित बैरक नंबर चार में बंद थे, जबकि रुपेश पूरी और नीरज आदिया बैरक नंबर छह में बंद थे। 26 सितंबर की रात आरोपितों ने दोनों बंदियों को अपनी बैरक में बुलाया। वहां उनके साथ मारपीट करने के बाद पैसों की मांग की गई और उन्हें धमकाया गया।

अगले दिन जेल प्रबंधन को बैरक में रात के समय हुए विवाद की जानकारी मिली। इसके बाद अधिकारियों की टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की। तलाशी के दौरान हरसिमरन सिंह मंड की जेब से कीपैड मोबाइल फोन बरामद हुआ। इसी मोबाइल के जरिए कथित तौर पर बाहर संपर्क कर रकम मंगवाने की बात सामने आई।

जांच में पता चला कि आरोपितों के दबाव में नीरज ने अपने एक दोस्त से संपर्क किया। आरोप है कि उसे आलमगीर रोड स्थित मैकडॉनल्ड के पास दो लाख रुपये नकद पहुंचाने के लिए कहा गया। इसके बाद रकम आरोपितों तक पहुंचाई गई।

मोबाइल फोन बरामद होने के बाद पुलिस ने जांच का दायरा बढ़ा दिया है। अब यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि फोन जेल के अंदर कैसे पहुंचा और इसके जरिए किन लोगों से संपर्क किया गया। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि आरोपितों ने पहले किसी अन्य बंदी से भी इसी तरह जबरन वसूली की थी या नहीं।

मंथन सात सदस्यीय कमेटी कानून की मूल भावना और सुझावों पर करेगी विस्तृत चर्चा

6 अक्टूबर को चंडीगढ़ में सत्कार अधिनियम पर होगी बैठक



भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब सरकार की ओर से गठित सात सदस्यीय समन्वय कमेटी की बैठक छह अक्टूबर को चंडीगढ़ में होगी। दोपहर 12 बजे प्रस्तावित इस बैठक में 'जागत जोत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार (संशोधन) अधिनियम, 2026' के विभिन्न प्रावधानों की विस्तृत समीक्षा की जाएगी। कमेटी श्री अकाल तख्त साहिब से प्राप्त सुझावों पर भी विचार करेगी। साथ ही अकाल तख्त साहिब द्वारा गठित पैनल के साथ आगे समन्वय स्थापित करने के तरीकों पर चर्चा होगी।

पंजाब सरकार के अनुसार, बैठक का उद्देश्य कानून से जुड़े सभी पहलुओं पर विस्तार से विचार-विमर्श करना और संबंधित पक्षों के सुझावों को प्रक्रिया में शामिल करना है। कमेटी कानून की मूल भावना और श्री गुरु ग्रंथ साहिब के सम्मान व पवित्रता से जुड़े उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए आगे की रणनीति पर चर्चा करेगी। सरकार ने सितंबर में इस उद्देश्य से सात सदस्यीय कमेटी का गठन किया था।

सात सदस्यीय कमेटी में ये सदस्य : सरकार द्वारा गठित कमेटी में श्री अकाल तख्त साहिब के पूर्व जत्थेदार ज्ञानी रघबीर सिंह, दमदमी टकसाल के प्रमुख संत ज्ञानी हरनाम सिंह खालसा, संत बाबा सेवा सिंह रामपुर खेड़ा, सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति जसपाल सिंह, सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति गुरबीर सिंह, सेवानिवृत्त आइपीएस अधिकारी जतिंदर सिंह औलख और लॉ ऑफिसर प्रीत इंदर पाल सिंह शामिल हैं। कमेटी में धार्मिक, न्यायिक और प्रशासनिक क्षेत्र से जुड़े लोगों को शामिल किया गया है।

कमेटी की एक प्रमुख जिम्मेदारी श्री अकाल तख्त साहिब द्वारा गठित पैनल के साथ प्रभावी तालमेल स्थापित करना भी है। सरकार ने इस संबंध में अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार को औपचारिक तौर पर जानकारी दी है। इससे दोनों पक्षों के बीच कानून में संभावित बदलावों को लेकर बातचीत आगे बढ़ाने का रास्ता साफ हुआ है।

कानून की मूल भावना बरकरार रखने पर जोर : मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कमेटी के साथ हुई पिछली बैठक में कहा था कि कानून के प्रावधानों पर चर्चा और आम सहमति बनाने की प्रक्रिया के दौरान इसकी मूल भावना से समझौता नहीं होना चाहिए। उन्होंने विशेष रूप से बेअदबी के मामलों में आजीवन कारावास और भारी जुर्माने जैसे प्रावधानों को कानून की मुख्य नींव बताया था और कहा था कि इन्हें कमजोर नहीं किया जाना चाहिए।

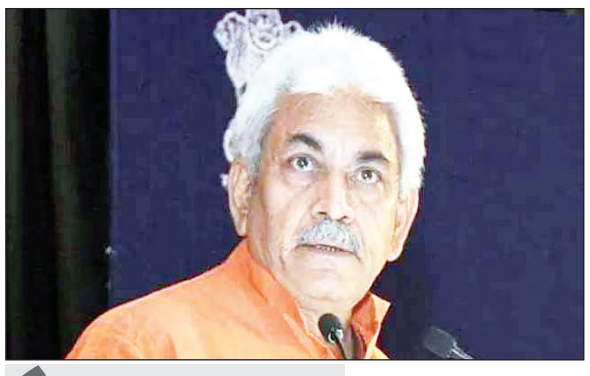
सरकार का कहना है कि कानून के तकनीकी और कानूनी पहलुओं पर सुझावों के आधार पर विचार किया जा सकता है, लेकिन इसके मूल उद्देश्य को बरकरार रखने पर जोर रहेगा। छह अक्टूबर की बैठक में इसी दिशा में विभिन्न सुझावों और प्रस्तावों पर चर्चा होने की संभावना है।

उपराज्यपाल के नाम फर्जी चिट्ठी भेजने पर आरोपी के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल

फर्जी लेटरहेड और हस्ताक्षर से अनंतनाग पुलिस को प्रभावित करने का किया गया प्रयास

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल के नाम और कथित हस्ताक्षर वाले फर्जी पत्र के जरिए अनंतनाग पुलिस प्रशासन को प्रभावित करने की कोशिश का मामला सामने आया है। क्राइम ब्रांच कश्मीर की आर्थिक अपराध शाखा ने जांच पूरी करने के बाद पुलवामा के देरी निवासी सैकलैन मुश्ताक डार के खिलाफ श्रीनगर की सब-जज अदालत में आरोपपत्र दाखिल किया है। जांच एजेंसी के अनुसार, आरोपी ने कथित तौर पर सरकारी लेटरहेड और उपराज्यपाल के फर्जी हस्ताक्षर का इस्तेमाल कर ऐसा पत्र तैयार किया, जिसे आधिकारिक निर्देश के तौर पर पेश किया जा सके।



एसएसपी अनंतनाग को भेजा गया था पत्र : जांच एजेंसी के मुताबिक, कथित फर्जी पत्र अनंतनाग के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को संबोधित था। पत्र में भेजने वाले ने स्वयं को जम्मू-कश्मीर का उपराज्यपाल बताया था। दस्तावेज पर सरकारी स्वरूप वाला लेटरहेड और कथित हस्ताक्षर होने के कारण यह पहली नजर में आधिकारिक पत्र जैसा प्रतीत होता था। बाद में इसकी प्रामाणिकता को लेकर जांच शुरू की गई।

> इस मामले के सामने आने के बाद सरकारी अधिकारियों और आम लोगों के लिए भी यह महत्वपूर्ण है कि किसी संवैधानिक पद या वरिष्ठ अधिकारी के नाम से प्राप्त संदिग्ध पत्र की पुष्टि संबंधित कार्यालय से की जाए। आर्थिक अपराध शाखा के अधिकारियों के अनुसार, सरकारी पदाधिकारियों के नाम, सरकारी प्रतीक, लेटरहेड और हस्ताक्षर का कथित दुरुपयोग प्रशासनिक व्यवस्था को प्रभावित कर सकता है।

आर्थिक अपराध शाखा के अधिकारियों ने पत्र से जुड़े दस्तावेजों और उपलब्ध साक्ष्यों की जांच की। जांच के दौरान सामने आए तथ्यों के आधार पर एजेंसी ने इसे कथित तौर पर फर्जी तरीके से तैयार किया गया दस्तावेज बताया। इसके बाद आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई आगे बढ़ाई गई और अदालत में आरोपपत्र दाखिल किया गया।

पुलिस प्रशासन को प्रभावित करने का आरोप : एजेंसी के अनुसार, कथित पत्र तैयार करने के पीछे उद्देश्य अनंतनाग जिला पुलिस प्रशासन को प्रभावित करना था। किसी संवैधानिक पद के नाम का इस्तेमाल कर पुलिस अधिकारी को पत्र भेजे जाने से मामले की गंभीरता और बढ़ गई। जांच एजेंसी ने इस पहलू को भी अपनी जांच में शामिल किया।

सरकारी अधिकारियों को भेजे जाने वाले पत्रों में पदनाम, लेटरहेड और हस्ताक्षर की प्रामाणिकता महत्वपूर्ण होती है। ऐसे दस्तावेजों के फर्जी पाए जाने पर यह पता लगाना जरूरी होता है कि उन्हें किस उद्देश्य से तैयार किया गया और उनके जरिए किस प्रकार का प्रभाव डालने का प्रयास किया गया।

जांच के बाद अदालत में दाखिल हुआ आरोपपत्र : आर्थिक अपराध शाखा ने जांच पूरी करने के बाद आरोपी सैकलैन मुश्ताक डार के खिलाफ अदालत में आरोपपत्र पेश किया है। अब मामले की न्यायिक प्रक्रिया अदालत में आगे बढ़ेगी। आरोपी के खिलाफ लगाए गए आरोपों पर अंतिम निर्णय न्यायालय द्वारा साक्ष्यों और कानूनी प्रक्रिया के आधार पर किया जाएगा।

म्यांमार मानव तस्करी नेटवर्क पर एसआईए की छापेमारी

श्रीनगर। विदेश में नौकरी दिलाने का झांसा देकर जम्मू-कश्मीर समेत देश के बेरोजगार युवाओं को कथित तौर पर म्यांमार भेजकर साइबर ठगी में धकेलने वाले अंतरराष्ट्रीय मानव तस्करी नेटवर्क की जांच में राज्य जांच एजेंसी (एसआईए) कश्मीर ने कार्रवाई तेज कर दी है। एसआईए ने गुरुवार तड़के दक्षिण कश्मीर के कुलगाम और काजीगुंड में दो संदिग्धों के आवासीय परिसरों पर छापेमारी की। तलाशी के दौरान मोबाइल फोन, पहचान संबंधी दस्तावेज, पैन कार्ड, पासपोर्ट और नौकरी से जुड़े समझौते जब्त किए गए। कार्रवाई एसआईए कश्मीर थाने में दर्ज प्राथमिकी संख्या 01/2026 के तहत सक्षम न्यायालय से जारी तलाशी वारंट के आधार पर की गई। जांच एजेंसी ने बुनगाम चेगाम, कुलगाम निवासी गुलाम नबी खांडे उर्फ चार्ली उर्फ मोहसिन उर्फ जेरी खान और बागपोरायार खुशीपोरा, काजीगुंड निवासी आशिक हुसैन शेख के परिसरों की तलाशी ली। प्रारंभिक जांच के अनुसार, नेटवर्क से जुड़े स्थानीय मददगार युवाओं को विदेश में रोजगार का भरोसा देकर कथित तौर पर अपने जाल में फंसाते थे।

कैग ने घाटे वाले उपक्रमों की स्थिति सुधारने के लिए ठोस कदम सुझाए

जम्मू-कश्मीर के 14 सरकारी उपक्रमों की नेटवर्थ खत्म, 20 को भारी घाटा

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर



जम्मू-कश्मीर में सरकारी स्वामित्व वाले सार्वजनिक उपक्रमों की वित्तीय स्थिति चिंता बढ़ाने वाली है। नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की 31 मार्च 2023 तक की स्थिति पर आधारित रिपोर्ट के अनुसार प्रदेश में 42 सार्वजनिक उपक्रम उसके ऑडिट के दायरे में थे। इनमें 39 सरकारी कंपनियां, दो वैधानिक निगम और एक संयुक्त उपक्रम शामिल था। इनमें छह उपक्रम पूरी तरह निष्क्रिय पाए गए, जबकि 36 सक्रिय थे।

कैग ने सरकार से निष्क्रिय उपक्रमों के भविष्य पर जल्द फैसला लेने और लगातार घाटे में चल रही कंपनियों की स्थिति की समीक्षा करने की जरूरत बताई है। रिपोर्ट के अनुसार निष्क्रिय संस्थाएं न तो प्रदेश की अर्थव्यवस्था में प्रभावी योगदान दे रही थीं और न ही अपने निर्धारित उद्देश्यों को पूरा कर रही थीं।

रिपोर्ट के अनुसार 2022-23 में 42 में से 11 सार्वजनिक उपक्रमों ने मुनाफा कमाया। इनका कुल लाभ 1286.79 करोड़ रुपये रहा, जबकि 2021-22 में यह 566.10 करोड़ रुपये था। हालांकि, कुल मुनाफे का 93.05 प्रतिशत हिस्सा अकेले जम्मू-कश्मीर बैंक से आया। बैंक ने 2022-23 में 1197.38 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया। चिनाब वैली पावर प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड का लाभ 24.69 करोड़ रुपये रहा।

जेएंडके बैंक एकमात्र ऐसा सार्वजनिक उपक्रम था, जिसने लाभांश घोषित कर उसका भुगतान किया। बैंक ने 31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष के लिए अपनी चुकता शेयर पूंजी पर 50 प्रतिशत लाभांश दिया।

मुनाफे के साथ घाटे की तस्वीर भी गंभीर रही। कैग के अनुसार 20 सार्वजनिक उपक्रमों ने 2022-23 में कुल 252.53 करोड़ रुपये का घाटा दर्ज किया। इनमें गैर-बिजली क्षेत्र के 10 उपक्रमों का घाटा 234.15 करोड़ रुपये रहा। जम्मू-कश्मीर सड़क परिवहन निगम को 117.62 करोड़, जम्मू-कश्मीर सीमेंट को 25.46 करोड़, जम्मू-कश्मीर राज्य औद्योगिक विकास निगम को 20.54 करोड़, जम्मू-कश्मीर मिनरल्स को 18.08 करोड़ और जम्मू-कश्मीर पर्यटन विकास निगम को 14.72 करोड़ रुपये का घाटा हुआ।

31 मार्च 2023 तक 19 सार्वजनिक उपक्रमों पर कुल 4241.34 करोड़ रुपये का संचित घाटा था। इनमें 14 उपक्रमों की कुल नेटवर्थ पूरी तरह खत्म हो चुकी थी। इनकी संयुक्त नेटवर्थ ऋणात्मक 3699.38 करोड़ रुपये थी।

जम्मू-कश्मीर में 68 हजार कुत्तों की नसबंदी, 80 हजार का टीकाकरण पूरा



भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में आवारा कुत्तों की बढ़ती समस्या से निपटने के लिए एनीमल बर्थ कंट्रोल (एबीसी) अभियान को पूरे केंद्र शासित प्रदेश में विस्तार देने की तैयारी है। अब तक 68,346 कुत्तों की नसबंदी और 80,725 का टीकाकरण किया जा चुका है। प्रदेश में आवारा कुत्तों की अनुमानित संख्या करीब 1.53 लाख है। प्रशासन ने अगले चरण में 20 नए एबीसी केंद्र स्थापित करने की योजना बनाई है। 13 जिलों में इसके लिए जमीन भी चिन्हित की जा चुकी है। फिलहाल भगवती नगर, रूपनगर, एसपीसीए चौआदी, तेंगपोरा और सुहामा में पांच एबीसी केंद्र संचालित हैं। चट्टरहामा में एक अन्य केंद्र निर्माणाधीन है। प्रशासन का उद्देश्य अभियान को शहरों तक सीमित रखने के बजाय जिला और ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंचाना है। ग्रामीण जम्मू में मोबाइल टीमों के माध्यम से ब्लॉक और गांवों तक नसबंदी तथा टीकाकरण सुविधाएं पहुंचाने की योजना है।

एआई आवाज की नकल से साइबर ठगी, पुलिस ने किया सतर्क

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। एआई आधारित आवाज की नकल कर साइबर ठगी के मामले बढ़ने के बीच जम्मू-कश्मीर पुलिस ने लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। साइबर अपराधी अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता की मदद से किसी व्यक्ति की आवाज जैसी आवाज तैयार कर उसके परिचितों, रिश्तेदारों, कर्मचारियों या अधिकारियों के नाम पर फोन और संदेश भेजने की कोशिश कर रहे हैं। पुलिस के अनुसार, ठग कॉल पर खुद को किसी करीबी का परिचित बताते हैं और अचानक पैसे भेजने, बैंक संबंधी जानकारी देने या किसी अन्य जरूरी काम में मदद करने के लिए कहते हैं। बातचीत के दौरान घबराहट और जल्दबाजी का माहौल बनाया जाता है, ताकि सामने वाला बिना सत्यापन के उनकी बात पर भरोसा कर ले।

बडगाम में व्यक्ति की संदिग्ध मौत, हत्या की आशंका से प्रदर्शन

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। मध्य कश्मीर के बडगाम जिले में 44 वर्षीय व्यक्ति की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। चाड़ूरा के ब्रेनवार इलाके में व्यक्ति का शव मिलने के बाद परिजनों ने मौत को सामान्य मानने से इनकार करते हुए हत्या की आशंका जताई है। परिवार ने मामले की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच की मांग की है। मृतक की पहचान हंगू सुरास्यार, चाड़ूरा निवासी फैयाज अहमद वागे पुत्र गुलाम कादिर वागे के रूप में हुई है। परिजनों का आरोप है कि फैयाज की मौत संदिग्ध परिस्थितियों में हुई है और इसके पीछे किसी की भूमिका हो सकती है। उन्होंने पुलिस से घटना की पूरी जांच कर वास्तविक कारण सामने लाने की मांग की। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को चिकित्सकीय-कानूनी औपचारिकताओं के लिए भेज दिया।

रैगिंग मामले में सिकिम्ज मेडिकल कॉलेज के पांच छात्र एक सप्ताह के लिए निलंबित

प्रत्येक छात्र पर दस हजार रुपए जुर्माना, अभिभावकों को भी कमेटी के समक्ष बुलाया

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर



सिकिम्ज मेडिकल कॉलेज अस्पताल, बेमिना में रैगिंग की घटना में शामिल पाए जाने पर पांच एमबीबीएस छात्रों और इंटर्न के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई है। कॉलेज प्रशासन ने सभी पांचों को एक सप्ताह के लिए निलंबित कर दिया है। साथ ही प्रत्येक पर 10 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

प्रिंसिपल की ओर से जारी आदेश के अनुसार, पांचों को रैगिंग की ऐसी घटना में शामिल पाया गया, जो विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के एंटी-रैगिंग नियमों का गंभीर उल्लंघन है। कार्रवाई संस्थान की एंटी-रैगिंग कमेटी की सिफारिश के आधार पर की गई है।

जिन छात्रों और इंटर्न पर कार्रवाई हुई है, उनमें 2023 बैच के शुभम वर्मा और सुनील वर्मा, 2024 बैच के सहदेव तथा 2021 बैच के इंटर्न रूपल सुंटल और लविश शर्मा शामिल हैं। निलंबन अवधि के दौरान उन्हें कक्षाओं में शामिल होने के साथ-साथ अन्य शैक्षणिक और इंटर्नशिप गतिविधियों में भाग लेने से भी रोक दिया गया है।

प्रत्येक छात्र को 10 हजार रुपये का जुर्माना निर्धारित खाते में जमा कराने का निर्देश दिया गया है। आदेश जारी होने के पांच दिनों के भीतर भुगतान की रसीद शैक्षणिक विभाग में जमा करनी होगी। कॉलेज प्रशासन ने पांचों छात्रों के अभिभावकों को भी उनके साथ एंटी-रैगिंग कमेटी के सामने उपस्थित होने के निर्देश दिए हैं।

कटरा-शिव खोरी में घोड़ों के 140 नुकीले लगाम जब्त

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। पशुपालन विभाग ने पीईटीए इंडिया के सहयोग से कटरा और शिव खोरी में पर्यटकों की सवारी और सामान ढोने वाले घोड़ों के लिए इस्तेमाल किए जा रहे 140 नुकीले धातु के लगाम जब्त किए। अधिकारियों के अनुसार, कांटेदार लगाम घोड़ों के मसूड़ों और होंठों में दर्द व चोट पहुंचा सकते हैं। कटरा स्थित पशु चिकित्सालय में चलाए गए जागरूकता-सह-प्रवर्तन अभियान के दौरान यह कार्रवाई की गई। जब्त किए गए लगामों को चिकने और पशुओं के लिए सुरक्षित लगामों से बदल दिया गया। जम्मू के पशुपालन निदेशक डॉ. युगल किशोर ने कहा कि भार ढोने वाले पशुओं पर नुकीले लगाम का इस्तेमाल नियमों के तहत प्रतिबंधित है। उन्होंने कहा कि पर्यटन गतिविधियां पशु कल्याण की कीमत पर नहीं होनी चाहिए।

जम्मू-कश्मीर में जैविक कचरे से बनेगा स्वच्छ ईंधन

नई नीति से कचरे के बेहतर उपयोग के साथ ग्रामीणों को मिलेंगे रोजगार के अवसर

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर



जम्मू-कश्मीर सरकार ने जैविक कचरे को स्वच्छ ऊर्जा और कृषि के उपयोगी संसाधन में बदलने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए जम्मू-कश्मीर कम्प्रेस्ड बायो-गैस (सीबीजी) नीति 2026 अधिसूचित कर दी है। नीति का उद्देश्य कृषि अवशेष, पशु अपशिष्ट और अन्य जैविक कचरे का उपयोग कर स्वच्छ ईंधन के साथ उच्च गुणवत्ता वाली जैव-खाद तैयार करना है। इससे पर्यावरण संरक्षण के साथ कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती देने का लक्ष्य रखा गया है। नीति को लागू करने से पहले मंत्रिपरिषद से मंजूरी ली गई थी।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने नीति अधिसूचित होने पर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री सतीश शर्मा और संबंधित विभाग को बधाई दी। सरकार ने इसे टिकाऊ ऊर्जा विकास और चक्रीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया है। नीति के तहत जैविक कचरे को सीबीजी संयंत्रों के लिए कच्चे माल के रूप में इस्तेमाल किया जाएगा। इसके लिए कचरे के संग्रह, परिवहन और नियमित आपूर्ति की व्यवस्था को मजबूत करने पर जोर दिया जाएगा।

सीबीजी को प्राकृतिक गैस के विकल्प के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके उत्पादन की प्रक्रिया से निकलने वाले जैविक पदार्थ का उपयोग जैव-खाद बनाने में किया जाएगा। इस तरह एक ही प्रक्रिया के माध्यम से कचरा प्रबंधन, स्वच्छ ईंधन उत्पादन और कृषि के लिए उपयोगी सामग्री तैयार करने का प्रयास होगा।

कुपवाड़ा में 102 विरासत स्थल चिन्हित, 16 के संरक्षण की तैयारी

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर



कुपवाड़ा जिले की प्राकृतिक खूबसूरती के साथ अब यहां की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत को भी संरक्षित करने की पहल तेज हुई है। जम्मू-कश्मीर सरकार ने जिले में 102 ऐतिहासिक, पुरातात्विक, स्थापत्य और आध्यात्मिक विरासत स्थलों का सर्वेक्षण एवं दस्तावेजीकरण किया है। इनमें से 16 स्थलों को संरक्षण और जीर्णोद्धार के लिए चिन्हित किया गया है।

संस्कृति विभाग के अनुसार, सर्वेक्षण में कई ऐसे स्थल शामिल हैं, जिनका संबंध कश्मीर के लंबे सांस्कृतिक इतिहास से है। मावर के शाह नगरी में करीब 700 वर्ष पुरानी भूमिगत खानकाह, यारू में हजरत अरना साहिब की दरगाह, कंडी का साधु गंगा अस्थापन, वाहीपोरा में हजरत हाजी बहराम की दरगाह और हिरी में कादिर साहिब क्रालट से जुड़ी ऐतिहासिक लकड़ी की मस्जिद इनमें प्रमुख हैं।

सरकार ने ज्ञान भारतम कार्यक्रम के तहत कुपवाड़ा में 461 पांडुलिपियों का भी सर्वेक्षण किया है। इनमें गमरियाल से मिली 40 पुरानी हस्तलिखित फारसी पांडुलिपियां विशेष महत्व रखती हैं। इन दस्तावेजों से उस समय की भाषा, ज्ञान और सामाजिक-सांस्कृतिक जीवन की जानकारी मिल सकती है।

एनजीओ सफाई कर्मियों की हड़ताल से जम्मू की सफाई व्यवस्था प्रभावित

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू

वरिष्ठता सूची और स्थायीकरण की मांग



जम्मू नगर निगम के अधीन कार्यरत एनजीओ सफाई कर्मचारियों की हड़ताल दूसरे दिन भी जारी रही। कर्मचारियों के काम बंद रखने से शहर के कई हिस्सों, विशेषकर जम्मू पश्चिम के वार्डों में सफाई व्यवस्था प्रभावित होने लगी है। एनजीओ के जिम्मे वाले क्षेत्रों में गलियों और मुख्य मार्गों पर कचरे के ढेर नजर आने लगे हैं।

हड़ताल के दूसरे दिन बड़ी संख्या में कर्मचारी मुट्ठी स्थित जेडीए पार्क में एकत्र हुए और अपनी मांगों को लेकर नगर निगम प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन किया। इससे पहले कर्मचारियों ने मोटरसाइकिल रैली निकालकर अन्य कर्मियों से भी आंदोलन में शामिल होने की अपील की।

अखिल भारतीय सफाई मजदूर संघ के महासचिव एवं नगर निगम प्रधान अमर मोमन ने आरोप लगाया कि प्रशासन कर्मचारियों की एकता तोड़ने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने झूठी प्राथमिकी दर्ज कर आंदोलन दबाने की कोशिश किए जाने का आरोप लगाते हुए कर्मचारियों से एकजुट रहने की अपील की। आल जम्मू-कश्मीर वाल्मीकि वेलफेयर एसोसिएशन के प्रधान विजय आनंद गिल ने भी आंदोलन का समर्थन किया।

शक्ति नगर-बख्शी नगर सड़क पर गड्ढों से बढ़ी मुसीबत

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू



शक्ति नगर से बख्शी नगर को जोड़ने वाली सड़क इन दिनों बदहाल स्थिति में है। करीब 20 मीटर के हिस्से में आधा दर्जन से अधिक गहरे गड्ढे होने के कारण वाहन चालकों और राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। गड्ढों से बचने के प्रयास में वाहनों की गति धीमी होने से मार्ग पर बार-बार जाम लग रहा है। इससे स्थानीय दुकानदारों का कारोबार भी प्रभावित हो रहा है।

यह सड़क शहर के व्यस्त मार्गों में शामिल है। इसी रास्ते पर जीएमसी अस्पताल समेत तीन प्रमुख अस्पताल और कई जांच केंद्र स्थित हैं। इसके अलावा बैंक और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठान भी हैं। रोजाना बड़ी संख्या में मरीज, तीमारदार और आम लोग इस मार्ग से आवागमन करते हैं। सड़क की खराब हालत के कारण अस्पताल जाने वाली एंबुलेंस भी कई बार जाम में फंस जाती हैं।

स्थानीय लोगों ने प्रशासन से सड़क की तत्काल मरम्मत कराने की मांग की है। उनका कहना है कि गड्ढों की अस्थायी मरम्मत के बजाय आधुनिक मशीनों से टिकाऊ तरीके से सड़क को दुरुस्त किया जाना चाहिए। रात के समय गड्ढे दिखाई नहीं देने के कारण दोपहिया वाहन चालकों के लिए खतरा और बढ़ जाता है।

दुकानदारों के अनुसार, वाहनों के गुजरने से उड़ने वाली धूल और जाम के कारण व्यापार प्रभावित हो रहा है। वहीं स्थानीय निवासियों ने भी जल्द कार्रवाई की मांग की है।

जम्मू पीडब्ल्यूडी के अधीक्षण अभियंता सलीम-उल-सबा ने बताया कि मामला विभाग के संज्ञान में है। संबंधित शाखा को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। जल्द ही आधुनिक तकनीक और पैच रिपेयरिंग के माध्यम से सड़क के क्षतिग्रस्त हिस्से की मरम्मत कराई जाएगी, ताकि अस्पतालों और अन्य स्थानों पर आने-जाने वाले लोगों को राहत मिल सके।

कफ सिरप से दिव्यांग बच्चों के मामले में मानवाधिकार आयोग ने जांच के आदेश दिए



भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। जम्मू संभाग के उधमपुर जिले की रामनगर तहसील में वर्ष 2019-20 में कथित रूप से कफ सिरप के सेवन से स्थायी दिव्यांगता का सामना करने वाले चार बच्चों के मामले में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने जांच के निर्देश दिए हैं। आयोग ने संबंधित अधिकारियों को शिकायतकर्ता और पीड़ित बच्चों के साथ समन्वय कर मामले की जांच करने तथा कानून के अनुसार उचित कार्रवाई करने को कहा है। चार सप्ताह के भीतर कार्रवाई रिपोर्ट भी मांगी गई है। यह मामला सामाजिक कार्यकर्ता सुकेश सी खजूरिया ने उठाया है। उन्होंने बच्चों के लिए उचित मुआवजा, लगातार चिकित्सा सुविधा और पुनर्वास की मांग की थी। शिकायत के अनुसार, चारों बच्चे वर्ष 2019-20 में कोल्ड बेस्ट-पीसी कफ सिरप के सेवन के बाद गंभीर रूप से प्रभावित हुए थे। मुख्य चिकित्सा अधिकारी, उधमपुर की ओर से जारी दिव्यांगता प्रमाण पत्र भी शिकायत के साथ प्रस्तुत किए गए हैं। शिकायत में सिरप के एक नमूने में 34.24 प्रतिशत डाइएथिलीन ग्लाइकाल पाए जाने का उल्लेख किया गया है।

केसरक्रांति हिम सरोवर परियोजना से बंजर भूमि को खेती योग्य बनाकर केसर उगाने की तैयारी तेज

लद्दाख की बंजर जमीन पर पहली बार उगेगा प्रीमियम केसर

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू



लद्दाख के ठंडे रेगिस्तान में अब बंजर पड़ी जमीन पर प्रीमियम केसर की खेती करने की तैयारी शुरू हो गई है। लेह में 'प्रोजेक्ट हिम सरोवर' के तहत करीब 4000 वर्ग मीटर बंजर भूमि को दोबारा खेती योग्य बनाकर उस पर ईरानी केसर के करीब 800 किलोग्राम कॉर्म लगाए गए हैं। इनकी संख्या लगभग 90 हजार बताई गई है। लद्दाख में लिली की खेती के सफल प्रयोग के बाद अब केसर की खेती को कृषि विविधता के नए विकल्प के रूप में आजमाया जा रहा है। उप-राज्यपाल विनय कुमार सक्सेना के मार्गदर्शन में शुरू किए गए इस पायलट प्रोजेक्ट का उद्देश्य लद्दाख की ऊंचाई वाली कृषि-जलवायु परिस्थितियों में उच्च मूल्य वाली फसल की संभावनाओं को तलाशना है। केसर की खेती के लिए तैयार की गई जमीन को सिंचाई सुविधा से जोड़ने पर भी काम किया गया है।

इसके लिए पास की इगू-फे सिंचाई नहर से पानी लाया जा रहा है। नहर को हाल ही में दोबारा दुरुस्त कर चालू किया गया था। उप-राज्यपाल के निर्देश पर नहर के अतिरिक्त पानी को बंजर जमीन की ओर पहुंचाया जा रहा है, जिससे मिट्टी में नमी बढ़ाने और उसे खेती के अनुकूल बनाने में मदद मिल सके। इस तरह पानी के उपलब्ध संसाधनों का उपयोग करते हुए जमीन को कृषि योग्य बनाने का प्रयास किया जा रहा है।

उप-राज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने बताया कि केसर की खेती का पायलट प्रोजेक्ट लेह में स्पितुक फड़का के कमांड एरिया में गेट नंबर 27 के पास शुरू किया गया है। इसके लिए उच्च गुणवत्ता वाले ईरानी केसर के कॉर्म का चयन किया गया है। इन कॉर्म की परिधि आठ से दस सेंटीमीटर, व्यास 2.5 से तीन सेंटीमीटर या उससे अधिक और वजन करीब 10 ग्राम या उससे अधिक है।

हिम सरोवर के तालाब भी देंगे सिंचाई में सहयोग

'प्रोजेक्ट हिम सरोवर' के तहत इस क्षेत्र में पानी के चार तालाब भी तैयार किए गए हैं। ये तालाब केसर की खेती वाले क्षेत्र के आसपास स्थित हैं और इनकी कुल भंडारण क्षमता करीब 24 मिलियन लीटर है। परियोजना के तहत जल संरक्षण और बंजर भूमि के पुनर्विकास को साथ लेकर चलने की योजना है। भारत में केसर का उत्पादन मुख्य रूप से जम्मू-कश्मीर में होता है। लद्दाख में इसकी खेती को फिलहाल प्रयोग के तौर पर शुरू किया गया है।

बंजर जमीन को खेती योग्य बनाने पर जोर

उप-राज्यपाल ने कहा कि लद्दाख में खराब और बंजर जमीन को दोबारा उपजाऊ बनाकर किसानों के लिए नए अवसर तैयार करने का प्रयास किया जा रहा है। केसर की खेती शुरू करना इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयोग है। इससे फसल विविधता बढ़ाने के साथ किसानों की आय के नए स्रोत तैयार हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि इस पहल से उस धारणा को भी चुनौती मिलेगी कि लद्दाख की परिस्थितियों में केसर की खेती संभव नहीं है। यदि प्रयोग सफल रहता है तो आने वाले समय में अन्य क्षेत्रों में भी इसके विस्तार की संभावनाओं पर विचार किया जा सकता है।

मनुष्य जन्म : सृष्टि की सबसे दुर्लभ देन और परमात्मा से मिलाप का अनमोल अवसर





डॉ. पीसी कौंडल
गांव ददोह, जिला मंडी

इस संसार में जितने भी संत-महात्मा, ऋषि-मुनि और धर्मगुरु हुए हैं, सभी ने मनुष्य जीवन को अत्यंत दुर्लभ और अनमोल बताया है। लगभग सभी धर्मग्रंथों में मनुष्य देह की महिमा का विशेष वर्णन मिलता है। इसका कारण यह है कि मनुष्य ही ऐसा प्राणी है जिसे सोचने-समझने, विवेक करने और आध्यात्मिक उन्नति करने की क्षमता प्राप्त है।

इसी देह के भीतर उस सर्वशक्तिमान, सर्वव्यापक और सर्वज्ञ परमात्मा का निवास बताया गया है जिसने समस्त सृष्टि की रचना की है। इसलिए ऋषियों और मुनियों ने मनुष्य शरीर को 'नर-नारायणी देह' कहा है। उनका मानना था कि जो व्यक्ति परमात्मा से मिलाप करना चाहता है, वह उसी से मनुष्य शरीर के भीतर ही मिल सकता है। धार्मिक परंपराओं में यह भी कहा गया है कि देवता भी मनुष्य देह प्राप्त करने के लिए तरसते हैं, क्योंकि प्रभु से साक्षात्कार का अवसर इसी शरीर में मिलता है। कहा गया है-'इस देह को सिमरे देव, सो देह भज हर की सेव।' अर्थात देवता भी इस देह की महिमा का स्मरण करते हैं और यह शरीर प्रभु भक्ति का सर्वोत्तम साधन है। वास्तव में मनुष्य देह का मूल उद्देश्य केवल सांसारिक सुख-सुविधाओं का उपभोग करना नहीं, बल्कि आत्मज्ञान प्राप्त कर परमात्मा की अनुभूति करना है।

रामचरितमानस के उत्तरकांड में पक्षीराज गरुड़ महात्मा काकभुशुंडी से प्रश्न करते हैं-'प्रथम कहो नाथ मति धीरा, सबसे दुर्लभ कवन शरीरा?' अर्थात हे महात्मा! कृपा करके यह बताइए कि इस संसार में सबसे दुर्लभ शरीर कौन-सा है? इसका उत्तर देते हुए महात्मा काकभुशुंडी कहते हैं-'नर तन सम नहीं कवन देह, जीव चराचर जाचत तेहि।' अर्थात मनुष्य शरीर से बढ़कर कोई दूसरी देह नहीं है, क्योंकि सभी चर-अचर जीव इसी देह को प्राप्त करने की इच्छा करते हैं। इससे स्पष्ट होता है कि मनुष्य जीवन वास्तव में अत्यंत मूल्यवान और दुर्लभ है।

सूफी संतों ने भी मनुष्य को 'सृष्टि का सिरताज' कहा है, अर्थात सृष्टि की सर्वोच्च और श्रेष्ठ रचना। इसी प्रकार ईसा मसीह ने मनुष्य शरीर को 'टेंपल ऑफ लिविंग गॉड' यानी जीवित परमात्मा का मंदिर कहा है। इन सभी विचारों का सार यही है कि मनुष्य शरीर केवल भौतिक जीवन जीने के लिए नहीं, बल्कि आध्यात्मिक उन्नति और परमात्मा की प्राप्ति के लिए मिला है। गोस्वामी तुलसीदास जी ने रामचरितमानस में लिखा है-'बड़े भाग मनुष्य तन पावा, सुर दुर्लभ सब ग्रंथन गावा।' अर्थात मनुष्य शरीर बड़े भाग्य से प्राप्त होता है और यह देवताओं के लिए भी दुर्लभ है। तुलसीदास जी आगे कहते हैं-'देह धरे कर यह फल भाई, भजे राम सब काम बिहाई।' अर्थात इस शरीर को धारण करने का वास्तविक फल यही है कि मनुष्य सांसारिक मोह-माया और वासनाओं से ऊपर उठकर प्रभु भक्ति करे। आदि ग्रंथ साहिब में पंचम गुरु श्री गुरु अर्जुन देव जी का कथन है-'भई प्राप्त मानुख देहूरिया, गोविंद मिलन की यह तेरी बरिया।' अर्थात यह मनुष्य देह परमात्मा से मिलने का सर्वोत्तम अवसर है। इसलिए मनुष्य को चाहिए कि वह संत-संगत में रहकर प्रभु नाम का स्मरण करे और अपने जीवन को सार्थक बनाए। संत गुरु रविदास जी ने भी कहा है-'दुर्लभ जन्म पुन फल पायो, व्यर्थ जात अविवेका।' अर्थात यह दुर्लभ मनुष्य जन्म अनेक पुण्य कर्मों के फलस्वरूप प्राप्त होता है, लेकिन यदि इसे विवेक और भक्ति के बिना व्यर्थ कर दिया जाए तो इसका कोई लाभ नहीं रहता। इसी प्रकार संत दादू दयाल जी कहते हैं-'ऐसा जन्म अमोलक भाई, जा में आए मिले राम राय।' अर्थात यह जन्म इतना अनमोल है कि इसमें आकर मनुष्य परमात्मा से मिल सकता है। इसलिए इसे व्यर्थ नहीं गंवाना चाहिए।

इन सभी संतों और महापुरुषों की शिक्षाओं से स्पष्ट होता है कि मनुष्य जीवन केवल भोग-विलास और सांसारिक सुखों के लिए नहीं है। इसका वास्तविक उद्देश्य आत्मज्ञान प्राप्त करना, प्रभु का स्मरण करना और अपने जीवन को सेवा, भक्ति और सद्कर्मों के माध्यम से सार्थक बनाना है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

महंगाई की मार से आम आदमी की थाली और घरेलू बजट पर बढ़ता जा रहा दबाव





डॉ. प्रियंका 'सौरभ'
सामाजिक चिंतक

भारत जैसे विशाल और विकासशील देश में महंगाई केवल एक आर्थिक अवधारणा नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों के दैनिक जीवन को प्रभावित करने वाली वास्तविकता है। हाल के महीनों में खाद्य तेल, साबुन, डिटर्जेंट, कॉफी, दालें, शैंपू और अन्य आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में 15 से 20 प्रतिशत तक वृद्धि दर्ज की गई है। इसके साथ ही पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की बढ़ती कीमतों ने आम उपभोक्ता की चिंताओं को और बढ़ा दिया है।

महंगाई का सबसे अधिक असर मध्यम और निम्न आय वर्ग पर पड़ता है। इन परिवारों की आय सीमित होती है और उनका अधिकांश खर्च भोजन, शिक्षा, स्वास्थ्य तथा आवास जैसी बुनियादी जरूरतों पर होता है। वस्तुओं के दाम बढ़ने पर उनकी बचत घट जाती है और कई बार उन्हें अपनी आवश्यकताओं में कटौती करनी पड़ती है या ऋण का सहारा लेना पड़ता है। खाद्य तेलों की कीमतों में सबसे अधिक वृद्धि देखने को मिली है। भारत अपनी आवश्यकता का बड़ा हिस्सा आयात करता है, इसलिए अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतों के उतार-चढ़ाव का सीधा प्रभाव घरेलू बाजार पर पड़ता है। पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव, आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान और परिवहन लागत में वृद्धि ने खाद्य तेलों को और महंगा बना दिया है।

महंगाई का दूसरा प्रमुख कारण ऊर्जा कीमतों में बढ़ोतरी है। पेट्रोल, डीजल और गैस सिलेंडर महंगे होने से परिवहन लागत बढ़ती है, जिसका असर कृषि, उद्योग और व्यापार सहित पूरी अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। खेत से मंडी और फैक्ट्री से बाजार तक हर स्तर पर लागत बढ़ने के कारण वस्तुओं के दाम ऊंचे हो जाते हैं। बढ़ती लागत का दबाव कंपनियों पर भी दिखाई दे रहा है। कच्चे माल, बिजली, परिवहन और पैकेजिंग की बढ़ी हुई लागत की भरपाई के लिए कंपनियां या तो कीमतें बढ़ा रही हैं या उत्पादों की मात्रा कम कर रही हैं। समान कीमत पर कम मात्रा में उत्पाद मिलने की इस प्रवृत्ति को 'श्रिंकफ्लेशन' कहा जाता है, जो महंगाई का छिपा हुआ रूप है।

महंगाई का सबसे सीधा प्रभाव घरेलू रसोई पर पड़ता है। यदि किसी परिवार का मासिक रसोई बजट पहले 15 हजार रुपए था, तो अब यह बढ़कर 17 से 18 हजार रुपए तक पहुंच सकता है। यह अतिरिक्त खर्च वार्षिक स्तर पर हजारों रुपए का बोझ बन जाता है। ग्रामीण क्षेत्रों में भी डीजल, खाद, बीज और कीटनाशकों की बढ़ती कीमतों ने कृषि लागत को बढ़ाया है, जिससे किसान और उपभोक्ता दोनों प्रभावित हो रहे हैं।

महंगाई के सामाजिक प्रभाव भी गंभीर हैं। परिवार सबसे पहले मनोरंजन और गैर-जरूरी खर्चों में कटौती करते हैं, लेकिन स्थिति लंबे समय तक बनी रहने पर शिक्षा, स्वास्थ्य और पोषण पर भी असर पड़ने लगता है। इससे बच्चों के पोषण स्तर और मानव संसाधन विकास पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। यद्यपि नियंत्रित महंगाई आर्थिक विकास का संकेत मानी जाती है, लेकिन जब कीमतें आय और रोजगार की वृद्धि से अधिक तेजी से बढ़ने लगती हैं, तब लोगों की वास्तविक क्रय शक्ति घटने लगती है। वर्तमान समय में यही चुनौती सामने है।

महंगाई पर नियंत्रण के लिए सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक विभिन्न कदम उठाते हैं, लेकिन वैश्विक परिस्थितियों के कारण इनके परिणाम सीमित रह सकते हैं। आवश्यक है कि घरेलू उत्पादन बढ़ाया जाए, कृषि अवसंरचना को मजबूत किया जाए, आपूर्ति श्रृंखला को अधिक कुशल बनाया जाए तथा जमाखोरी और कृत्रिम मूल्य वृद्धि पर कड़ी निगरानी रखी जाए।

महंगाई आम आदमी की थाली, रसोई और भविष्य से जुड़ा प्रश्न है। इसका समाधान सरकार, उद्योग और उपभोक्ताओं के साझा प्रयासों से ही संभव है। जब तक महंगाई पर प्रभावी नियंत्रण नहीं होगा, तब तक विकास का वास्तविक लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक नहीं पहुंच पाएगा।

(ये लेखिका के निजी विचार हैं)

संपादकीय

संतुष्टि में छिपा सुख

मनुष्य के जीवन में संतुष्टि का स्थान बहुत महत्वपूर्ण है। हर व्यक्ति सुखी और सफल जीवन जीना चाहता है, लेकिन सुख की उसकी परिभाषा अलग-अलग हो सकती है। कोई धन को सफलता का आधार मानता है, कोई प्रतिष्ठा को, कोई अच्छे परिवार और रिश्तों को तो कोई अपने पसंदीदा काम को जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि समझता है। आधुनिक जीवन में मनुष्य के पास पहले की तुलना में अधिक सुविधाएं हैं, फिर भी मानसिक तनाव और असंतोष बढ़ता दिखाई देता है। इसका एक बड़ा कारण यह है कि हम अपनी खुशियों की तुलना दूसरों के जीवन से करने लगे हैं। ऐसे समय में संतुष्टि का महत्व और अधिक बढ़ जाता है।

संतुष्टि का अर्थ यह नहीं है कि व्यक्ति अपनी महत्वाकांक्षाओं को छोड़ दे या आगे बढ़ने की इच्छा समाप्त कर दे। संतुष्टि का वास्तविक अर्थ है कि व्यक्ति अपनी वर्तमान स्थिति, उपलब्धियों और जीवन में मिली अच्छी चीजों का मूल्य समझे। इसके साथ ही वह अपनी कमियों को पहचानकर उन्हें दूर करने का प्रयास करता रहे। जीवन में आगे बढ़ने की इच्छा और वर्तमान में खुश रहने की क्षमता के बीच संतुलन ही वास्तविक संतुष्टि है।

मनुष्य की इच्छाओं का कोई अंत नहीं होता। एक इच्छा पूरी होने के बाद दूसरी इच्छा सामने आ जाती है। बचपन में अच्छी पढ़ाई की इच्छा होती है, फिर अच्छी नौकरी, उसके बाद अधिक वेतन, अपना घर, वाहन और बेहतर जीवन की चाह पैदा होती है। इच्छाएं पूरी होने के बावजूद मन को शांति नहीं मिलती तो व्यक्ति किसी नई उपलब्धि की तलाश में लग जाता है। यही अंतहीन दौड़ कई बार जीवन को तनावपूर्ण बना देती है। इसलिए यह समझना जरूरी है कि हर इच्छा पूरी होना खुशी की गारंटी नहीं है।

संतुष्टि व्यक्ति को अपनी उपलब्धियों की कद्र करना सिखाती है। यदि कोई विद्यार्थी परीक्षा में मेहनत करके अच्छे अंक प्राप्त करता है, तो उसे अपनी मेहनत पर गर्व होना चाहिए। यदि कोई कर्मचारी ईमानदारी से अपने काम को पूरा करता है, तो उसे अपने योगदान का महत्व समझना चाहिए। हर उपलब्धि छोटी या बड़ी नहीं होती, बल्कि उसके पीछे किया गया प्रयास महत्वपूर्ण होता है। अपनी मेहनत को पहचानने से आत्मविश्वास बढ़ता है और जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित होता है।

आज सामाजिक माध्यमों ने तुलना की प्रवृत्ति को और बढ़ा दिया है। लोग दूसरों की यात्राएं, महंगे सामान, सफलता, बेहतर जीवनशैली और उपलब्धियां देखकर अपने जीवन की तुलना करने लगते हैं। लेकिन किसी व्यक्ति के जीवन का केवल वही हिस्सा दिखाई देता है, जिसे वह सार्वजनिक करना चाहता है। उसकी परेशानियां, असफलताएं और संघर्ष अक्सर दिखाई नहीं देते। इसलिए दूसरों के दिखावटी जीवन से अपने वास्तविक जीवन की तुलना करना असंतोष का कारण बन सकता है। हमें अपनी परिस्थितियों और उपलब्धियों को दूसरों के पैमाने से नहीं, बल्कि अपनी यात्रा के संदर्भ में देखना चाहिए।

संतुष्टि का संबंध परिवार और रिश्तों से भी गहराई से जुड़ा है। आज व्यस्त जीवन में लोग धन और करियर की दौड़ में परिवार के लिए समय निकालना भूल जाते हैं। घर में मौजूद लोगों के साथ बातचीत, बुजुर्गों का अनुभव सुनना, बच्चों के साथ समय बिताना और मित्रों के साथ आत्मीय संबंध बनाए रखना मानसिक सुख प्रदान करता है। कई बार व्यक्ति बड़ी-बड़ी सुविधाओं के बावजूद अकेलापन महसूस करता है, जबकि सीमित साधनों में रहने वाला व्यक्ति अच्छे रिश्तों के कारण अधिक खुश रह सकता है।

स्वास्थ्य भी संतुष्टि और सुखी जीवन का महत्वपूर्ण आधार है। स्वस्थ शरीर व्यक्ति को अपने काम और जीवन का आनंद लेने में सक्षम बनाता है। नियमित व्यायाम, पर्याप्त नींद, संतुलित भोजन और कुछ समय प्रकृति के साथ बिताना मन को शांत रखने में सहायक हो सकता है। मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी यह जरूरी है कि व्यक्ति अपनी भावनाओं को समझे और जरूरत पड़ने पर परिवार, मित्रों या विशेषज्ञों से बात करे। अपनी सीमाओं को स्वीकार करना कमजोरी नहीं, बल्कि आत्मसमझ का संकेत है।

संतुष्टि व्यक्ति को कठिन परिस्थितियों का सामना करने की शक्ति भी देती है। जीवन में हमेशा परिस्थितियां हमारे अनुसार नहीं होतीं। कभी सफलता मिलती है तो कभी असफलता का सामना करना पड़ता है। कभी आर्थिक परेशानी आती है तो कभी व्यक्तिगत जीवन में चुनौतियां खड़ी होती हैं। ऐसे समय में संतुष्ट और संतुलित व्यक्ति परिस्थितियों को समझकर आगे बढ़ने का प्रयास करता है। वह असफलता को जीवन का अंत नहीं मानता, बल्कि उससे सीख लेकर नई शुरुआत करता है।

हालांकि संतुष्टि को आलस्य या निष्क्रियता समझना भी गलत होगा। यदि कोई व्यक्ति यह सोचकर प्रयास करना छोड़ दे कि वह अपनी वर्तमान स्थिति से संतुष्ट है, तो यह संतुष्टि नहीं बल्कि ठहराव है। वास्तविक संतुष्टि व्यक्ति को भीतर से मजबूत बनाती है और उसे बिना अनावश्यक दबाव के बेहतर करने के लिए प्रेरित करती है। लक्ष्य निर्धारित करना, मेहनत करना और सफलता प्राप्त करना जरूरी है, लेकिन सफलता की राह में वर्तमान जीवन की खुशियों को भूल जाना उचित नहीं है।

-शिवांश धाकड़

कविता

दूर हो बहुत...

रवींद्र कुमार शर्मा, घुमारवीं
जिला बिलासपुर (हि. प्र.)

बाहर ही मिलता है सब कुछ, यह नासमझी की बातें हैं,
अमेरिका-कनाडा की रातों से सुंदर मेरी भारत की रातें हैं।
क्या वहां मिलेगा जो यहां अपनों के बीच मिलता है,
जिस रिश्ते की छांव में हर दुख भी कम लगता है।
ऊंचा उड़ने का सपना लेकर छोड़ दिया था घर अपना,
अब सपनों की दीवारों में ढूंढता हूं बचपन का सपना।
दूर हुआ तो घर की याद सताती होगी,
मां की आवाज कानों में बार-बार आती होगी।
गांव की गलियां, खेत-खलिहान,
मिट्टी की वह खुशबू,
दोस्तों की हंसी और अपनों की मीठी गुफ्तगू।
दूर देश में मिल जाए चाहे दौलत बेहिसाब,
पर अपनों के बिना अधूरा लगता है हर ख्वाब।
मां-बाप बूढ़े होकर राह तुम्हारी देखते हैं,
आंखों में उम्मीद लिए हर दिन तुम्हें पुकारते हैं।
कहां भूलती होगी वह पहाड़ों से जाती पगडंडी,
जहां बचपन दौड़ा था, जहां थी खुशियों की मंडी।
न कोई दोस्त, न कोई अपना इस परदेस में,
शाम ढलते ही तन्हाई मिलती है हर परिवेश में।
आ जा विदेश छोड़कर,
तुझे धरती अपनी पुकारती है,
बूढ़ी मां की आंखें आज भी तेरी राह निहारती हैं।
पराए हैं लोग वहां,
अपना कोई नहीं है,
कैसे भूल गया उस मां को,
जिसका प्यार कहीं नहीं है।
जिस दिन घर लौटेगा, आंगन फिर मुस्काएगा,
मां के आंसुओं में भी खुशियों का दीप जल जाएगा।

जब रिश्ते जरूरत पर टिक जाएं तो भावनाओं और विश्वास की नींव कमजोर होने लगती है





नरेंद्र भारती
स्वतंत्र लेखक

आज के समय में रिश्तों की प्रकृति तेजी से बदल रही है। पहले संबंध भावनाओं, विश्वास और आपसी सहयोग पर आधारित होते थे, लेकिन अब कई बार वे आवश्यकता और सुविधा के आधार पर तय होते दिखाई देते हैं। जब तक किसी व्यक्ति से कोई काम निकल रहा होता है, तब तक उसका महत्व बना रहता है, और जैसे ही कोई बेहतर विकल्प सामने आता है, पुराने रिश्ते धीरे-धीरे पीछे छूट जाते हैं। यह बदलाव केवल व्यक्तिगत जीवन तक सीमित नहीं है, बल्कि सामाजिक व्यवहार का व्यापक हिस्सा बन चुका है।

मानव स्वभाव में स्वार्थ का तत्व हमेशा से मौजूद रहा है, लेकिन पहले इसे सामाजिक मर्यादाओं, नैतिकता और भावनात्मक जिम्मेदारी के कारण संतुलित किया जाता था। आज डिजिटल युग में यह संतुलन कमजोर पड़ता दिख रहा है। संवाद की जगह मौन ने ले ली है। संदेश पढ़ लिए जाते हैं, लेकिन उत्तर नहीं आते; कॉल अनदेखी कर दी जाती है; और मुलाकातें औपचारिकता तक सीमित रह जाती हैं। इस तरह बिना स्पष्ट कारण के दूरी बना लेना अब सामान्य व्यवहार बनता जा रहा है। विकल्पों की बढ़ती उपलब्धता ने इस प्रवृत्ति को और मजबूत किया है। जब किसी व्यक्ति को लगता है कि उसका काम किसी और माध्यम से अधिक तेज या बेहतर तरीके से हो सकता है, तो वह तुलना करने लगता है।

नया विकल्प अधिक सुविधाजनक और प्रभावी प्रतीत होता है, जबकि पुराना संबंध अनावश्यक या बोझिल लगने लगता है। कई बार यह मानसिकता भी विकसित होती है कि पुराने रिश्ते को बनाए रखना भावनात्मक निर्भरता है, इसलिए दूरी बनाना ही बेहतर विकल्प है। डिजिटल प्लेटफॉर्म और सोशल मीडिया ने इस प्रक्रिया को और आसान बना दिया है। पहले किसी रिश्ते को खत्म करने के लिए आमने-सामने बातचीत और स्पष्टीकरण आवश्यक होता था, लेकिन अब केवल एक क्लिक में अनफॉलो, म्यूट या ब्लॉक करके दूरी बनाई जा सकती है।

इससे टकराव से बचाव तो होता है, लेकिन संवाद और भावनात्मक जिम्मेदारी कमजोर पड़ती जाती है। इस प्रवृत्ति का प्रभाव केवल व्यक्तिगत संबंधों तक सीमित नहीं है। राजनीति, व्यापार, पत्रकारिता और अन्य सामाजिक क्षेत्रों में भी यह व्यवहार देखा जा सकता है, जहां आवश्यकता समाप्त होते ही पुराने सहयोगी या संबंध पीछे छोड़ दिए जाते हैं। इससे विश्वास की नींव कमजोर होती है और संबंधों में अस्थिरता बढ़ती है।

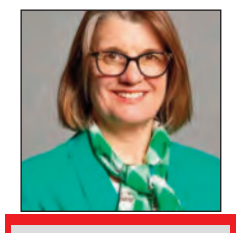
हालांकि, इस स्थिति को केवल नकारात्मक दृष्टि से देखना भी पूर्णत: सही नहीं होगा। आधुनिक जीवन में विकल्पों का होना आवश्यक है, क्योंकि यह व्यक्ति को अधिक स्वतंत्र, सक्षम और प्रतिस्पर्धी बनाता है। समस्या विकल्प चुनने में नहीं, बल्कि संबंधों को बिना सम्मान और स्पष्ट संवाद के समाप्त करने में है। यदि कोई रिश्ता आगे नहीं चल सकता, तो उसे ईमानदारी और आभार के साथ स्वीकार करना अधिक मानवीय और संतुलित दृष्टिकोण है। रिश्तों की मजबूती केवल उपयोगिता पर आधारित नहीं हो सकती। वे संवेदना, सम्मान और पारस्परिक समझ पर टिके होते हैं। जब व्यक्ति अपने पुराने संबंधों को पूरी तरह नकार देता है, तो वह केवल दूसरों को नहीं, बल्कि अपने भावनात्मक आधार को भी कमजोर करता है। जीवन में आगे बढ़ना आवश्यक है, लेकिन अतीत और उन लोगों को सम्मान देना भी उतना ही जरूरी है जिन्होंने किसी न किसी रूप में हमारे जीवन को प्रभावित किया है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

व्यक्तित्व विशेष

रेचल मैकलीन का संसदीय सफर

रेचल हेलेन मैकलीन ब्रिटेन की कंजर्वेटिव पार्टी की राजनीतिज्ञ हैं। उनका जन्म 3 अक्टूबर 1965 को हुआ था। वह 2017 से 2024 तक वॉर्सेस्टरशायर के रेडडिच क्षेत्र से ब्रिटेन की संसद के निचले सदन की सदस्य रहीं। वर्ष 2024 के आम चुनाव के बाद उनका निचले सदन का कार्यकाल समाप्त हुआ। फरवरी 2025 में उन्हें जीवनपर्यंत उच्च सदन का सदस्य बनाया गया। इसके बाद उन्होंने बैरोनेस मैकलीन ऑफ रेडडिच के रूप में उच्च सदन में अपनी जिम्मेदारी संभाली।



रेचल हेलेन
जन्म : 3 अक्टूबर 1965

राजनीति में आने से पहले मैकलीन ने मानव संसाधन, संगठन विकास और प्रकाशन क्षेत्र में काम किया। उन्होंने कुछ कंपनियों की स्थापना और संचालन में भी भूमिका निभाई। वर्ष 2016-17 के दौरान वह एक मानव संसाधन कंपनी की सह-संस्थापक और मुख्य संचालन अधिकारी रहीं।

2017 में संसद पहुंचने के बाद मैकलीन ने विभिन्न संसदीय समितियों में काम किया और सरकार में कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां संभालीं। सितंबर 2019 से फरवरी 2020 तक वह तत्कालीन वित्त मंत्री साजिद जाविद की संसदीय निजी सचिव रहीं। फरवरी 2020 में उन्हें परिवहन विभाग में संसदीय अवर सचिव नियुक्त किया गया। सितंबर 2021 में उन्होंने गृह कार्यालय में सुरक्षा मामलों की संसदीय अवर सचिव के रूप में जिम्मेदारी संभाली।

वर्ष 2022 में लिज ट्रस सरकार के दौरान उन्होंने न्याय मंत्रालय में पीड़ितों और संवेदनशीलता मामलों की राज्य मंत्री के रूप में कार्य किया। नवंबर 2022 में वह कंजर्वेटिव पार्टी की उपाध्यक्ष बनीं। फरवरी 2023 में ऋषि सुनक सरकार में उन्हें आवास मंत्री की जिम्मेदारी मिली। नवंबर 2023 में मंत्रिमंडल में फेरबदल तक वह इस पद पर रहीं।

वर्तमान में मैकलीन ब्रिटेन के उच्च सदन की सदस्य हैं और कंजर्वेटिव पार्टी से संबद्ध हैं। उनके राजनीतिक अनुभव में स्थानीय शासन, परिवहन, आवास, गृह मामलों और न्याय से जुड़े विषय प्रमुख रहे हैं।

बदलते खानपान और दूषित जल के बढ़ते खतरे के बीच बच्चों के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान जरूरी





सुखदेव सिंह
नूरपुर

स्कूली छात्रों के गलत खानपान और दूषित पानी के कारण बीमार पड़ने की घटनाओं ने हिमाचल प्रदेश के शिक्षा विभाग को सतर्क किया है। विभाग ने स्कूलों में विद्यार्थियों को उबला हुआ अथवा फिल्टर किया हुआ पानी उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए हैं। यह कदम केवल स्कूली बच्चों के स्वास्थ्य की दृष्टि से महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि समाज को स्वच्छ जल के प्रति जागरूक करने का अवसर भी है। कभी जल संरक्षण और स्वच्छ पानी को लेकर स्कूलों की दीवारों, भवनों और पानी की टंकियों पर जल ही जीवन जैसे संदेश प्रमुखता से दिखाई देते थे। आज ऐसे संदेश कम दिखाई देते हैं। आवश्यकता है कि विद्यालयों में बच्चों को केवल पाठ्यक्रम के माध्यम से नहीं बल्कि व्यवहारिक रूप से भी स्वच्छ जल के महत्व के बारे में समझाया जाए।

दूषित पानी अनेक बीमारियों का कारण बन सकता है। बरसात के मौसम में जल स्रोतों में गंदगी और प्रदूषित पानी मिलने की आशंका बढ़ जाती है। ऐसे पानी के सेवन से बुखार, दस्त, उल्टी, पेट संबंधी परेशानी और अन्य संक्रमण हो सकते हैं। चिकित्सक भी संदिग्ध जल स्रोतों का पानी सीधे पीने के बजाय उसे उबालकर अथवा सुरक्षित तरीके से शुद्ध करके पीने की सलाह देते हैं। पानी को पर्याप्त तापमान तक गर्म करने से कई प्रकार के रोगाणुओं को नष्ट करने में मदद मिलती है। इसलिए ग्रामीण और पहाड़ी क्षेत्रों में विशेष रूप से जल स्रोतों की निगरानी और पानी की गुणवत्ता की नियमित जांच जरूरी है।

स्वच्छ पानी की जरूरत ने बोतलबंद पानी और घरेलू जल शोधन उपकरणों की मांग भी बढ़ाई है। शहरों में अनेक लोग बोतलबंद पानी को सुरक्षित विकल्प मानते हैं, जबकि कई घरों में जल शोधन उपकरण लगाए जा चुके हैं। हालांकि हर परिवार के लिए लगातार बोतलबंद पानी खरीदना आसान नहीं है। गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों के सामने रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करना ही बड़ी चुनौती है। ऐसे में सरकार और स्थानीय प्रशासन की जिम्मेदारी बढ़ जाती है कि लोगों को सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण पेयजल उनके घरों के नजदीक उपलब्ध कराया जाए। स्वच्छ पानी किसी वर्ग विशेष की सुविधा नहीं बल्कि प्रत्येक नागरिक की मूल आवश्यकता है।

जल स्रोतों के दूषित होने के पीछे कई कारण हैं। किसानों और बागवानों द्वारा फसलों को कीटों और रोगों से बचाने के लिए रसायनों तथा कीटनाशकों का उपयोग किया जाता है। यदि इनका इस्तेमाल निर्धारित मात्रा और वैज्ञानिक तरीके से न किया जाए तो वर्षा के पानी के साथ इनके अवशेष जल स्रोतों तक पहुंच सकते हैं। इसलिए कृषि विभाग को किसानों और बागवानों को सुरक्षित एवं संतुलित रसायन उपयोग के बारे में लगातार प्रशिक्षण देना चाहिए। प्राकृतिक खेती और पर्यावरण अनुकूल कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देना भी जल संरक्षण की दिशा में उपयोगी कदम हो सकता है।

जल भंडारण व्यवस्था भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। ग्रामीण क्षेत्रों में बनाए गए पानी के भंडारण टैंकों की नियमित सफाई, मरम्मत और निगरानी आवश्यक है। कई स्थानों पर टैंकों की स्थिति खराब होने, रिसाव या रखरखाव की कमी के कारण जल संरक्षण का उद्देश्य प्रभावित होता है। पानी को लोगों तक पहुंचाने से पहले भंडारण टैंकों की स्वच्छता सुनिश्चित की जानी चाहिए। आवश्यकता के अनुसार सुरक्षित जल शोधन प्रक्रिया अपनाना और जल गुणवत्ता की नियमित जांच करना विभाग की प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिए।

पानी की पाइपलाइन व्यवस्था में सुधार भी जरूरी है। कई ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में पुरानी या क्षतिग्रस्त पाइपों से पानी का रिसाव होता रहता है। यदि पेयजल पाइप गंदी नालियों या दूषित स्थानों के संपर्क में हों तो पाइपलाइन के भीतर भी संक्रमण का खतरा बढ़ सकता है। इसलिए पाइपों की समय पर मरम्मत और सुरक्षित तरीके से बिछाने की व्यवस्था होनी चाहिए। पानी की आपूर्ति बंद होने के बाद पाइपलाइन में दूषित पानी के प्रवेश की संभावना को भी तकनीकी उपायों से रोकना जरूरी है।

राज्य सरकार द्वारा सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों को स्टेनलेस स्टील की बोतलें उपलब्ध करवाने की पहल भी सराहनीय है। इससे बच्चों को पर्याप्त पानी पीने की आदत विकसित करने के साथ-साथ एकल उपयोग वाली प्लास्टिक बोतलों पर निर्भरता कम करने में मदद मिल सकती है। यदि विद्यार्थी इन बोतलों की नियमित सफाई करें और लंबे समय तक उनका उपयोग करें तो यह कदम पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी उपयोगी साबित होगा। विद्यालयों में बच्चों को पानी की बोतल साफ रखने, पर्याप्त मात्रा में पानी पीने और सुरक्षित जल का उपयोग करने के बारे में व्यवहारिक जानकारी दी जानी चाहिए।

पानी केवल प्यास बुझाने के लिए नहीं बल्कि शरीर की अनेक सामान्य प्रक्रियाओं के लिए आवश्यक है। पर्याप्त मात्रा में पानी पीना स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है, हालांकि हर व्यक्ति की जरूरत मौसम, उम्र, शारीरिक गतिविधि और स्वास्थ्य स्थिति के अनुसार अलग हो सकती है। अत्यधिक ठंडा पानी पीने को सीधे जहर कहना वैज्ञानिक रूप से उचित नहीं है। इसी तरह भोजन के साथ पानी पीने को सामान्य रूप से हानिकारक मानना भी सही नहीं है। मुख्य चिंता यह होनी चाहिए कि पानी सुरक्षित हो और व्यक्ति अपनी जरूरत के अनुसार पर्याप्त मात्रा में तरल पदार्थ ग्रहण करे।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

'भारतेन्दु शिखर

प्रकाशक, मुद्रक, संपादक एवं स्वामी शिवांश धाकड़ द्वारा शर्मा भवन, न्यू रणजीत नगर, एप्पल फ्रूट मंडी, नजदीक ढली टनल, शिमला (हि.प्र.) 171006 से प्रकाशित एवं बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद शिमला न्यायालय के अधीन होंगे।

आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/2000/02437
ई-मेल : bhartendunewsmedia@gmail.com, फोन नंबर : 88946-77702

दस्तावेजों में कमी पर 11 अभ्यर्थियों का चयन हुआ निरस्त

एजेंसी, प्रयागराज

शिक्षा सेवा चयन आयोग (यूपीईएसएससी) ने प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (टीजीटी) भर्ती से जुड़ा महत्वपूर्ण अपडेट जारी किया है। आयोग ने विज्ञापन संख्या-01/2022 के तहत चयनित 41 अभ्यर्थियों को संस्था आवंटित कर दी है। इसके साथ ही विषयवार पैनल भी जारी किया गया है। अभ्यर्थी आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर संस्था आवंटन और संबंधित जानकारी देख सकते हैं। आयोग के अनुसार, चयनित अभ्यर्थियों को उनके आवेदित पदों के सापेक्ष संस्था आवंटित की गई है। इसके लिए विषयवार पैनल तैयार कर जारी किया गया है। अभ्यर्थियों को अपने नाम और आवंटित संस्था की जानकारी के लिए आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध विवरण देखना होगा।

वहीं, अभिलेखों की जांच के दौरान कुछ अभ्यर्थियों के दस्तावेजों में कमी या अन्य प्रकार की खामियां सामने आईं। आवश्यक अभिलेख प्रस्तुत नहीं करने अथवा परीक्षण में दोष पाए जाने के कारण 11 अभ्यर्थियों का चयन निरस्त कर दिया गया है। आयोग ने चयन प्रक्रिया के तहत संबंधित अभ्यर्थियों के दस्तावेजों का परीक्षण करने के बाद यह निर्णय लिया है। आयोग ने इससे पहले आवेदित पदों के सापेक्ष संशोधित चयन परिणाम 23 अगस्त को घोषित किया था। अब चयनित अभ्यर्थियों को संस्था आवंटित करने के बाद विषयवार पैनल जारी किया गया है। इससे अभ्यर्थियों को भर्ती प्रक्रिया के अगले चरण की जानकारी मिल सकेगी। टीजीटी भर्ती से संबंधित अभ्यर्थियों को सलाह दी गई है कि वे आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध नोटिस और पैनल को ध्यानपूर्वक देखें। संस्था आवंटन के संबंध में किसी प्रकार की जानकारी या निर्देश के लिए अभ्यर्थी आयोग की वेबसाइट पर जारी आधिकारिक सूचना का ही अनुसरण करें।

कई मामले डेढ़ साल से अटके, पंचायती राज विभाग और प्रशासन पर सवाल

प्रयागराज में भ्रष्टाचार की सौ फाइलें लंबित

एजेंसी, प्रयागराज



गांवों के विकास कार्यों में अनियमितता और भ्रष्टाचार से जुड़ी सौ से अधिक शिकायतों की फाइलें सरकारी विभागों में लंबित हैं। जनपद स्तर के करीब 20 अधिकारियों के पास ये मामले लंबे समय से लंबित बताए जा रहे हैं। कई शिकायतों पर कार्रवाई की प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ सकी है, जबकि कुछ मामले करीब डेढ़ साल से विभागीय स्तर पर लंबित हैं। इससे ग्राम पंचायतों में विकास कार्यों की निगरानी और शिकायतों के निस्तारण की व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं।

ग्राम पंचायतों में प्रधानों और सचिवों के खिलाफ विकास कार्यों में गड़बड़ी तथा सरकारी धन के दुरुपयोग से संबंधित शिकायतें समय-समय पर सामने आती रही हैं। शिकायतों की जांच के बाद कुछ मामलों में प्रधानों के अधिकार वापस लिए गए, जबकि कुछ मामलों में भ्रष्टाचार के प्रमाण नहीं मिलने पर संबंधित लोगों को क्लीन चिट भी दी गई। इसके बावजूद बड़ी संख्या में शिकायतों की फाइलें अभी अधिकारियों के स्तर पर विचाराधीन हैं। बताया जा रहा है कि ग्राम पंचायतों से जुड़ी इन शिकायतों में विकास कार्यों में अनियमितता, सरकारी धन के इस्तेमाल और कार्यों की गुणवत्ता से संबंधित आरोप शामिल हैं।

शिकायत मिलने के बाद संबंधित अधिकारियों के स्तर पर जांच कर रिपोर्ट तैयार की जानी होती है। जांच के आधार पर कार्रवाई या शिकायत का निस्तारण किया जाता है। हालांकि, कई मामलों में यह प्रक्रिया लंबी खिंच गई है। जनपद स्तर पर 20 अधिकारियों के पास सौ से अधिक शिकायतें लंबित होने की जानकारी सामने आई है। इनमें से कुछ मामलों की फाइलें लंबे समय से आगे नहीं बढ़ी हैं। करीब डेढ़ साल से लंबित शिकायतों को लेकर भी विभागीय कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं।

शिकायतकर्ता कार्रवाई की उम्मीद में संबंधित कार्यालयों के चक्कर काट रहे हैं। ग्राम पंचायतों में विकास के लिए सरकार की ओर से विभिन्न योजनाओं के तहत धनराशि उपलब्ध कराई जाती है। ऐसे में शिकायतों की समय पर जांच और निस्तारण को महत्वपूर्ण माना जाता है। यदि किसी मामले में अनियमितता की शिकायत मिलती है तो उसकी जांच के बाद तथ्य सामने आने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाती है।

वहीं, जांच में आरोप प्रमाणित नहीं होने पर संबंधित पक्ष को राहत भी मिलती है। इस मामले में करीब दो दर्जन से अधिक शिकायतों का निस्तारण हो चुका है। कुछ मामलों में प्रधानों के अधिकार छीने गए हैं, जबकि कुछ में भ्रष्टाचार के प्रमाण नहीं मिलने पर क्लीन चिट दी गई। इससे स्पष्ट है कि शिकायतों की जांच की प्रक्रिया अलग-अलग मामलों में अलग परिणाम तक पहुंची है।

एशियन गेम्स में दो पदक जीतकर मेरठ लौटीं पारुल, भव्य स्वागत





एजेंसी, मेरठ। एशियन गेम्स में लगातार दूसरी बार दो पदक जीतकर इतिहास रचने वाली मेरठ की बेटी पारुल चौधरी के स्वदेश लौटने पर शुक्रवार को उनके गांव में भव्य स्वागत किया गया। पारुल के गांव पहुंचते ही ग्रामीणों में खुशी की लहर दौड़ गई। परिजनों, ग्रामीणों और पुलिसकर्मियों ने फूलों और नोटों की मालाओं से उनका स्वागत किया। इस दौरान गांव में जश्न का माहौल रहा और लोग बड़ी संख्या में अपनी बेटी की उपलब्धि का हिस्सा बनने पहुंचे।

पारुल चौधरी की इस उपलब्धि पर उनके परिवार के साथ ग्रामीण और पुलिस विभाग भी गर्व महसूस कर रहे हैं। स्वागत समारोह के दौरान लोगों ने उनकी सफलता की सराहना की और कहा कि उन्होंने खेल के क्षेत्र में देश और मेरठ का नाम रोशन किया है। एशियन गेम्स में लगातार दूसरी बार दो पदक जीतना उनके लिए बड़ी उपलब्धि है। ग्रामीणों ने कहा कि पारुल ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन कर क्षेत्र का गौरव बढ़ाया है। उनके प्रदर्शन से गांव और आसपास के युवाओं को खेलों में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी।

लोगों ने उम्मीद जताई कि क्षेत्र के बच्चे पारुल से प्रेरणा लेकर खेलों में अपना भविष्य बनाएंगे और देश के लिए पदक जीतेंगे। पारुल के गांव लौटने पर परिवार के लोगों ने भी खुशी जताई। पुलिसकर्मियों ने उनकी उपलब्धि को विभाग के लिए गर्व का विषय बताया। स्वागत के दौरान पारुल के सम्मान में ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक कार्यक्रम में भाग लिया। एशियन गेम्स से पदक लेकर लौटीं पारुल के सम्मान में पूरा गांव एकजुट नजर आया। पारुल ने ग्रामीणों का आभार जताते हुए कहा कि वह देश के लिए बेहतर प्रदर्शन जारी रखेंगी।

न्यूज ब्रीफ

गांधी जयंती पर प्रयागराज में क्रॉस कंट्री रेस, रिशु पाल और पुष्पा यादव विजेता

एजेंसी, प्रयागराज। चंद्रशेखर आजाद पार्क के गेट नंबर-तीन से शुरू हुई पांच किलोमीटर की क्रॉस कंट्री रेस में बड़ी संख्या में खिलाड़ियों ने उत्साह के साथ हिस्सा लिया। सुबह 6:30 बजे शुरू हुई दौड़ को प्रभारी क्षेत्रीय क्रीड़ाधिकारी शिव कुमार यादव ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जिला प्रशासन और क्षेत्रीय खेल कार्यालय की ओर से गांधी जयंती के अवसर पर आयोजित इस प्रतियोगिता में पुरुष वर्ग के 100 और महिला वर्ग की 44 खिलाड़ियों ने भाग लिया। दौड़ में खिलाड़ियों ने पूरे उत्साह के साथ निर्धारित मार्ग पर अपनी गति और क्षमता का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के पुरुष वर्ग में रिशु पाल ने पहला स्थान हासिल किया, जबकि महिला वर्ग में पुष्पा यादव विजेता रहीं। आयोजन का उद्देश्य खिलाड़ियों को खेल गतिविधियों के लिए प्रोत्साहित करना और युवाओं में स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। इस दौरान खेल विभाग के अधिकारी और कर्मचारी भी मौजूद रहे।

रेलवे एएलपी भर्ती का परिणाम जारी, 4453 अभ्यर्थी तीसरे चरण के लिए चयनित

एजेंसी, प्रयागराज। रेलवे भर्ती बोर्ड (आरआरबी) प्रयागराज ने सहायक लोको पायलट (एएलपी) भर्ती के द्वितीय चरण कंप्यूटर आधारित परीक्षा (सीबीटी-2) का परिणाम जारी कर दिया है। यह परीक्षा केंद्रीयकृत रोजगार सूचना संख्या सीईएन 01/2025 के तहत आयोजित की गई थी। परीक्षा में प्रदर्शन के आधार पर कुल 4453 अभ्यर्थियों को तृतीय चरण की कंप्यूटर आधारित एप्टीट्यूड टेस्ट (सीबीएटी) के लिए अनंतिम रूप से शॉर्टलिस्ट किया गया है।आरआरबी ने परिणाम के साथ अभ्यर्थियों के लिए कटऑफ अंक भी जारी किए हैं। चयनित अभ्यर्थियों को अब भर्ती प्रक्रिया के अगले चरण में शामिल होना होगा। सीबीएटी के संबंध में आवश्यक जानकारी और दिशा-निर्देश आरआरबी की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध कराए जाएंगे। अभ्यर्थी अपना परिणाम और कटऑफ ध्यानपूर्वक जांच सकते हैं।

अलीगढ़ में ठेले हटाने के विरोध में सड़क पर उतरे पटरी दुकानदार

एजेंसी, अलीगढ़। अलीगढ़ में गांधी आई अस्पताल के बाहर सड़क किनारे से ठेले और दुकानें हटाए जाने के विरोध में शुक्रवार को पटरी दुकानदारों ने धरना-प्रदर्शन किया। फुटपाथ लघु व्यापार मंडल के बैनर तले रेड़ी-ढकेल संचालकों ने नगर निगम की कार्रवाई के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शन में दुकानदार अपने परिवार के सदस्यों के साथ शामिल हुए। दुकानदारों का कहना था कि सड़क किनारे ठेले और दुकानें लगाकर वे अपने परिवार का पालन-पोषण करते हैं। कार्रवाई से उनकी रोजी-रोटी प्रभावित हो रही है। उन्होंने नगर निगम से ठेले हटाने की कार्रवाई पर पुनर्विचार करने की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि बिना वैकल्पिक व्यवस्था किए दुकानें हटाने से उनके सामने आर्थिक संकट खड़ा हो जाएगा। दुकानदारों ने प्रशासन से बातचीत कर समस्या का समाधान निकालने की मांग की। इस दौरान प्रदर्शन स्थल पर काफी संख्या में रेड़ी-ढकेल संचालक मौजूद रहे।

आगरा-ग्वालियर एक्सप्रेसवे से 60 मिनट में पूरा होगा 88 किमी का सफर

एजेंसी, आगरा। आगरा-ग्वालियर ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे बनने के बाद दोनों शहरों के बीच सफर आसान और तेज होगा। 88 किलोमीटर लंबा यह छह लेन का एक्सप्रेसवे उत्तर प्रदेश, राजस्थान और मध्य प्रदेश को बेहतर कनेक्टिविटी देगा। इसके निर्माण से आगरा से ग्वालियर की दूरी करीब 33 किलोमीटर कम हो जाएगी और सफर लगभग एक घंटे में पूरा किया जा सकेगा।परियोजना के तहत चंबल नदी पर करीब 1600 मीटर लंबा हैंगिंग पुल भी बनाया जाएगा। एक्सप्रेसवे आगरा के 14 गांवों के अलावा राजस्थान के धौलपुर और मध्य प्रदेश के मुरैना क्षेत्र के करीब 30 गांवों से होकर गुजरेगा। वर्तमान में आगरा से ग्वालियर की 121 किलोमीटर दूरी तय करने में दो से ढाई घंटे लगते हैं। नया मार्ग समय और ईंधन की बचत करेगा।

त्योहार से पहले आगरा एयरपोर्ट पर बढ़ी उड़ानों की संख्या

एजेंसी, आगरा। त्योहार से पहले यात्रियों की सुविधा को देखते हुए खेरिया एयरपोर्ट से बेंगलुरु और नवी मुंबई के लिए उड़ानों की संख्या बढ़ाई गई है। एयरपोर्ट प्रशासन के अनुसार गुरुवार से बेंगलुरु की फ्लाइट सप्ताह में पांच दिन के बजाय अब सातों दिन संचालित होगी। इससे यात्रियों को रोजाना बेंगलुरु आने-जाने की सुविधा मिलेगी। इसी तरह नवी मुंबई के लिए भी उड़ानों के संचालन के दिन बढ़ाए गए हैं। पहले यह फ्लाइट सप्ताह में दो दिन चलती थी, जिसे अब तीन दिन कर दिया गया है। उड़ानों की संख्या बढ़ने से त्योहार के दौरान यात्रियों को राहत मिलने की उम्मीद है। एयरपोर्ट प्रशासन के अनुसार 25 अक्टूबर से उड़ानों के समय में भी बदलाव किया जा सकता है। यात्रियों को यात्रा से पहले संबंधित एयरलाइन से फ्लाइट के समय और संचालन के दिनों की जानकारी लेने की सलाह दी गई है।

दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे का पांचवां चरण साढ़े चार साल से अधूरा

एजेंसी, मेरठ



दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे के पांचवें चरण का निर्माण निर्धारित समय से करीब ढाई साल की देरी के बावजूद पूरा नहीं हो पाया है। 14.4 किलोमीटर लंबे इस कनेक्टर का निर्माण कार्य करीब साढ़े चार साल से चल रहा है। दो साल में पूरा होने वाली परियोजना अब भी अधूरी है। निर्माण पूरा नहीं होने से इस मार्ग से जुड़ी सुविधाओं का लाभ लोगों को पूरी तरह नहीं मिल पा रहा है।

पांचवें चरण में दो इंटरचेंज का निर्माण अभी अधूरा है। नरहेड़ा में रेलवे ओवरब्रिज के पिलर तैयार हो चुके हैं, लेकिन उन पर अब तक गर्डर नहीं रखे जा सके हैं। इसके अलावा एक अन्य ढांचा भी निर्माणाधीन है। इन अधूरे कार्यों के कारण परियोजना का काम आगे बढ़ने में देरी हो रही है। तलहेटा में किसानों का धरना भी निर्माण कार्य में बाधा बना हुआ है। करीब एक किलोमीटर हिस्से में स्लिप रोड की मांग को लेकर किसान विरोध कर रहे हैं।

किसानों का कहना है कि चुड़ियाला में एक्सप्रेसवे पर स्लिप रोड बनाया जा सकता है तो तलहेटा में भी इसकी सुविधा मिलनी चाहिए। उनका तर्क है कि तलहेटा क्षेत्र में करीब 20 गांवों के लोगों की जमीन एक्सप्रेसवे के लिए ली गई है। किसानों के अनुसार स्लिप रोड के निर्माण के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण को अलग से जमीन खरीदने की जरूरत भी नहीं है।

आगरा-दिल्ली हाईवे पर रोडवेज बस और टैंकर की भीषण टक्कर

एजेंसी, आगरा



आगरा-दिल्ली हाईवे पर शुक्रवार दोपहर सिकंदरा क्षेत्र के अरतौनी में ताज डिपो की रोडवेज बस पानी से भरे टैंकर से टकरा गई। हादसा इतना जोरदार था कि बस का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। बस में सवार सात यात्री घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया।

घटना दोपहर करीब एक बजे की बताई गई है। ताज डिपो की रोडवेज बस यात्रियों को लेकर दिल्ली की ओर जा रही थी। सिकंदरा मंडी फ्लाईओवर से नीचे उतरने के बाद बस अरतौनी क्षेत्र में पहुंची। इसी दौरान आगे चल रहे पानी से भरे टैंकर से बस की जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि बस का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। टैंकर के पिछले हिस्से को भी नुकसान पहुंचा।

हादसे के बाद बस में बैठे यात्रियों के बीच अफरा-तफरी मच गई। टक्कर की आवाज सुनकर आसपास के लोग भी मौके पर पहुंच गए। बस में सवार यात्रियों को बाहर निकालने में मदद की गई। दुर्घटना में सात सवारियों के घायल होने की जानकारी सामने आई है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घायलों को अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका उपचार कराया गया।

हादसे के कारण आगरा-दिल्ली हाईवे पर कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित रहा। दुर्घटनाग्रस्त बस और टैंकर सड़क पर खड़े होने के कारण वाहनों की आवाजाही प्रभावित हुई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभाला और यातायात को सामान्य कराने का प्रयास किया। स्थानीय लोगों के अनुसार, हादसे के समय बस दिल्ली की तरफ जा रही थी। सिकंदरा मंडी फ्लाईओवर से उतरने के बाद अरतौनी में यह दुर्घटना हुई।

पानी से भरे टैंकर के पिछले हिस्से से बस के टकराने के कारण बस का अगला भाग सबसे ज्यादा क्षतिग्रस्त हुआ। पुलिस ने दुर्घटना के संबंध में जानकारी जुटाई है। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। पुलिस यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि बस और टैंकर की टक्कर किन परिस्थितियों में हुई। फिलहाल घायल यात्रियों का उपचार कराया जा रहा है।

- **पुलिस** के अनुसार हादसे के बाद मौके पर पहुंचकर घायलों को अस्पताल भेजा गया। दुर्घटना के कारण कुछ समय तक हाईवे पर वाहनों की आवाजाही प्रभावित रही। पुलिस ने क्षतिग्रस्त बस और टैंकर को सड़क से हटवाकर यातायात सामान्य कराया। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। फिलहाल सभी घायल यात्रियों का अस्पताल में उपचार जारी है।

सपा ने शुरू किया लोकतंत्र बचाओ सप्ताह, 8 अक्टूबर तक चलेगा अभियान

एजेंसी, प्रयागराज। प्रयागराज में समाजवादी पार्टी ने शुक्रवार से 'लोकतंत्र बचाओ सप्ताह' और 'वोट बचाओ-देश बचाओ' अभियान की शुरुआत की। यह अभियान आठ अक्टूबर तक चलेगा। इसके तहत पार्टी की ओर से मार्च, जनजागरण कार्यक्रम और विभिन्न स्तरों पर बैठकें आयोजित की जाएंगी। अभियान को लेकर सिविल लाइंस स्थित प्रेस क्लब में सपा नेताओं और पदाधिकारियों ने पत्रकार वार्ता की।



सपा नेताओं ने बताया कि अभियान के दौरान लोगों को मतदान के अधिकार और लोकतांत्रिक प्रक्रिया से जुड़े मुद्दों के प्रति जागरूक किया जाएगा। पार्टी की ओर से 'वोट बचाओ-देश बचाओ' मार्च भी निकाला जाएगा। इसके माध्यम से कार्यकर्ता लोगों के बीच पहुंचकर अभियान से जुड़े विषयों पर संवाद करेंगे।

सपा नेताओं ने कहा कि अभियान का उद्देश्य लोकतांत्रिक व्यवस्था और मताधिकार से जुड़े मुद्दों को जनता के बीच उठाना है। उन्होंने मुख्य निर्वाचन आयुक्त को पद से हटाने सहित अन्य मांगों को भी अभियान का हिस्सा बताया। पार्टी के अनुसार, आठ अक्टूबर तक अलग-अलग कार्यक्रमों के माध्यम से जनजागरण किया जाएगा।

पत्नी की हत्या कर घर में जलाया शव, यमुना में फेंकीं हड्डियां

एजेंसी, आगरा। अछनेरा के गांव कुकथला में पत्नी की हत्या के बाद शव जलाकर अवशेष यमुना नदी में ठिकाने लगाने के मामले में पुलिस ने आरोपित पति लोकेंद्र को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, आरोपित ने फिल्म 'दृश्यम' की तर्ज पर वारदात के बाद साक्ष्य मिटाने की कोशिश की। मामले में लोकेंद्र के भाई मानवेंद्र को भी गिरफ्तार किया गया है। दोनों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। पुलिस के मुताबिक, लोकेंद्र ने पत्नी चांदनी की हत्या करने के बाद शव को घर में ही जला दिया। इसके बाद शव के बचे हुए अवशेषों को एक बोरे में भरकर यमुना नदी में फेंक दिया गया। बताया गया है कि अवशेषों को करीब 12 किलोमीटर दूर यमुना में ठिकाने लगाया गया। वारदात के बाद मामले को छिपाने और पुलिस से बचने के लिए आरोपित ने सबूत मिटाने का प्रयास किया।

पुलिस ने जांच के दौरान मामले का पर्दाफाश करते हुए लोकेंद्र को गिरफ्तार किया। इसके बाद उसके भाई मानवेंद्र की भूमिका भी सामने आई। पुलिस ने दोनों आरोपितों को न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। मामले की जांच आगे जारी है। उधर, चांदनी की मौत के बाद उसकी दो वर्ष की बेटी की जिम्मेदारी उसके मामा ने ले ली है। बच्ची अब अपने मामा के साथ रहेगी। घटना के बाद परिवार में मातम का माहौल है। पुलिस वारदात से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच कर रही है। अधिकारियों के अनुसार, जांच के दौरान सामने आए तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

घाटे से उबरकर मुनाफे में आई टीसीएल रक्षा उत्पादन और निर्यात में बनाया रिकॉर्ड

- ओईएफ कानपुर प्लांट में सैन्य उपयोग के बूट बनाने का जारी काम

एजेंसी, कानपुर



आयुध निर्माणियों के निगमीकरण के पांच साल बाद रक्षा मंत्रालय की पीएसयू टूप कंफर्ट्स लिमिटेड (टीसीएल) ने कारोबार में उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया है। कंपनी वित्त वर्ष 2025-26 में घाटे से निकलकर मुनाफे में आ गई। इस दौरान टीसीएल ने 8.83 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा दर्ज किया, जबकि वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी को 132.96 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था।

कंपनी की परिचालन आय में भी बड़ी बढ़ोतरी हुई है। वित्त वर्ष 2025-26 में परिचालन आय 61 प्रतिशत बढ़कर 891.16 करोड़ रुपये पहुंच गई। इसके साथ ही कंपनी ने निर्यात के मोर्चे पर भी रिकॉर्ड बनाया। टीसीएल ने 48.45 करोड़ रुपये का निर्यात किया। टीसीएल ने रक्षा क्षेत्र के लिए कई महत्वपूर्ण उत्पाद तैयार किए हैं। इनमें सेना की वर्दी, जूते और सुखोई लड़ाकू विमान का ब्रेक पैराशूट शामिल है। कंपनी ने मल्टी स्पेक्ट्रल कैमोफ्लाज नेट्स के लिए इन-हाउस टेस्टिंग सुविधा भी स्थापित की है।

इसके साथ वह ऐसी सुविधा स्थापित करने वाली पहली डीपीएसयू बन गई है। निगमीकरण के बाद कंपनी ने उत्पादन क्षमता बढ़ाने के साथ नए उत्पादों पर भी काम किया। रक्षा जरूरतों के अनुरूप उत्पाद तैयार करने और निर्यात बढ़ाने पर जोर दिया गया। कंपनी के प्रदर्शन में सुधार को उत्पादन और परिचालन आय में बढ़ोतरी से भी जोड़ा जा रहा है। टीसीएल के पास सेना और अन्य सुरक्षा बलों के लिए विभिन्न प्रकार के कपड़े, जूते और उपकरण तैयार करने का काम है। पिछले पांच वर्षों में कंपनी ने अपने उत्पादों के दायरे का विस्तार किया है।

सुधार | गड्ढे भरने पर 20 करोड़ और कल्याण मंडपों के निर्माण व मरम्मत पर 11.60 करोड़ रुपए खर्च होंगे

मार्च तक शहर के विकास पर 247 करोड़ खर्च करेगा नगर निगम

एजेंसी, लखनऊ



लखनऊ नगर निगम ने चालू वित्तीय वर्ष के लिए अपने पुनरीक्षित बजट को मंजूरी दे दी है। मार्च 2027 तक शहर में विभिन्न विकास और जनसुविधा से जुड़े कार्यों पर 247 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। बजट में कूड़ा प्रबंधन, सड़क सुधार, गड्ढे भरने और कल्याण मंडपों के निर्माण व मरम्मत समेत कई कार्यों को शामिल किया गया है।

नगर निगम की योजना के अनुसार शहर की सड़कों पर मौजूद गड्ढों को भरने के लिए 20 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इसके अलावा कल्याण मंडपों के निर्माण और उनकी मरम्मत के लिए 11.60 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इन कार्यों के जरिए शहर में बुनियादी सुविधाओं को बेहतर करने पर जोर दिया जाएगा। पुनरीक्षित बजट में कूड़ा प्रबंधन को भी प्रमुखता दी गई है। शहर में सफाई व्यवस्था और कचरे के प्रबंधन से संबंधित कार्यों के लिए बजट का इस्तेमाल किया जाएगा। नगर निगम की ओर से विकास कार्यों को वित्तीय वर्ष समाप्त होने से पहले पूरा करने की योजना बनाई गई है।

नगर निगम के मुताबिक पुनरीक्षित बजट में विकास कार्यों के लिए अतिरिक्त धनराशि का प्रावधान किया गया है। इसका इस्तेमाल शहर की जरूरत के अनुसार अलग-अलग परियोजनाओं पर किया जाएगा। सड़क और सार्वजनिक सुविधाओं से जुड़े कार्यों के साथ सफाई व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में भी काम किया जाएगा। बजट की खास बात यह है कि विकास कार्यों के लिए शहरवासियों पर कोई नया कर या अतिरिक्त वित्तीय बोझ नहीं डाला गया है।

नगर निगम मौजूदा संसाधनों और बजट प्रावधानों के माध्यम से प्रस्तावित कार्यों को आगे बढ़ाएगा। नगर निगम अधिकारियों के अनुसार मार्च तक स्वीकृत कार्यों को पूरा कराने के लिए संबंधित विभागों के स्तर पर प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी। गड्ढों को भरने, कल्याण मंडपों की मरम्मत और निर्माण तथा कूड़ा प्रबंधन से जुड़े कार्य शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में जरूरत के अनुसार कराए जाएंगे। पुनरीक्षित बजट को मंजूरी मिलने के बाद अब नगर निगम के सामने निर्धारित समय सीमा में प्रस्तावित राशि का उपयोग करते हुए विकास कार्यों को पूरा कराने की चुनौती होगी।

नगर निगम ने पुनरीक्षित बजट मंजूर किया

लखनऊ नगर निगम ने चालू वित्तीय वर्ष के लिए पुनरीक्षित बजट को मंजूरी दे दी है। मार्च 2027 तक शहर में विकास और जनसुविधा से जुड़े कार्यों पर 247 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। बजट में सड़क सुधार, गड्ढे भरने, कूड़ा प्रबंधन तथा कल्याण मंडपों के निर्माण और मरम्मत को शामिल किया गया है। सड़कों के गड्ढे भरने के लिए 20 करोड़ रुपये खर्च होंगे, जबकि कल्याण मंडपों के निर्माण व मरम्मत के लिए 11.60 करोड़ रुपये का प्रावधान है। कूड़ा प्रबंधन और सफाई व्यवस्था को भी बजट में प्राथमिकता दी गई है। नगर निगम के अनुसार विकास कार्यों के लिए शहरवासियों पर कोई नया कर या अतिरिक्त वित्तीय बोझ नहीं डाला गया है।

कानपुर में स्कूल बस को डंपर ने मारी टक्कर, शिक्षिका की मौत; 10 लोग घायल

एजेंसी, कानपुर

- कानपुर के बिधनू में स्कूल बस और डंपर की टक्कर के बाद क्षतिग्रस्त बस

कानपुर के बिधनू क्षेत्र में शुक्रवार सुबह स्कूल बस और मौरंग लदे डंपर की भीषण टक्कर हो गई। हादसे में चीना पब्लिक स्कूल की विज्ञान शिक्षिका ऐश्वर्या श्रीवास्तव की मौत हो गई, जबकि पांच छात्रों समेत 10 लोग घायल हो गए। घायलों में दो शिक्षक-शिक्षिका की हालत गंभीर बताई गई है।

जानकारी के अनुसार, गांधी जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने के लिए घाटमपुर स्थित चीना पब्लिक स्कूल के शिक्षक और छात्र बस से जा रहे थे। बिधनू के हरबसपुर गांव में पंचायत भवन के सामने सामने से आ रहे मौरंग लदे डंपर से बस की टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस में सवार लोगों में चीख-पुकार मच गई। हादसे के दौरान विज्ञान शिक्षिका ऐश्वर्या श्रीवास्तव बस के पिछले हिस्से में खिड़की की शीट पर बैठी थीं। टक्कर के कारण वह गंभीर रूप से घायल हो गईं। इलाज के लिए उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

हादसे में पांच छात्रों समेत कुल 10 लोग घायल हुए हैं। इनमें दो शिक्षक-शिक्षिका की हालत गंभीर होने पर उन्हें बिधनू सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से प्राथमिक उपचार के बाद एलएलआर अस्पताल रेफर किया गया। अन्य घायलों का भी उपचार कराया गया। हादसे की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। दुर्घटना के बाद सड़क पर लोगों की भीड़ जुट गई।

चरखी दादरी में एसटीएफ की कार्रवाई तीन पिस्तौल और 50 कारतूस बरामद

भारतेन्दु संवाददाता, चरखी दादरी

हरियाणा एसटीएफ ने चरखी दादरी जिले में बड़ी कार्रवाई करते हुए गैंगस्टर हिमांशु उर्फ भाऊ गैंग के तीन कथित गुर्गों को गिरफ्तार किया है। एसटीएफ ने यह कार्रवाई इमलोटा गांव के पास की। गिरफ्तार आरोपितों के कब्जे से तीन पिस्तौल और कुल 50 कारतूस बरामद किए गए हैं। पुलिस ने तीनों के खिलाफ चरखी दादरी सदर थाना में संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, शुरुआती पूछताछ में आरोपितों से महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई है। पूछताछ में पता चला कि बरामद हथियारों का इस्तेमाल झज्जर जिले के बेरी नगर पालिका चेयरमैन बिल्लू की हत्या के लिए किया जाना था। आरोपित कथित तौर पर चेयरमैन की हत्या की साजिश को अंजाम देने की तैयारी में थे। हालांकि, इससे पहले ही एसटीएफ ने कार्रवाई करते हुए तीनों को पकड़ लिया। एसटीएफ की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर इमलोटा गांव के आसपास निगरानी बढ़ाई थी। संदिग्ध गतिविधियां सामने आने के बाद टीम ने कार्रवाई की और तीनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उनके पास से तीन पिस्तौल और 50 कारतूस बरामद हुए। पुलिस अब गिरफ्तार आरोपितों से पूछताछ कर रही है। जांच में यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि उन्हें हथियार कहां से मिले और हत्या की कथित साजिश में उनके साथ कौन-कौन लोग शामिल थे।

इसके अलावा पुलिस गैंग से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच कर रही है। चरखी दादरी सदर थाना पुलिस ने मामले की जांच आगे बढ़ाते हुए आरोपितों के आपराधिक रिकॉर्ड और गैंग से उनके संबंधों की जानकारी जुटानी शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि जांच के दौरान सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस आरोपितों से पूछताछ कर हथियारों के स्रोत और साजिश में शामिल अन्य लोगों की जानकारी जुटा रही है।

40 मीटर नीचे पहुंचा गुरुग्राम का भूजल स्तर हाई कोर्ट ने दिए तत्काल उपायों के निर्देश

भूजल दोहन रोकने के लिए सभी संबंधित विभागों को मिलकर कदम उठाने के निर्देश

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़



गुरुग्राम में लगातार गिरते भूजल स्तर को लेकर पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने गंभीर चिंता व्यक्त की है। शहर के अलग-अलग इलाकों में भूजल स्तर करीब 40 मीटर नीचे पहुंचने की जानकारी सामने आने के बाद कोर्ट ने संबंधित विभागों को तत्काल प्रभावी उपाय तलाशने के निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने कहा कि प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण वर्तमान पीढ़ी की जिम्मेदारी है, क्योंकि वह आने वाली पीढ़ियों के लिए इन संसाधनों की ट्रस्टी है।

हाई कोर्ट ने कहा कि यदि भूजल जैसे प्राकृतिक संसाधनों का इसी तरह लगातार दोहन होता रहा तो भविष्य की पीढ़ियों को गंभीर और विनाशकारी परिणामों का सामना करना पड़ सकता है। कोर्ट ने गुरुग्राम में भूजल संरक्षण के लिए सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ काम करने और ठोस उपाय तलाशने को कहा है।

सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट को बताया गया कि गुरुग्राम के विभिन्न क्षेत्रों में भूजल स्तर करीब 40 मीटर नीचे पहुंच चुका है। तेजी से बढ़ते शहरीकरण और पानी की बढ़ती मांग के बीच भूजल पर निर्भरता भी एक महत्वपूर्ण विषय बनकर सामने आई है। कोर्ट ने इस स्थिति को गंभीर मानते हुए अधिकारियों से तत्काल कदम उठाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

मामले में केंद्रीय भूजल बोर्ड की ओर से दाखिल हलफनामे का भी उल्लेख किया गया। इसमें बताया गया कि क्षेत्र में सालाना निकाले जा सकने वाले भूजल संसाधन की मात्रा की तुलना में निकासी करीब दोगुनी है। यानी जितनी मात्रा में भूजल का सालाना दोहन किया जा रहा है, वह उपलब्ध संसाधनों की क्षमता से अधिक है। इस स्थिति को भूजल संकट बढ़ने का प्रमुख संकेत माना गया है। कोर्ट ने कहा कि भूजल के संरक्षण के लिए केवल एक विभाग के स्तर पर प्रयास पर्याप्त नहीं होंगे। इसके लिए संबंधित सभी विभागों को मिलकर काम करना होगा।

अधिकारियों को ऐसे प्रभावी उपाय तलाशने होंगे, जिनसे भूजल का अनियंत्रित दोहन कम किया जा सके और उपलब्ध जल संसाधनों का संरक्षण सुनिश्चित हो। मामले में गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी की अध्यक्षता में 5 अक्टूबर को महत्वपूर्ण बैठक होने की जानकारी भी सामने आई है। बैठक में भूजल संरक्षण और मौजूदा स्थिति से निपटने के लिए संभावित उपायों पर चर्चा की जाएगी।

सेवा संकल्प अभियान के तहत कैथल में स्वच्छता को लेकर चला अभियान

भारतेन्दु संवाददाता, कैथल



महात्मा गांधी जयंती के अवसर पर कैथल जिले में सेवा संकल्प अभियान के तहत स्वच्छता को लेकर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। पूंडरी और कैथल शहर में जनप्रतिनिधियों ने सफाई अभियान में भाग लेकर लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। पूंडरी में विधायक सतपाल जांबा ने फतेहपुर देवी मंदिर से इंडोर स्टेडियम तक सफाई अभियान चलाया।

उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की रोजमर्रा की जिम्मेदारी है। घर और आसपास का वातावरण साफ रखने से बीमारियों के फैलाव को रोकने में मदद मिलती है। उन्होंने लोगों से सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी न फैलाने और दूसरों को भी स्वच्छता के प्रति जागरूक करने की अपील की। विधायक ने इस दौरान क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों की जानकारी भी दी। उन्होंने बताया कि फतेहपुर को महाग्राम योजना में शामिल किया गया है और करीब 40 करोड़ रुपये की लागत से विकास कार्य चल रहे हैं। गलियों के दुरुस्तीकरण के लिए करीब तीन करोड़ रुपये उपलब्ध हुए हैं।

करीब साढ़े चार करोड़ रुपये की लागत से सड़क निर्माण कराया गया है, जिस पर अब डिवाइडर और लाइट लगाने का काम किया जाएगा। देवी मंदिर रोड का टेंडर हो चुका है। कैथल शहर में पूर्व विधायक लीला राम ने नगर परिषद के सफाई कर्मचारियों के साथ सेक्टर-19, ऋषि नगर और सचिवालय रोड पर सफाई अभियान में हिस्सा लिया। उन्होंने सफाई कर्मचारियों का सम्मान करते हुए लोगों से घर के साथ आसपास के क्षेत्र को साफ रखने और सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी न फैलाने की अपील की।

कैथल में ट्रक ने मां-बेटी को कुचला मां की मौत; बच्ची पीजीआई रेफर

भारतेन्दु संवाददाता, कैथल

कैथल जिले के कस्बा ढांड में शुक्रवार को दर्दनाक सड़क हादसे में एक महिला की मौत हो गई, जबकि उसकी करीब 18 महीने की बेटी गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसा उस समय हुआ जब मां-बेटी घूमने के लिए घर से निकली थीं। इसी दौरान तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आने से दोनों सड़क पर गिर गईं। ट्रक का पहिया महिला के ऊपर से निकल गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

हादसे में बच्ची के दोनों पैर बुरी तरह कुचल गए। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत मां-बेटी को अस्पताल पहुंचाया। बच्ची की हालत गंभीर होने के कारण चिकित्सकों ने उसे प्राथमिक उपचार के बाद चंडीगढ़ पीजीआई रेफर कर दिया। वहां बच्ची का उपचार जारी है। मृतका की पहचान 31 वर्षीय पूजा के रूप

मृतक पूजा अपनी 18 माह की बेटी मानवी के साथ



में हुई है। हादसे की सूचना मिलते ही परिजन अस्पताल पहुंचे।

महिला की मौत से परिवार में मातम पसरा हुआ है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। हादसे के बाद घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों के अनुसार, हादसा अचानक हुआ और ट्रक की चपेट में आने से मां-बेटी गंभीर रूप से घायल हो गईं। महिला की मौत के बाद परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

शिक्षा मंत्री ढांडा बोले- वोट कटने पर आपत्ति थी तो कोर्ट जाने से किसने रोका

भारतेन्दु संवाददाता, कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र में शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के वोट चोरी के आरोपों पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि वोट चोरी की बात लोगों को बरगलाने और सत्ता हासिल करने का ढकोसला है। यदि किसी को मतदाता सूची में नाम कटने या एसआईआर को लेकर आपत्ति थी तो वह अदालत का रुख कर सकता था। ढांडा ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में किसी भी व्यक्ति को अपनी आपत्ति दर्ज कराने और कानूनी प्रक्रिया अपनाने का अधिकार है। उन्होंने राहुल गांधी से सवाल किया कि यदि उन्हें एसआईआर प्रक्रिया पर आपत्ति थी तो वे कोर्ट क्यों नहीं गए। शिक्षा मंत्री ने कांग्रेस के पिछले शासनकाल पर भी टिप्पणी की। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने करीब 60 साल तक देश में शासन किया, लेकिन देश को अपेक्षित गति से आगे नहीं बढ़ाया।

पंचकूला में 81 वर्षीय बुजुर्ग से 95 लाख की साइबर ठगी, आरोपी गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, पंचकूला



पंचकूला में ऑनलाइन शेयर ट्रेडिंग में भारी मुनाफे का लालच देकर 81 वर्षीय बुजुर्ग से 95 लाख 21 हजार रुपये की साइबर ठगी के मामले में पुलिस ने कैथल निवासी एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान विक्रम उर्फ विक्की के रूप में हुई है। सेक्टर-20 साइबर थाना पुलिस की टीम ने उसे गिरफ्तार किया। जांच में सामने आया कि ठगी की रकम में से 15 लाख रुपये आरोपित के बैंक खाते में आए थे।

पुलिस ने आरोपित को अदालत में पेश करने के बाद तीन दिन के पुलिस रिमांड पर लिया है। पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता को ऑनलाइन शेयर ट्रेडिंग में निवेश करने पर भारी मुनाफा होने का झांसा दिया गया था। साइबर ठगों ने अलग-अलग माध्यमों से बुजुर्ग को अपने जाल में फंसाया और उनसे कुल 95 लाख 21 हजार रुपये की राशि ट्रांसफर करवा ली। ठगी का पता चलने के बाद पीड़ित ने मामले की शिकायत पुलिस को दी।

शिकायत मिलने के बाद सेक्टर-20 साइबर थाना पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। पुलिस ने ठगी की रकम के लेनदेन से जुड़े बैंक खातों और अन्य वित्तीय जानकारी की जांच की। इसी दौरान पुलिस को पता चला कि ठगी की रकम में से 15 लाख रुपये विक्रम उर्फ विक्की के बैंक खाते में ट्रांसफर किए गए थे। इसके बाद पुलिस ने जांच आगे बढ़ाते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अब आरोपित से पूछताछ कर रही है। रिमांड के दौरान उससे ठगी की रकम, बैंक खाते और साइबर ठगी में शामिल अन्य लोगों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है।

पुलिस यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि आरोपित की भूमिका क्या थी और उसके खाते में रकम किस माध्यम से पहुंचाई गई। पुलिस की कार्रवाई के दौरान पीड़ित को ठगी की रकम में से 54 लाख रुपये वापस दिलवाए गए हैं। पुलिस मामले में जुड़े अन्य आरोपितों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए भी जांच कर रही है। साइबर थाना पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है और सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

न्यूज ब्रीफ

ट्रांसफर विवाद में आमने-सामने जेई और भाजपा विधायक सतपाल जांबा

भारतेन्दु संवाददाता, कैथल। हरियाणा के कैथल जिले में बिजली निगम के दो जूनियर इंजीनियरों के ट्रांसफर को लेकर विवाद सामने आया है। पूंडरी से भाजपा विधायक सतपाल जांबा की सिफारिश पर दोनों जेई का तबादला किए जाने की बात कही जा रही है। दोनों कर्मचारियों ने ट्रांसफर को रॅजिशन बताते हुए नई जगह ज्वाइन करने से इनकार कर दिया और बिजली निगम कार्यालय में धरने पर बैठ गए। धरने पर बैठे जेई का कहना है कि उनका ट्रांसफर व्यक्तिगत रॅजिश के चलते करवाया गया है। उन्होंने मांग की कि ट्रांसफर आदेश वापस लिया जाए। वहीं विधायक सतपाल जांबा ने कहा कि दोनों जेई के खिलाफ कार्रवाई करवाई जाएगी। उन्होंने दावा किया कि इस संबंध में मुख्यमंत्री से भी बातचीत हो चुकी है। ट्रांसफर को लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद बढ़ गया है। बिजली निगम के कर्मचारी भी जेई के समर्थन में धरने पर बैठे हैं। मामले में विभागीय स्तर पर आगे की कार्रवाई का इंतजार है।

दूध के रेट बढ़ाने की मांग, वीटा प्लांट के बाहर किसानों ने डाला डेरा

भारतेन्दु संवाददाता, सिरसा। हरियाणा में दूध के रेट बढ़ाने की मांग को लेकर चल रहे 'दूध बंद' आंदोलन का शुक्रवार को दूसरा दिन है। सिरसा में किसानों और पशुपालकों ने वीटा मिल्क प्लांट के बाहर पक्का मोर्चा लगा दिया है। प्रदर्शनकारियों का उद्देश्य प्लांट से दूध की सप्लाई रोकना है। आंदोलन को डेयरी यूनियन का भी समर्थन मिला है। किसान दूध के उचित दाम बढ़ाने की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि मौजूदा कीमतों में पशुपालन करना मुश्किल हो रहा है और लागत लगातार बढ़ रही है। वहीं, वीटा प्लांट प्रबंधन का दावा है कि शुक्रवार को उसे पूरी मात्रा में दूध की सप्लाई मिली है। आंदोलन के बीच प्लांट के बाहर किसानों का धरना जारी है। 'दूध बंद' आंदोलन 1 से 3 अक्टूबर तक चलाया जा रहा है।

कांग्रेस सम्मेलन में मंच पर छिड़ी बहस कार्यकर्ता ने जिलाध्यक्ष को टोका

भारतेन्दु संवाददाता, महेंद्रगढ़। महेंद्रगढ़ जिले के सतनाली में कांग्रेस का ब्लॉक कार्यकर्ता सम्मेलन संगठन को मजबूत करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। सम्मेलन में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा भी मौजूद थे। कार्यक्रम के बाद सामने आए एक वीडियो को लेकर स्थानीय कांग्रेस की राजनीति में चर्चा शुरू हो गई है। वीडियो में एक कार्यकर्ता जिला प्रधान के सम्मान को लेकर सवाल उठाता नजर आ रहा है। कार्यकर्ता ने कहा कि जिला प्रधान ने चुनाव में वोट नहीं दिलाए। इसके जवाब में सत्यवीर ने कहा कि उनके गांव और बूथ से कांग्रेस को जीत मिली है। सम्मेलन के दौरान हुई इस बातचीत को लेकर कार्यकर्ताओं के बीच चर्चा बनी हुई है। संगठन से जुड़े नेताओं और कार्यकर्ताओं के बीच सामने आए मतभेद को लेकर स्थानीय स्तर पर अलग-अलग प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं।

हरियाणवी नर्स की 273 किमी दंडवत खाटू यात्रा, नवरात्रों तक दर्शन का संकल्प

भारतेन्दु संवाददाता, झज्जर। झज्जर जिले के सुबाणा गांव की रेणु हरिवंशी बाबा खाटूश्याम के दर्शन के लिए 273 किलोमीटर की दंडवत यात्रा कर रही हैं। उनका संकल्प नवरात्रों तक राजस्थान के सीकर जिले में स्थित खाटूश्याम मंदिर पहुंचकर दर्शन करने का है। रेणु पहले सरकारी नर्स के रूप में कार्यरत थीं, लेकिन उन्होंने नौकरी छोड़ दी। बताया गया है कि उन्होंने प्रेमानंद महाराज से दीक्षा ली है और पिछले नौ वर्षों से अन्न का त्याग किया हुआ है। यात्रा के दौरान रेणु दंडवत प्रणाम करते हुए आगे बढ़ रही हैं। उनकी इस यात्रा को देखने के लिए रास्ते में लोग भी रुक रहे हैं। रेणु का कहना है कि यह यात्रा उनके लिए आस्था और संकल्प से जुड़ी है। वे नवरात्रों के दौरान बाबा खाटूश्याम के दर्शन कर अपना संकल्प पूरा करना चाहती हैं।

फरीदाबाद में नाबालिग छात्रा से दरिंदगी वारदात के आरोप में तीन युवक हिरासत में

भारतेन्दु संवाददाता, फरीदाबाद



फरीदाबाद की घटना से सुनसान और खंडहर इमारतों में सुरक्षा पर उठे सवाल।

हरियाणा के फरीदाबाद में 13 वर्षीय छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि छात्रा अपने एक दोस्त के साथ घूमने गई थी। इसी दौरान तीन युवकों ने उसे कथित तौर पर एक खंडहर इमारत में घसीट लिया और तीसरी मंजिल पर ले गए। वहां उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किए जाने का आरोप है। मामले में पुलिस ने तीन युवकों को पकड़ा है।

जानकारी के अनुसार, छात्रा अपने दोस्त के साथ बाहर गई थी। इसी दौरान आरोपित युवकों की नजर दोनों पर पड़ी। आरोप है कि युवकों ने छात्रा और उसके दोस्त को पकड़ लिया और उन्हें खंडहर इमारत की ओर ले गए। छात्रा को कथित तौर पर घसीटकर इमारत की तीसरी मंजिल पर ले जाया गया। वहां उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया गया। घटना के बाद छात्रा ने अपने साथ हुई वारदात की जानकारी परिजनों को दी। पीड़िता की आपबीती सुनने के बाद परिवार ने मामले की सूचना पुलिस को दी। इसके बाद पुलिस ने जांच शुरू की और आरोपित युवकों को पकड़ लिया।

पुलिस मामले में आरोपितों से पूछताछ कर रही है। घटना से जुड़े तथ्यों और परिस्थितियों की जांच की जा रही है। पुलिस यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि आरोपित छात्रा और उसके दोस्त को कैसे अपने साथ लेकर गए और वारदात के दौरान वहां और कोई व्यक्ति मौजूद था या नहीं। मामले में पीड़िता की सुरक्षा और उसके बयान को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। नाबालिग होने के कारण पुलिस की ओर से उसकी पहचान सार्वजनिक नहीं की गई है। यह घटना ऐसे समय में सामने आई है जब दिल्ली के आस्था कुंज पार्क में छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटना के बाद सार्वजनिक स्थानों और सुनसान इलाकों में महिलाओं व बच्चों की सुरक्षा को लेकर सवाल उठ रहे हैं। फरीदाबाद की घटना ने भी सुनसान और खंडहर इमारतों की सुरक्षा व्यवस्था पर ध्यान खींचा है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, मामले में कानूनी प्रक्रिया के तहत आगे की कार्रवाई की जा रही है। आरोपितों से पूछताछ के साथ घटनास्थल और उपलब्ध साक्ष्यों की जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जांच के आधार पर मामले में आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने आरोपियों से पूछताछ शुरू कर दी है, जबकि घटनास्थल से जुड़े साक्ष्यों और अन्य पहलुओं की भी जांच जारी है।

भिवानी में भीषण सड़क हादसा, ट्रक कार की टक्कर में महिला-बच्चे की मौत

भारतेन्दु संवाददाता, भिवानी



भिवानी-लोहारू मार्ग पर ट्रक-कार की भीषण टक्कर

भिवानी-लोहारू मुख्य मार्ग पर शुक्रवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में महिला और पांच वर्षीय बच्चे की मौत हो गई, जबकि एक महिला, एक बच्ची समेत तीन अन्य लोग घायल हो गए। हादसा पोहकरवास गांव के पास हुआ, जहां कार और ट्रक की आमने-सामने टक्कर हो गई। घायलों को उपचार के लिए भिवानी के नागरिक अस्पताल की इमरजेंसी में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर मामले की कार्रवाई शुरू कर दी है।

हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। जानकारी के अनुसार, भिवानी शहर और मंढाणा गांव का एक ही परिवार करीब पांच सदस्यों के साथ पूजा करने के लिए पिलानी स्थित नरहड़पीर धार्मिक स्थल गया था। परिवार के सदस्य शुक्रवार सुबह पूजा-अर्चना के बाद कार से वापस लौट रहे थे। करीब सवा आठ बजे उनकी कार पोहकरवास गांव के पास पहुंची। इसी दौरान भिवानी की ओर से लोहारू की तरफ जा रहे एक ट्रक से कार की सीधी टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।

हादसे में कार सवार एक महिला और पांच वर्षीय बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों ने हादसे की सूचना पुलिस को दी और घायलों को अस्पताल पहुंचाने में मदद की। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और दुर्घटना की जानकारी जुटाई। घायलों को नागरिक अस्पताल की इमरजेंसी में दाखिल कराया गया, जहां उनका उपचार चल रहा है। पुलिस ने मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है।

हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को कब्जे में लेकर हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, कार और ट्रक के बीच सीधी टक्कर हुई थी। पुलिस घटनास्थल से साक्ष्य जुटाने के साथ ही प्रत्यक्षदर्शियों से भी जानकारी ले रही है।

जिम से निकलते ही युवक पर हमला, पांच युवकों ने बैट से पीटा

भारतेन्दु संवाददाता, यमुनानगर। हरियाणा के यमुनानगर में जिम के बाहर एक युवक की पिटाई का वीडियो सामने आया है। वीडियो में पांच युवक मिलकर युवक को क्रिकेट बैट से पीटते दिखाई दे रहे हैं। हमलावरों ने पहले बैट से उसके सिर पर वार किया और इसके बाद थप्पड़, मुक्कों और लातों से भी हमला किया। मारपीट के दौरान युवक की टीशर्ट फट गई। वीडियो में युवक हमलावरों से बचने का प्रयास करता नजर आ रहा है, लेकिन आरोपी उसे घेरकर लगातार पीटते रहे। आसपास मौजूद लोगों के सामने ही युवक के साथ मारपीट की गई। घटना का वीडियो सामने आने के बाद मामला चर्चा में है। बताया जा रहा है कि मारपीट करने वाले युवकों का पीड़ित और उसकी पत्नी के साथ पहले भी विवाद हो चुका है। आरोप है कि इससे पहले उसकी पत्नी के साथ भी मारपीट की गई थी। फिलहाल वीडियो सामने आने के बाद पुलिस मामले की जांच कर रही है।

रिटौली की कीर्ति शर्मा ने एशियन गेम्स में भारत को दिलाया स्वर्ण

आढ़ती से कर्ज लेकर बेटी के लिए खरीदा धनुष, कोच के मार्गदर्शन में कीर्ति ने रचा इतिहास

भारतेन्दु संवाददाता, जींद



जापान में चल रहे एशियन गेम्स में जींद जिले के रिटौली गांव की 20 वर्षीय तीरंदाज कीर्ति शर्मा ने महिला रिकर्व टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर जिले का नाम रोशन किया है। भारत की टीम ने फाइनल मुकाबले में दक्षिण कोरिया को 5-3 से हराकर इस स्पर्धा में स्वर्ण पदक हासिल किया। कीर्ति की इस उपलब्धि के पीछे उनके पिता विजय का त्याग, खुद की मेहनत और कोच उधम सिंह का मार्गदर्शन अहम रहा।

कीर्ति शर्मा के लिए तीरंदाजी का सफर आसान नहीं रहा। उनके पिता ने बेटी के खेल के प्रति लगन को देखते हुए आढ़ती से 60 हजार रुपये का कर्ज लेकर धनुष खरीदा था। सीमित आर्थिक संसाधनों के बावजूद परिवार ने कीर्ति के सपने को आगे बढ़ाने में पूरा सहयोग किया। पिता के इस भरोसे और सहयोग का परिणाम अब एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक के रूप में सामने आया है। कीर्ति ने महज 15 साल की उम्र में तीरंदाजी शुरू की थी। उस समय वह आठवीं कक्षा में पढ़ाई कर रही थीं।

उन्होंने पिल्लूखेड़ा स्थित एफएस कॉन्वेंट स्कूल से शिक्षा ग्रहण की। इसी दौरान स्कूल में कोच उधम सिंह ने खिलाड़ियों को तीरंदाजी का प्रशिक्षण देना शुरू किया। कीर्ति भी इस खेल से जुड़ीं और धीरे-धीरे अपनी प्रतिभा को निखारने लगीं। कोच उधम सिंह के मार्गदर्शन में कीर्ति ने तीरंदाजी की बारीकियां सीखीं और लगातार अभ्यास किया। परिवार के सहयोग के साथ उन्होंने खेल में अपनी पहचान बनाने के लिए मेहनत जारी रखी। शुरुआती दौर में जरूरी उपकरण जुटाना परिवार के लिए चुनौती था, लेकिन पिता विजय ने आर्थिक परेशानी के बावजूद बेटी के खेल को प्राथमिकता दी। एशियन गेम्स के महिला रिकर्व टीम फाइनल में भारतीय टीम का सामना दक्षिण कोरिया से हुआ। मुकाबले में भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 5-3 से जीत दर्ज की और स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इस जीत के साथ कीर्ति शर्मा भी एशियन गेम्स की स्वर्ण पदक विजेता बनीं। कीर्ति की उपलब्धि से रिटौली गांव और जींद जिले में खुशी का माहौल है। उनकी सफलता ने यह भी दिखाया कि सीमित संसाधनों के बावजूद मेहनत, परिवार के सहयोग और सही मार्गदर्शन से खिलाड़ी बड़े मंच तक पहुंच सकते हैं।

15 साल की उम्र में स्कूल से शुरू हुआ कीर्ति का तीरंदाजी का सफर अब एशियन गेम्स के स्वर्ण पदक तक पहुंच गया है। पिता द्वारा लिया गया 60 हजार रुपये का कर्ज और बेटी की वर्षों की मेहनत इस सफलता की कहानी का अहम हिस्सा बन गए हैं। इस उपलब्धि के बाद कीर्ति के परिवार और गांव में खुशी का माहौल है। ग्रामीणों ने उनकी सफलता पर बधाई देते हुए कहा कि कीर्ति ने अपनी मेहनत से क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उनकी इस कामयाबी से गांव के अन्य युवा खिलाड़ियों को भी आगे बढ़ने की प्रेरणा मिली है।

नशा तस्करों की अवैध संपत्तियां होंगी जब्त डीजीपी ने अधिकारियों को दिए कड़े निर्देश

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़



हरियाणा में नशा तस्करी और संगठित अपराध के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई तेज करने की तैयारी की है। पुलिस महानिदेशक अजय सिंघल ने पंचकूला में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर नशा तस्करों के नेटवर्क और उनके वित्तीय स्रोतों पर प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि कार्रवाई केवल तस्करों की गिरफ्तारी तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि पूरे नेटवर्क को चिन्हित कर उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए। बैठक में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशकों, पुलिस महानिरीक्षकों और पुलिस अधीक्षकों समेत वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

इस दौरान नशा तस्करी, संगठित अपराध, गैंगस्टर नेटवर्क, महिला एवं बाल सुरक्षा तथा कानून-व्यवस्था से जुड़े विभिन्न मुद्दों की समीक्षा की गई। डीजीपी ने नशा तस्करों द्वारा अवैध कमाई से अर्जित संपत्तियों की पहचान करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ऐसी संपत्तियों को नियमानुसार अटैच करने की कार्रवाई की जाए। जहां कानून के तहत आवश्यक हो, वहां निर्धारित कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद ध्वस्तीकरण की कार्रवाई भी की जा सकती है। पुलिस अधिकारियों को तस्करों के आर्थिक नेटवर्क पर विशेष ध्यान देने को कहा गया है, ताकि अवैध गतिविधियों से जुड़े वित्तीय स्रोतों को निशाना बनाया जा सके। बैठक के दौरान हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की पुलिस अधीक्षक सृष्टि गुप्ता ने नशा तस्करी के खिलाफ चल रही कार्रवाई को लेकर प्रस्तुति दी।

इसमें एनडीपीएस एक्ट के तहत मामलों की जांच, कामर्शियल क्वांटिटी से जुड़े मामलों और संगठित गिरोहों की पहचान जैसे विषयों की जानकारी दी गई। अधिकारियों को नशा तस्करी के मामलों में नेटवर्क की कड़ियों को जोड़कर जांच आगे बढ़ाने पर जोर दिया गया। साथ ही तस्करी में शामिल संगठित गिरोहों की पहचान और उनकी गतिविधियों पर निगरानी रखने की बात कही गई। बैठक में के-9 डॉग स्क्वाड की भूमिका पर भी जानकारी दी गई।

कूरियर डिलीवरी के नाम पर साइबर ठगी, 2 रुपए के पेमेंट से खाते से उड़ाए 3.97 लाख

दक्षिणी पूर्वी साइबर थाना पुलिस ने जांच के बाद गिरोह के तीन सदस्यों को दबोचा

एजेंसी, नई दिल्ली

दक्षिणी दिल्ली में कूरियर डिलीवरी के नाम पर साइबर ठगी करने वाले गिरोह का दक्षिणी पूर्वी साइबर थाना पुलिस ने पर्दाफाश किया है। पुलिस ने गिरोह के कथित मास्टरमाइंड नासिर हुसैन समेत शौकीन और आशीष आर्य को गिरफ्तार किया है। आरोपितों पर कूरियर डिलीवरी का पता अपडेट करने के बहाने लोगों को फर्जी संदेश भेजकर ठगी करने का आरोप है। पुलिस के अनुसार, सात मई को शिकायतकर्ता जितेंद्र कुमार गुप्ता के मोबाइल पर वाट्सएप के जरिए एक संदेश आया था। संदेश में कूरियर सर्विस से जुड़ी जानकारी अपडेट करने के लिए कहा गया था।

इसके साथ एक एपीके फाइल भेजी गई थी। आरोप है कि साइबर ठगों ने कूरियर डिलीवरी के बहाने पीड़ित को अपने जाल में फंसाया और उससे मामूली रकम का भुगतान कराया। बताया गया है कि पीड़ित ने महज दो रुपये का भुगतान किया था। इसके बाद उसके बैंक खाते से करीब 3.97 लाख रुपये निकल गए। खाते से



बड़ी रकम निकलने के बाद पीड़ित को साइबर ठगी का पता चला और उसने पुलिस से शिकायत की। शिकायत मिलने के बाद दक्षिणी पूर्वी साइबर थाना पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने डिजिटल साक्ष्यों और अन्य तकनीकी जानकारी के आधार पर आरोपितों तक पहुंच बनाई। इसके बाद पुलिस ने नासिर हुसैन, शौकीन और आशीष आर्य को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक नासिर हुसैन गिरोह का मास्टरमाइंड बताया जा रहा है। पुलिस आरोपितों से पूछताछ कर रही है और गिरोह से जुड़े अन्य लोगों तथा ठगी की रकम के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। जांच में यह भी पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि आरोपितों ने कितने लोगों को इसी तरीके से निशाना बनाया है।

कूरियर ठगी गिरोह पर पुलिस का शिकंजा

पुलिस की जांच में आरोपियों के बैंक खातों, मोबाइल नंबरों और डिजिटल लेनदेन से जुड़ी जानकारी भी जुटाई जा रही है। जांच एजेंसियां यह पता लगाने में लगी हैं कि ठगी की रकम किन खातों में ट्रांसफर की गई और गिरोह के अन्य सदस्य इस नेटवर्क में किस भूमिका में थे। पुलिस को आशंका है कि आरोपी इसी तरीके से कई अन्य लोगों को भी अपना शिकार बना चुके हैं। पूछताछ के दौरान पुलिस आरोपियों से उनके संपर्कों और ठगी के पूरे नेटवर्क के बारे में जानकारी हासिल कर रही है। साथ ही, साइबर अपराध में इस्तेमाल किए गए मोबाइल फोन, सिम कार्ड और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की भी जांच की जा रही है। अधिकारियों के मुताबिक, जांच पूरी होने के बाद मामले में और गिरफ्तारियां हो सकती हैं। पुलिस ने लोगों से साइबर ठगी से बचने के लिए अनजान नंबरों से आए संदेशों और फाइलों को खोलने से बचने की अपील की है।

रामफल चौक की बदलेगी तस्वीर, नौ करोड़ से होंगे विकास कार्य

ब्रह्मा अपार्टमेंट से सीसीआरटी तक 7.5 करोड़ से बनेगी नई सड़क

एजेंसी, नई दिल्ली



पश्चिमी दिल्ली के पालम विधानसभा क्षेत्र में रामफल चौक और आसपास के इलाकों के विकास कार्यों की औपचारिक शुरुआत हो गई है। करीब नौ करोड़ रुपये की लागत से क्षेत्र में सड़क, फुटपाथ और जल निकासी व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए काम किया जाएगा। विकास कार्यों की आधारशिला क्षेत्रीय सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी और पालम विधानसभा क्षेत्र के विधायक कुलदीप सोलंकी ने रखी।

परियोजना के तहत डीडीए ब्रह्मा अपार्टमेंट से सीसीआरटी तक करीब 7.5 करोड़ रुपये की लागत से नई सड़क का निर्माण करेगा। सड़क के साथ पैदल यात्रियों की सुविधा के लिए फुटपाथ भी बनाए जाएंगे। बारिश के दौरान होने वाले जलभराव से राहत दिलाने के लिए डीडीए के ड्रेन की मरम्मत और सुदृढ़ीकरण किया जाएगा। इसके अलावा क्षेत्र में सीवर लाइनें बिछाने और नई पाइपलाइन डालने का कार्य भी किया जाएगा। दिल्ली जल बोर्ड द्वारा नई पाइपलाइन बिछाने की योजना है। विकास कार्यों का उद्देश्य क्षेत्र के बुनियादी ढांचे को मजबूत करना और स्थानीय निवासियों व व्यापारियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

नई सड़क और जल निकासी व्यवस्था से यातायात तथा जलभराव से जुड़ी समस्याओं में सुधार की उम्मीद है। परियोजना पूरी होने के बाद रामफल चौक और आसपास के क्षेत्रों में आवागमन अधिक सुविधाजनक होने की संभावना है। इसके साथ ही पैदल यात्रियों को बेहतर सुविधा मिलने की उम्मीद है। स्थानीय लोगों के अनुसार, विकास कार्य पूरे होने के बाद क्षेत्र में सड़क की स्थिति और जल निकासी व्यवस्था में सुधार होगा।

रामफल चौक में नई सड़क, फुटपाथ और ड्रेन होंगे बेहतर

विकास कार्यों के तहत क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। नई सड़क के निर्माण से स्थानीय लोगों के साथ व्यापारियों और आसपास आने-जाने वाले लोगों को भी सुविधा मिलने की उम्मीद है। सड़क के साथ फुटपाथ बनने से पैदल यात्रियों को सुरक्षित और सुगम रास्ता उपलब्ध होगा। बारिश के दौरान रामफल चौक और आसपास के इलाकों में जलभराव की समस्या सामने आती है। इसे देखते हुए डीडीए के ड्रेन की मरम्मत और सुदृढ़ीकरण का काम किया जाएगा। इसके अलावा सीवर लाइनें बिछाने और नई पाइपलाइन डालने से जल निकासी व्यवस्था को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। दिल्ली जल बोर्ड की ओर से पाइपलाइन बिछाने का कार्य किया जाएगा। परियोजना के तहत होने वाले सभी कार्यों का उद्देश्य क्षेत्र की मौजूदा सुविधाओं को मजबूत करना है। स्थानीय निवासियों और व्यापारियों को उम्मीद है कि निर्माण कार्य पूरा होने के बाद उन्हें आवागमन और जल निकासी से जुड़ी समस्याओं से राहत मिलेगी। सड़क, फुटपाथ और जल निकासी व्यवस्था में सुधार से रामफल चौक के आसपास के क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाएं बेहतर होने की संभावना है। निर्माण कार्यों के दौरान स्थानीय लोगों और व्यापारियों की सुविधा का भी ध्यान रखा जाएगा। परियोजना पूरी होने के बाद क्षेत्र में आवागमन और बुनियादी सुविधाओं में सुधार की उम्मीद है।

कटड़ा और खाटू श्याम जाने वालों को राहत, दिल्ली से चलेंगी स्पेशल ट्रेनें

एजेंसी, नई दिल्ली

◆ **वैष्णो देवी और खाटू श्याम जाने वाले श्रद्धालुओं को रेलवे ने दी राहत**

त्योहारों के दौरान ट्रेनों में बढ़ती भीड़ और कंफर्म टिकट की कमी को देखते हुए रेलवे ने यात्रियों के लिए विशेष ट्रेनों की घोषणा की है। दिल्ली से श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा और रींगस के लिए स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी। इससे वैष्णो देवी और खाटू श्याम जाने वाले यात्रियों को राहत मिलने की उम्मीद है। इन ट्रेनों का अंबाला और रेवाड़ी समेत कई स्टेशनों पर ठहराव दिया गया है।



नई दिल्ली से श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा के बीच विशेष ट्रेन संख्या 04081/04082 संचालित की जाएगी। नई दिल्ली से यह ट्रेन शुक्रवार, शनिवार और रविवार को रात 11:45 बजे रवाना होगी और अगले दिन दोपहर 12 बजे श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन शनिवार, रविवार और सोमवार को रात नौ बजे कटड़ा से रवाना होगी और अगले दिन पूर्वाह्न 10 बजे नई दिल्ली पहुंचेगी। त्योहारों के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु माता वैष्णो देवी के दर्शन के लिए कटड़ा और खाटू श्याम मंदिर जाने के लिए रींगस का रुख करते हैं। नियमित ट्रेनों में यात्रियों की संख्या बढ़ने से कंफर्म टिकट मिलना मुश्किल हो जाता है। ऐसे में विशेष ट्रेनों के संचालन से अतिरिक्त यात्रियों को यात्रा का विकल्प मिलेगा।

रेलवे की ओर से इन ट्रेनों को त्योहारों के दौरान यात्रियों की मांग को ध्यान में रखते हुए चलाया जा रहा है। दिल्ली से रवाना होने वाली ट्रेनें निर्धारित मार्ग से होकर कटड़ा और रींगस तक पहुंचेंगी। मार्ग में प्रमुख स्टेशनों पर यात्रियों की सुविधा के लिए ठहराव भी निर्धारित किए गए हैं। रींगस के लिए चलने वाली विशेष ट्रेन खाटू श्याम जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए महत्वपूर्ण होगी। रींगस रेलवे स्टेशन से खाटू श्याम मंदिर तक बड़ी संख्या में श्रद्धालु आगे की यात्रा करते हैं। त्योहारों के समय यहां यात्रियों की संख्या काफी बढ़ जाती है।

दिल्ली के पास अपना घर और दुकान मंडोला विहार में 15 लाख से शुरू होगा प्लॉट

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में अपना घर और कारोबार शुरू करने का सपना देख रहे लोगों के लिए मंडोला विहार में नई योजना आने वाली है। आवास विकास परिषद लोनी स्थित मंडोला विहार योजना में पहली बार प्रीमियम भूखंड उपलब्ध कराने की तैयारी कर रहा है। प्रस्तावित योजना को दीपावली के आसपास लॉन्च किए जाने की संभावना है। योजना की खास बात यह है कि एक ही भूखंड पर नीचे दुकान और ऊपर आवास बनाया जा सकेगा। ड्रा के माध्यम से सफल आवेदकों को भूखंड आवंटित किए जाएंगे। इससे ऐसे लोगों को फायदा मिल सकता है जो घर के साथ छोटा कारोबार शुरू करना चाहते हैं।

◆ **दिल्ली के पास मंडोला विहार में प्लॉट, दुकान और मकान दोनों की मिलेगी सुविधा**

मध्यम वर्ग को ध्यान में रखते हुए योजना में 40 वर्ग मीटर के भूखंड प्रस्तावित किए गए हैं। इनकी कीमत करीब 15 लाख रुपये रखे जाने की जानकारी दी गई है। इसके अलावा योजना में सेमी फिनिश्ड आवास और अन्य सस्ते भूखंड भी शामिल किए जाएंगे। मंडोला विहार की लोकेशन भी योजना की प्रमुख विशेषताओं में शामिल है। यह क्षेत्र दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे के पास स्थित है, जिससे आसपास के क्षेत्रों से कनेक्टिविटी बेहतर होने की उम्मीद है। योजना में एमएसएमई और प्रदूषण मुक्त लघु उद्योगों के लिए भी भूखंड उपलब्ध कराने की तैयारी है। आवास विकास परिषद की ओर से योजना को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया चल रही है।

कालकाजी गैंगरेप के बाद दिल्ली के 736 पार्कों का सुरक्षा ऑडिट पूरा, 190 मिले हाई रिस्क

एजेंसी, नई दिल्ली

◆ **736 पार्कों की जांच में सुरक्षा खामियां मिलीं, हाई रिस्क पार्कों पर फोकस**

◆ **पार्कों की सुरक्षा जांच में रोशनी और सीसीटीवी की कमी ने बढ़ाई चिंता**

कालकाजी में हुई सामूहिक दुष्कर्म की वारदात के बाद दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने अपने पार्कों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर व्यापक ऑडिट पूरा कर लिया है। महज एक सप्ताह में राजधानी के सभी 736 डीडीए पार्कों की सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया गया। ऑडिट में 190 पार्कों को उच्च जोखिम वाली श्रेणी में रखा गया है। वहीं, रिपोर्ट में किसी भी पार्क को पूरी तरह सुरक्षित श्रेणी में नहीं रखा गया।

सुरक्षा ऑडिट के दौरान पार्कों में रोशनी, सीसीटीवी कैमरों, सुरक्षा गार्ड और अन्य व्यवस्थाओं की स्थिति का जायजा लिया गया। रिपोर्ट के अनुसार, 520 पार्कों में पर्याप्त रोशनी की कमी पाई गई, जबकि 323 पार्कों में सीसीटीवी की व्यवस्था नहीं मिली। इससे इन पार्कों में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की जरूरत सामने आई



है। ऑडिट के बाद डीडीए ने उच्च जोखिम वाले पार्कों में सुरक्षा बढ़ाने के लिए कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। ऐसे पार्कों में बाइक से गश्त की व्यवस्था की जा रही है। इसके अलावा सुरक्षा गार्डों की मौजूदगी सुनिश्चित करने के लिए बायोमेट्रिक हाजिरी की व्यवस्था भी शुरू की गई है। इसका उद्देश्य पार्कों में तैनात सुरक्षा कर्मियों की निगरानी और उनकी उपस्थिति को बेहतर बनाना है।

डीडीए के पार्कों में बड़ी संख्या में लोग सुबह और शाम के समय टहलने तथा अन्य गतिविधियों के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में पार्कों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सामने आई कमियों को दूर करना अहम माना जा रहा है। ऑडिट में सामने आई कमियों के आधार पर उन स्थानों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, जहां सुरक्षा संबंधी जोखिम अधिक पाया गया है। सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए प्रकाश व्यवस्था में सुधार, सीसीटीवी की उपलब्धता और गश्त बढ़ाने जैसे उपायों पर जोर दिया जा रहा है।

650 करोड़ की लागत से दिल्ली के बस शेल्टर होंगे आधुनिक

डिजिटल स्क्रीन पर मिलेगी बस के रूट, नंबर और पहुंचने की जानकारी

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली में बस से सफर करने वाले यात्रियों के लिए बस स्टॉप पर इंतजार का अनुभव बदलने की तैयारी है। राजधानी में 3,575 बस क्यू शेल्टरों का पुनर्विकास किया जाएगा। करीब 650 करोड़ रुपये की लागत वाली इस परियोजना के तहत बस शेल्टरों को आधुनिक सुविधाओं से लैस किया जाएगा। इसका उद्देश्य यात्रियों को बसों से जुड़ी जानकारी उपलब्ध कराने के साथ-साथ उनकी सुरक्षा और सुविधा को बेहतर बनाना है।

पुनर्विकसित किए जाने वाले बस शेल्टरों में डिजिटल स्क्रीन लगाई जाएंगी। इन स्क्रीन पर यात्रियों को बस का रूट, बस नंबर और उसके पहुंचने से जुड़ी वास्तविक समय की जानकारी मिल सकेगी। इससे यात्रियों को बस के आने का अनुमान लगाने के लिए लंबे समय तक इंतजार नहीं करना



3575 बस क्यू शेल्टरों के पुनर्विकास की तैयारी।

पड़ेगा और उन्हें संबंधित बस के बारे में जानकारी शेल्टर पर ही मिल सकेगी।

यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए बस शेल्टरों में पैनिक अलार्म की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। इसके अलावा एलईडी लाइट और सोलर पैनल लगाए जाएंगे। सोलर पैनल के जरिए शेल्टरों में जरूरी बिजली व्यवस्था को सहयोग मिलेगा, जबकि एलईडी लाइट से रोशनी की सुविधा बेहतर होगी।

इस परियोजना को दिल्ली ट्रांसपोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कारपोरेशन (डीटीआईडीसी) के तहत पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल पर आगे बढ़ाया जाएगा। परियोजना की अनुमानित लागत करीब 650 करोड़ रुपये है।

पैनिक अलार्म से सुरक्षित होंगे यात्री

परियोजना के तहत बस शेल्टरों को यात्रियों की जरूरतों के अनुरूप विकसित किया जाएगा। डिजिटल स्क्रीन पर उपलब्ध जानकारी से यात्रियों को बस के रूट और उसके पहुंचने के समय का पता आसानी से चल सकेगा। इससे बस स्टॉप पर अनावश्यक इंतजार का समय कम करने में मदद मिलेगी। पैनिक अलार्म की सुविधा आपात स्थिति में यात्रियों के लिए उपयोगी होगी। वहीं, एलईडी लाइट से रात के समय शेल्टरों में रोशनी की व्यवस्था बेहतर होगी। सोलर पैनल के इस्तेमाल से बिजली की जरूरत को पूरा करने में सहयोग मिलेगा। डीटीआईडीसी इस परियोजना को पीपीपी मॉडल के तहत आगे बढ़ाएगा।

दिल्ली की गोला को मिले 39,904 वोट, गूगू को हराकर बनी चैंपियन

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली के हौज खास की गलियों में रहने वाली स्ट्रीट डॉग 'गोला' ने एक अनोखी प्रतियोगिता में जीत हासिल कर सबका ध्यान खींच लिया। 'सबसे फैट डॉग' प्रतियोगिता में गोला को ऑनलाइन और ऑफलाइन वोटिंग के जरिए कुल 39,904 वोट मिले। इस तरह उसने 'गूगू' समेत अन्य प्रतिभागियों को पीछे छोड़ते हुए खिताब अपने नाम कर लिया। हालांकि, गोला की जीत की कहानी खुशी के साथ एक भावुक कर देने वाली घटना भी जुड़ी है। प्रतियोगिता के नतीजे सामने आने से पहले ही गोला का निधन हो गया। हौज खास स्थित एसडीए मार्केट में गोला लंबे समय से लोगों के बीच लोकप्रिय थी। स्थानीय लोगों के अलावा सोशल मीडिया पर भी उसके लिए लोगों ने वोट किया।

दिल्ली में एक करोड़ की रंगदारी मांगने वाले इंडिया-दुबई नेटवर्क के तीन आरोपी गिरफ्तार

एजेंसी, नई दिल्ली



दिल्ली पुलिस की उत्तरी जिला एसटीएफ ने गोल्डी बराड़ गैंग के नाम पर कारोबारियों से रंगदारी मांगने वाले कथित इंडिया-दुबई नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने मामले में तीन मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि आरोपियों ने दिल्ली के दो कारोबारियों को एक ही यूएई नंबर से धमकी देकर एक-एक करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी थी। पुलिस के अनुसार, रंगदारी की रकम नहीं देने पर कारोबारियों को गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी गई थी। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि आरोपियों का नेटवर्क भारत से लेकर दुबई तक फैला हुआ था। पुलिस का दावा है कि वारदात को अंजाम देने के लिए शूटरों को भी किराये पर लिया गया था।

आरोपियों की योजना कारोबारियों में डर पैदा कर उनसे रंगदारी की रकम वसूलने की थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए उत्तरी जिला पुलिस की एसटीएफ ने जांच शुरू की। तकनीकी निगरानी और अन्य माध्यमों से पुलिस ने आरोपियों की गतिविधियों का पता लगाने का प्रयास किया। जांच के दौरान सामने आए तथ्यों के आधार पर पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक, आरोपियों की गिरफ्तारी से कारोबारियों पर संभावित फायरिंग की साजिश को समय रहते नाकाम कर दिया गया। जांच एजेंसियां अब नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका का पता लगाने में जुटी हैं।

साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि आरोपियों का संपर्क विदेश में बैठे किन लोगों से था और रंगदारी की रकम वसूलने के बाद उसे किस तरह इस्तेमाल किया जाना था। पुलिस अब गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर रही है। पूछताछ के आधार पर नेटवर्क में शामिल अन्य लोगों और उनकी भूमिका के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। अधिकारियों के अनुसार, मामले की जांच जारी है और नेटवर्क से जुड़े अन्य संदिग्धों तक पहुंचने के लिए भी प्रयास किए जा रहे हैं।

दिल्ली में लापता बाउंसर अजय डेढ़ा का शव नाले से मिला, हत्या की आशंका

एजेंसी, नई दिल्ली

पूर्वी दिल्ली के चिल्ला गांव से 24 सितंबर से लापता बाउंसर अजय डेढ़ा का शव पटपड़गंज औद्योगिक थाना क्षेत्र स्थित नाले से बरामद हुआ है। शव मिलने के बाद मामले में हत्या की आशंका जताई जा रही है। मृतक के शरीर पर चाकू के निशान मिले हैं, जिसके आधार पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

अजय डेढ़ा के लापता होने के बाद से ही स्वजन उनकी तलाश कर रहे थे। कई दिनों तक उनका कोई सुराग नहीं मिलने के बाद परिवार की चिंता बढ़ गई थी। अब नाले से शव बरामद होने के बाद परिवार में मातम पसरा है। परिजनों ने एक ऑटो चालक पर हत्या में शामिल होने का शक जताया है। पुलिस इस एंगल को भी जांच में शामिल कर रही है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारण और शरीर पर मिले चोट व चाकू के निशानों की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।



पुलिस मामले से जुड़े तथ्यों और परिस्थितियों की जांच कर रही है। साथ ही यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि अजय डेढ़ा आखिरी बार कहां और किसके साथ थे। परिजनों और संबंधित लोगों से भी जानकारी जुटाई जा रही है।

अजय डेढ़ा की मौत पर जांच जारी

जांच के दौरान पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाल रही है, ताकि अजय डेढ़ा की आखिरी गतिविधियों के बारे में जानकारी जुटाई जा सके। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि वह 24 सितंबर को घर से निकलने के बाद किन स्थानों पर गया था और किन लोगों के संपर्क में था। परिजनों द्वारा लगाए गए ऑटो चालक पर शक के आधार पर भी पूछताछ की जा सकती है। हालांकि, अभी तक पुलिस की ओर से किसी आरोपी की गिरफ्तारी की पुष्टि नहीं की गई है।

जुर्माना पार्षदों ने कचरा संग्रहण से निस्तारण तक व्यवस्था सुधारने पर दिया जोर

खुले में कूड़ा फेंका तो 10 हजार जुर्माना, एमसीडी में सुझाव

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली नगर निगम सदन में शुक्रवार को ठोस कचरा प्रबंधन उप नियम-2026 को लेकर विशेष बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य अभियंता अजय अग्रवाल ने उप नियमों के विभिन्न प्रावधानों की जानकारी दी। चर्चा के दौरान पार्षदों ने कचरा संग्रहण, परिवहन और निस्तारण व्यवस्था को प्रभावी बनाने के साथ जनता की भागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया।



बैठक में खुले में कचरा फेंकने वालों पर सख्ती का सुझाव भी सामने आया। पार्षदों ने खुले में कूड़ा फेंकने पर 10 हजार रुपये तक जुर्माना लगाने का सुझाव दिया। इसके अलावा गीले और सूखे कचरे के अलग-अलग संग्रहण, बल्क वेस्ट जनरेटर की निगरानी और कचरा प्रबंधन में तकनीक के इस्तेमाल को लेकर भी सुझाव दिए गए। भाजपा पार्षद योगिता सिंह ने कहा कि एआई और तकनीक की मदद से यह तय किया जा सकता है कि किस कॉलोनी में किस तरह की कचरा प्रबंधन व्यवस्था लागू की जाए। उन्होंने कहा कि कई कॉलोनियों में लोग अपने घरों से गीला और सूखा कचरा अलग-अलग करके देते हैं, लेकिन संग्रहण के दौरान दोनों को मिला दिया जाता है।

इससे कचरे को अलग-अलग रखने की व्यवस्था का उद्देश्य प्रभावित होता है। पार्षदों ने सुझाव दिया कि गीले और सूखे कचरे के लिए अलग-अलग रिक्शे या संग्रहण वाहनों की व्यवस्था की जानी चाहिए। इससे स्रोत पर अलग किए गए कचरे को उसी रूप में आगे ले जाने में मदद मिलेगी। बैठक में निजी एजेंसियों द्वारा किए जा रहे कचरा संग्रहण और उनकी व्यवस्था पर भी चर्चा की गई।

कचरा प्रबंधन में नियमों के पालन पर जोर

बैठक में पार्षदों ने कहा कि कचरा प्रबंधन व्यवस्था को प्रभावी बनाने के लिए केवल नियम बनाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनके पालन की नियमित निगरानी भी जरूरी है। संग्रहण वाहनों की कार्यप्रणाली और कचरे के निस्तारण की प्रक्रिया पर निगरानी बढ़ाने की आवश्यकता जताई गई। पार्षदों ने सुझाव दिया कि लोगों को गीले और सूखे कचरे को अलग रखने के लिए जागरूक किया जाए और संग्रहण के दौरान भी इस व्यवस्था का सख्ती से पालन हो। इसके साथ ही बल्क वेस्ट जनरेटर से निकलने वाले कचरे के उचित प्रबंधन पर विशेष ध्यान देने की बात कही गई। बैठक में तकनीक के माध्यम से कचरा संग्रहण की निगरानी और व्यवस्था में सुधार की संभावनाओं पर भी चर्चा हुई। अधिकारियों और पार्षदों ने उप नियमों को प्रभावी तरीके से लागू करने के लिए आवश्यक सुझाव साझा किए।

न्यूज ब्रीफ

दधोगी पंचायत में नशे से दूर रहने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का दिया संदेश

भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। ग्राम पंचायत दधोगी में एचआईवी/एड्स, टीबी, चिट्टा विरोधी जागरूकता तथा अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. मुक्ता रस्तोगी के मार्गदर्शन में हुआ। डॉ. विजय कुमार शांडिल ने लोगों को नशीले पदार्थों, विशेषकर चिट्टा, के दुष्प्रभावों और वृद्धावस्था में स्वास्थ्य देखभाल की जानकारी दी। समूह चर्चा के दौरान एचआईवी से बचाव के लिए सुरक्षित व्यवहार अपनाने, समय पर जांच करवाने और इससे जुड़ी भ्रांतियां दूर करने पर जोर दिया गया। टीबी के लक्षणों में लंबे समय तक खांसी, बुखार, रात में पसीना आना, वजन कम होना और कमजोरी आदि की जानकारी दी गई। लोगों को लक्षण दिखने पर तुरंत स्वास्थ्य केंद्र में जांच करवाने के लिए प्रेरित किया गया। नशे से दूर रहने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया गया। वृद्धजन दिवस पर बुजुर्गों के सम्मान, नियमित स्वास्थ्य जांच, संतुलित आहार और पारिवारिक सहयोग के महत्व पर भी चर्चा हुई। कार्यक्रम में उपप्रधान मोहन सिंह, कृष्णा देवी, दिव्या, रीता देवी, पदम सिंह और हेत राम मौजूद रहे।

सेवा संकल्प अभियान के तहत चलाया स्वच्छता अभियान



भारतेन्दु संवाददाता, झंडूता। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर झंडूता में 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत स्वच्छता अभियान चलाया गया। भाजपा कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने शिक्षण संस्थान तथा धार्मिक स्थल पर श्रमदान कर स्वच्छता का संदेश दिया। विधायक जीतराम कटवाल ने भी अभियान में भाग लिया। अभियान के दौरान शहीद अश्विनी कुमार मेमोरियल वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल झंडूता परिसर की सफाई की गई। इसके अलावा बरोहा स्थित शिव शक्ति मंदिर परिसर में भी सफाई कर इसे स्वच्छ बनाया गया। विधायक जीतराम कटवाल ने कहा कि सेवा केवल भाषणों से नहीं, बल्कि धरातल पर कार्य करने से होती है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता सिर्फ झाड़ू लगाने तक सीमित नहीं, बल्कि संस्कार और जिम्मेदारी है। महात्मा गांधी ने स्वच्छता को व्यक्ति और समाज के चरित्र से जोड़ा था। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 में शुरू हुआ स्वच्छ भारत मिशन आज जनभागीदारी का अभियान बन चुका है। स्वच्छ गांव और शहर विकसित समाज की आधारशिला हैं। उन्होंने लोगों से स्वच्छता को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने तथा लाल बहादुर शास्त्री के सादगी और कर्तव्यनिष्ठा के आदर्शों को अपनाने का आह्वान किया।

बाइक से स्टंट करना पड़ा भारी, दो पर केस

भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। ढालपुर में सार्वजनिक मार्ग पर मोटरसाइकिल से खतरनाक स्टंट करना दो युवकों को भारी पड़ गया। सदर थाना कुल्लू पुलिस ने राहगीरों की सुरक्षा को खतरे में डालने के आरोप में दोनों के खिलाफ मामला दर्ज कर उनकी मोटरसाइकिलें कब्जे में ले ली हैं। पुलिस के अनुसार कार्रवाई 1 और 2 अक्तूबर की मध्यरात्रि में की गई। पुलिस के मुताबिक 21 और 19 वर्षीय दोनों युवक चामुंडा नगर, कुल्लू के रहने वाले हैं। दोनों ढालपुर के सार्वजनिक मार्ग पर मोटरसाइकिल चलाते हुए स्टंट कर रहे थे। इस दौरान वे उतावलेपन और लापरवाही से वाहन चला रहे थे, जिससे पैदल राहगीरों की सुरक्षा को खतरा उत्पन्न हो रहा था। पुलिस ने दोनों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 281 तथा मोटर वाहन अधिनियम की धारा 184 और 189 के तहत मामला दर्ज किया है। दोनों वाहनों को कब्जे में लेकर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। कुल्लू पुलिस ने वाहन चालकों से यातायात नियमों का पालन करने और सार्वजनिक मार्गों पर स्टंट व तेज रफ्तार से वाहन चलाने से बचने की अपील की है। पुलिस ने कहा कि सड़क पर सभी की सुरक्षा सुनिश्चित करना प्रत्येक चालक की जिम्मेदारी है।

चायल में अर्की स्कूल के अंडर-19 छात्रों ने सांस्कृतिक प्रतियोगिता में दिखाया दमखम



भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। पीएम श्री एससीवीटी सीबीएसई राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय अर्की के अंडर-19 बॉयज विद्यार्थियों ने चायल में आयोजित जिला स्तरीय सांस्कृतिक प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन किया। विद्यालय की टीम ने एकांकी, वाद्य वादन और समूहगान में प्रथम स्थान हासिल किया। इसके अलावा विद्यार्थियों ने लोक नृत्य, श्लोक उच्चारण और संस्कृत गीतिका में द्वितीय स्थान प्राप्त किया, जबकि डिक्लेमेशन में टीम तृतीय स्थान पर रही। प्रतियोगिता में विद्यालय के विद्यार्थी दिव्यांश शर्मा ने प्रभावशाली अभिनय करते हुए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार अपने नाम किया। विद्यालय पहुंचने पर उपलब्धि हासिल करने वाले विद्यार्थियों का स्वागत कर उन्हें बधाई दी गई। विद्यालय के प्रधानाचार्य हेम राज गौर ने सभी प्रतिभागियों को शानदार प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने विद्यार्थियों के मार्गदर्शक दुष्यंत शर्मा और भारत भूषण के प्रयासों की भी सराहना की। प्रधानाचार्य ने विद्यार्थियों को भविष्य में भी इसी तरह मेहनत कर विद्यालय और क्षेत्र का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया। प्रतियोगिता में मिली सफलता से विद्यालय परिवार में खुशी का माहौल है।

सिद्धकाली मंदिर में भाजपा ने चलाया स्वच्छता अभियान

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। महात्मा गांधी जयंती के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी ने सेवा संकल्प अभियान के तहत मंडी के समीप सिद्धकाली मंदिर परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया। भाजपा जिला अध्यक्ष निहाल चंद शर्मा के नेतृत्व में पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने श्रमदान कर स्वच्छता का संदेश दिया। इस अवसर पर भाजपा मंडी लोकसभा क्षेत्र के विस्तारक सुरेश शर्मा, नगर निगम मेयर सुमन ठाकुर, डिप्टी मेयर जितेंद्र शर्मा, जिला महामंत्री कर्ण कौंडल सहित अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे। निहाल चंद शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 2 अक्तूबर 2014 को शुरू किया गया स्वच्छ भारत अभियान आज जनभागीदारी से व्यापक जनआंदोलन बन चुका है। उन्होंने कहा कि सेवा संकल्प अभियान के तहत भाजपा कार्यकर्ता स्वच्छता, रक्तदान, चिकित्सा शिविर और नशा मुक्ति सहित विभिन्न सामाजिक गतिविधियों में भाग ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता सेवा और समर्पण की भावना से समाज के बीच कार्य कर रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई तथा उनके स्वच्छता और सेवा के संदेश को याद किया गया।

नाहन में गांधी और शास्त्री जयंती पर पुष्पांजलि रानीताल पार्क में चलाया स्वच्छता अभियान



भारतेन्दु संवाददाता, नाहन। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर शुक्रवार को सिरमौर जिला मुख्यालय नाहन में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। कांग्रेस भवन में आयोजित पुष्पांजलि समारोह में विधायक अजय सोलंकी, पूर्व विधायक अजय बहादुर सिंह सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने दोनों महान विभूतियों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री की प्रतिमाओं पर पुष्प अर्पित कर उनके आदर्शों और बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम के बाद ऐतिहासिक रानीताल पार्क में स्वच्छता अभियान भी चलाया गया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पार्क परिसर की सफाई कर लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। विधायक अजय सोलंकी ने कहा कि महात्मा गांधी ने अहिंसा और सत्य के सिद्धांतों को अपनाकर देश के स्वतंत्रता आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके विचार और शिक्षाएं आज भी पूरी दुनिया के लिए प्रासंगिक हैं। उन्होंने कहा कि गांधी के अहिंसा के संदेश ने भारत को वैश्विक स्तर पर अलग पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करना सरकार की प्राथमिकता : सीएम सुक्खू

विकास कार्यों में गुणवत्ता से समझौता नहीं, अधिकारियों को सुक्खू के निर्देश

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा है कि प्रदेश में कांग्रेस सरकार बनने के बाद सभी क्षेत्रों का समान और संतुलित विकास सुनिश्चित किया जा रहा है। सरकार का लक्ष्य ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों की आय बढ़ाना और पैसा सीधे गांवों की अर्थव्यवस्था में पहुंचाना है। इसी उद्देश्य से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री शुक्रवार को रामपुर में एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में उनकी सरकार बनने के समय दूध का खरीद मूल्य 32 रुपए प्रति लीटर था, जिसे अब बढ़ाकर करीब दोगुना किया गया है। इससे किसानों और पशुपालकों की आय बढ़ी है। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों और



◆ टिक्कर-जरोल-गाहन सड़क के लिए 36 करोड़ मंजूर

बागवानों को मिलेगा लाभ

बागवानों की आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिए लगातार कदम उठा रही है। मंडी मध्यस्थता योजना के तहत सेब के खरीद मूल्य में भी एक रुपये प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी की गई है। अब सेब 12 रुपए के बजाय 13 रुपए प्रति किलोग्राम की दर से खरीदा जाएगा। इससे सेब बागवानों को सीधा लाभ मिलेगा। सुक्खू ने कहा कि टिक्कर-जरोल-गाहन सड़क के निर्माण के लिए राज्य सरकार ने 36 करोड़ रुपए स्वीकृत किए हैं। इस सड़क के निर्माण से क्षेत्र के सेब बागवानों को अपनी उपज मंडियों तक पहुंचाने में सुविधा मिलेगी। उन्होंने अधिकारियों को सड़क निर्माण में गुणवत्ता से किसी भी तरह का समझौता नहीं करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि विकास कार्यों में गुणवत्ता बनाए रखना जरूरी है और निर्माण कार्य निर्धारित मानकों के अनुसार किए जाने चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने हाल ही में किशाऊ बांध परियोजना में हिमाचल प्रदेश के हितों की बड़ी जीत सुनिश्चित की है। परियोजना के निर्माण के बाद हिमाचल प्रदेश को हर साल करीब 1,200 से 1,500 करोड़ रुपए का लाभ मिलने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि सरकार के खजाने में पर्याप्त राजस्व आने से प्रदेश में बेहतर स्कूल, स्वास्थ्य संस्थान और अन्य जरूरी सुविधाएं विकसित की जा सकेंगी। सरकार प्रदेश के विकास के लिए उपलब्ध संसाधनों का उपयोग लोगों को बेहतर सुविधाएं देने में करेगी।

पठानकोट और गुरदासपुर में अवैध खनन पर हाईकोर्ट सख्त, सरकार को 4 सप्ताह का समय



भारतेन्दु संवाददाता, पठानकोट। पंजाब व हरियाणा हाईकोर्ट ने पठानकोट और गुरदासपुर में कथित अवैध खनन के मामलों को लेकर पंजाब सरकार को सख्त निर्देश दिए हैं।

अदालत ने सरकार को सर्वे ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के आधार पर दोषियों और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ चार सप्ताह के भीतर कार्रवाई करने को कहा है। कार्रवाई न होने पर मामले की जांच स्वतंत्र एजेंसी को सौंपने की चेतावनी दी गई है। मुख्य न्यायाधीश अश्विनी कुमार मिश्रा और न्यायाधीश रोहित कपूर की खंडपीठ ने जीएस पन्नू बनाम केंद्र सरकार व अन्य संबंधित याचिकाओं की सुनवाई के दौरान ये निर्देश दिए। अदालत ने पंजाब के डायरेक्टर (माइंस) की ओर से हलफनामा दाखिल न किए जाने पर नाराजगी जताते हुए 48 घंटे के भीतर एडवांस कॉपी के साथ हलफनामा दाखिल करने का अंतिम अवसर दिया। अदालत को बताया गया कि सर्वे ऑफ इंडिया की 3 जुलाई 2026 की रिपोर्ट में पठानकोट और गुरदासपुर जिलों में करीब 233 स्थानों पर कथित अवैध खनन गतिविधियां चिन्हित की गई हैं। कोर्ट ने पंजाब सरकार को रिपोर्ट का विस्तृत अध्ययन कर दोषियों और लापरवाह अधिकारियों के खिलाफ कानूनी व प्रशासनिक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। अदालत ने कहा कि कार्रवाई नहीं होने पर संबंधित अधिकारियों की व्यक्तिगत जवाबदेही तय की जा सकती है। पिछली सुनवाई में बीएसएफ को भी मामले में पक्षकार बनाने की अनुमति दी गई थी। पंजाब सरकार को कार्रवाई की प्रगति रिपोर्ट पेश करनी होगी। मामले की अगली सुनवाई 16 नवंबर को होगी।

हमीरपुर में गांधी व शास्त्री को किया नमन

सुनील शर्मा बिट्टू और अन्य लोगों ने गांधी चौक पर दोनों विभूतियों को दी श्रद्धांजलि

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के उपलक्ष्य पर शुक्रवार को जिला हमीरपुर में भी कई कार्यक्रम आयोजित किए गए।

हमीरपुर शहर के प्रसिद्ध गांधी चौक पर जिला प्रशासन और नगर निगम की ओर से आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार सुनील शर्मा बिट्टू, कांगड़ा सहकारी प्राथमिक कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक के अध्यक्ष राम चंद्र पठानिया, एपीएमसी के अध्यक्ष अजय शर्मा, कांग्रेस के जिला अध्यक्ष सुमन भारती, पार्टी के वरिष्ठ नेता डॉ. पुष्पेंद्र वर्मा, प्रशासन की ओर से एडीसी अभिषेक गर्ग, नगर निगम के आयुक्त राकेश शर्मा, नायब तहसीलदार जगदीश ठाकुर, अन्य अधिकारियों, खाद्य आपूर्ति निगम के बीओडी मैंबर विक्रम शर्मा, कौशल विकास निगम की जिला समन्वयक निशा कटोच, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष



सुनील कुमार, अन्य कांग्रेसी नेताओं राजेश आनंद, विवेक कटोच, ज्योति खन्ना, पुरुषोत्तम कालिया, आरसी डोगरा, डॉ. हर्ष कालिया, मनोज शर्मा, संदीप शर्मा, निशांत शर्मा, रजत राणा, एनएसयूआई अध्यक्ष टोनी ठाकुर, अन्य नेताओं और शहर के गणमान्य नागरिकों ने महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया तथा श्रद्धासुमन अर्पित किए। पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को भी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने राष्ट्र के लिए दोनों महान विभूतियों के योगदान का स्मरण किया और उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने राजनीतिक सलाहकार सुनील शर्मा बिट्टू ने कहा कि महात्मा गांधी ने सत्य और अहिंसा के बल पर भारत को आजादी दिलाई थी और विश्व के अन्य देशों ने भी उन्हीं के बताए मार्ग का अनुसरण करके आजादी पाई। लाल बहादुर शास्त्री ने भी कठिन दौर में देश को सशक्त नेतृत्व प्रदान किया था। ये दोनों महान विभूतियां प्रत्येक भारतवासी के लिए प्रेरणास्रोत हैं। कार्यक्रम के दौरान लोक कलाकारों ने महात्मा गांधी के प्रिय भजन प्रस्तुत किए। इसके बाद नगर निगम ने स्वच्छता जागरुकता कार्यक्रम भी आयोजित किया।

ग्राम सभाओं में पहुंचे निशू मोंगरा, विकास कार्यों को लेकर अधिकारियों को दिए निर्देश



आशीष दमीर, भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। इच्छी, नदेहड़, अब्दुल्लापुर, सहोड़ा, बैदी सहित विभिन्न ग्राम पंचायतों में ग्राम सभाओं का आयोजन किया गया। इनमें एपीएमसी के जिला अध्यक्ष, प्रदेश कांग्रेस ओबीसी विभाग के अध्यक्ष एवं 20 सूत्रीय कार्यक्रम के जिला अध्यक्ष चौधरी नरेंद्र निशू मोंगरा ने शिरकत की। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को विकास कार्यों की रिपोर्ट जल्द प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

निशू मोंगरा ने अधिकारियों से कहा कि वे प्रत्येक गांव में आयोजित होने वाली ग्राम सभाओं में अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करें, ताकि ग्रामीणों की समस्याओं और विकास संबंधी आवश्यकताओं की जानकारी समय पर मिल सके। उन्होंने कहा कि ग्राम सभा तीन माह के अंतराल के बाद आयोजित होती है और ग्रामीण विकास के लिए इसका विशेष महत्व है। ग्रामीण इसमें अपने प्रस्ताव रखते हैं, जिससे विकास कार्यों को गति मिलती है। उन्होंने बताया कि मनरेगा में कार्यरत महिलाओं से जुड़े तीन दिन के अनिवार्य कार्य के प्रावधान में प्रदेश सरकार द्वारा बदलाव किया गया है। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने 'मेरा परिवार सुखी परिवार' योजना के तहत पात्र महिलाओं को मिलने वाले लाभों की जानकारी देते हुए बताया कि जरूरतमंद महिलाओं को 10 लाख रुपए तक का बीमा कवर भी मिलेगा। उन्होंने कहा कि योजना की अंतिम तिथि बढ़ाने के लिए मुख्यमंत्री से आग्रह किया जाएगा। उन्होंने ग्रामीणों से ग्राम सभाओं में अधिक से अधिक भाग लेने की अपील की।

एमबीबीएस एडमिशन के नाम पर 21.9 लाख की ठगी, छत्तीसगढ़ से दो आरोपी गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, पठानकोट। एमबीबीएस में एडमिशन दिलाने के नाम पर नगर निगम अधिकारी से 21.9 लाख रुपए की ठगी के मामले में साइबर क्राइम पुलिस ने छत्तीसगढ़ के रायपुर से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान बिहार निवासी बंटी कुमार तिवारी और दिल्ली निवासी मोहम्मद जुबेर के रूप में हुई है। आरोपियों ने गुरुग्राम में फर्जी काउंसलिंग सेंटर खोलकर पीड़ित के बेटे को मेडिकल कॉलेज में दाखिला दिलाने का झांसा दिया था। सितंबर से नवंबर 2025 के बीच नकद, यूपीआई और बैंक ट्रांसफर के जरिए 21.9 लाख रुपए लिए गए। बाद में आरोपी कार्यालय बंद कर फरार हो गए। जांच में पता चला कि आरोपियों ने रायपुर में 'ब्राइटमार्ग' नाम से नया फर्जी कार्यालय खोल रखा था। पुलिस ने वहां छापेमारी कर तीन लैपटॉप, 48 मोबाइल, फर्जी पहचान पत्र, डेबिट कार्ड और विद्यार्थियों का डेटा बरामद किया।

हिमालय की कठिन राहों पर देहरादून के धृतीमान ने जीता ओवरऑल खिताब

धनेश गौतम, भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। रोमांच, रफ्तार और जोखिम से भरपूर छठी रैली ऑफ हिमालया-2026 में देशभर से पहुंचे बाइकर्स ने हिमालय की दुर्गम राहों पर अपनी काबिलियत का लोहा मनवाया।

ओवरऑल बाइक रेस में देहरादून के धृतीमान मान सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पहला स्थान हासिल किया। कुल्लू के हैप्पी वर्मा दूसरे और भुंतर के जिया निवासी नितीश भारद्वाज तीसरे स्थान पर रहे। कठिन पहाड़ी ट्रैक पर शानदार प्रदर्शन कर दोनों स्थानीय बाइकर्स ने कुल्लू का नाम रोशन किया। रैली ऑफ हिमालया की ओर से आयोजित इस साहसिक मोटर स्पोर्ट्स प्रतियोगिता में दोपहिया और चार पहिया वाहनों की विभिन्न श्रेणियों में मुकाबले हुए। प्रतियोगिता में देशभर से करीब 220 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जबकि बाइक रेस में 80 बाइकर्स ने चुनौतीपूर्ण ट्रैक पर अपनी रफ्तार, संतुलन और तकनीकी दक्षता का प्रदर्शन किया। रैली का आगाज 26 सितंबर को देव धाम मनाली से हुआ।



◆ कुल्लू के हैप्पी दूसरे, जिया-भुंतर के नितीश रहे तृतीय

इसके बाद प्रतिभागियों ने स्पीति और जांस्कर के चुनौतीपूर्ण पहाड़ी मार्गों पर रफ्तार का रोमांच दिखाया। ऊबड़-खाबड़ रास्तों, ऊंचाई, खतरनाक मोड़ों और बदलते मौसम के बीच बाइकर्स ने अदम्य साहस के साथ ट्रैक पूरा किया। 30 सितंबर को रैली का समापन हुआ। आयोजकों के अनुसार इस बार की रैली अब तक के सबसे चुनौतीपूर्ण आयोजनों में शामिल रही। देश के विभिन्न हिस्सों से पहुंचे प्रतिभागियों ने हिमालय की विषम भौगोलिक परिस्थितियों के बीच मोटर स्पोर्ट्स का रोमांच नई ऊंचाई तक पहुंचाया।

37.17 ग्राम चिट्टा बरामदगी मामले में कुल्लू से एक और आरोपी गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। सदर थाना क्षेत्र में 37.17 ग्राम चिट्टा बरामदगी के मामले में पुलिस ने नशा तस्करी नेटवर्क से जुड़े एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान नागेश उर्फ नागू, निवासी लुहरी, तहसील आनी, जिला कुल्लू के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार 5 सितंबर 2026 को सदर थाना में एनडीपीएस अधिनियम की धारा 21 के तहत एफआईआर संख्या 227/2026 दर्ज की गई थी। मामले की जांच के दौरान पुलिस ने तकनीकी और खुफिया इनपुट के आधार पर नशे की सप्लाई के बैकवर्ड लिंक खंगाले। इससे पहले पुलिस ने पंजाब के फतेहगढ़ स्थित रंधावा कॉलोनी निवासी जगतार सिंह को गिरफ्तार किया था। जांच और पूछताछ में नागेश की भूमिका सामने आने के बाद पर्याप्त साक्ष्य जुटाकर उसे गिरफ्तार किया गया। पुलिस अब सप्लाई नेटवर्क के फॉरवर्ड और बैकवर्ड लिंक की जांच कर रही है। अन्य संदिग्धों की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं।

प्रदेश सरकार फिर ले रही 6 सौ करोड़ का कर्ज 48 हजार करोड़ तक पहुंचा कर्जा : डॉ. बिंदल

सुरेंद्र कटोच, भारतेन्दु संवाददात, हमीरपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने आयोजित पत्रकार वार्ता में कहा कि भाजपा अपने संगठन को निरंतर धार देने में लगी हुई है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने प्रदेश के पूर्व के 74 मंडलों का पुनर्गठन करते हुए 171 मंडलों का गठन किया है और संगठनात्मक दृष्टि से 17 जिलों की संरचना बनाई है।

इसके साथ करीब 8 हजार पोलिंग बूथों पर संगठनात्मक गठन किया गया है। इसी उद्देश्य से हमीरपुर में भाजपा का दो दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग आयोजित किया जा रहा है। इसमें 171 मंडलों के लिए 171 विस्तारक तैयार किए जा रहे हैं। ये विस्तारक अपने-अपने मंडलों में जाकर मंडल अध्यक्ष और स्थानीय संगठन के साथ मिलकर बूथ स्तर पर संगठनात्मक गतिविधियों को मजबूत करेंगे। उन्होंने कहा कि सरकार एक बार फिर 6 सौ करोड़ का कर्ज लेने जा रही है। इसके साथ वित्त वर्ष 2026-27 में घोषित बाजार उधारी लगभग 48 सौ करोड़ तक पहुंच रही है। वर्तमान सरकार के कार्यकाल में ली गई उधारी 45 हजार करोड़ से अधिक हो चुकी है।

उन्होंने कहा कि कई स्थानों पर सड़कों की हालत खराब है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने अपने कार्यकाल में प्रचार-प्रसार पर लगभग एक हजार करोड़ खर्च किए हैं। यह भाजपा प्रदेश अध्यक्ष का आरोप हैय इस कुल राशि की स्वतंत्र आधिकारिक पुष्टि उपलब्ध नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार ने इस परियोजना को लेकर बड़े स्तर पर होर्डिंग और प्रचार सामग्री लगाई।



◆ चार वर्षों में भारी उधारी के बावजूद सड़क, स्वास्थ्य और जनसुविधाओं की स्थिति पर सरकार जवाब दे

उन्होंने हिमकेयर और आयुष्मान भारत के तहत उपचार तथा अस्पतालों की लंबित देनदारियों का विषय भी उठाया। डॉ. बिंदल ने कहा कि प्रदेश की 12 जिला परिषदों में से 11 में चुनाव प्रक्रिया पूरी हुई और उनमें 10 जिला परिषदों में भाजपा समर्थित अध्यक्ष और उपाध्यक्ष बने हैं। यह परिणाम सार्वजनिक रिपोर्टों में भी दर्ज हैय चंबा एकमात्र जिला परिषद रही जहां कांग्रेस समर्थित अध्यक्ष-उपाध्यक्ष बने। उन्होंने दावा किया कि प्रदेश की 92 बीडीसी में से अब तक 87 में अध्यक्ष-उपाध्यक्ष का चुनाव पूरा हुआ है और इनमें 60 में भाजपा समर्थित नेतृत्व बना है।

संबल पात्र मरीजों को उपचार और देखभाल के लिए हर माह मिल रहे 3,000 रुपए

गंभीर रोगियों के लिए मददगार बनी सहारा योजना

रूप लाल कौंडल, भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। गंभीर और दीर्घकालिक बीमारी से जूझ रहे आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए मुख्यमंत्री सहारा योजना आर्थिक संबल बन रही है। योजना के तहत पात्र मरीजों को उपचार और देखभाल में मदद के लिए प्रतिमाह 3,000 रुपए की वित्तीय सहायता दी जा रही है। यह राशि सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में डीबीटी के माध्यम से पहुंचाई जाती है। योजना के तहत पार्किंसोनिज्म, घातक कैंसर, पक्षाघात के कारण स्थायी दिव्यांगता, मस्कुलर डिस्ट्रॉफी, हीमोफीलिया, थैलेसीमिया और तीव्र अथवा दीर्घकालिक गुर्दे की विफलता सहित निर्धारित गंभीर बीमारियों से पीड़ित पात्र लोगों को लाभ दिया जाता है।



हुक्म चंद को भी आर्थिक संबल

लंगेहड़ निवासी हुक्म चंद भी लंबे समय से पक्षाघात से जूझ रहे हैं। उन्होंने बताया कि हर माह मिलने वाली सहायता राशि दवाइयों सहित अन्य जरूरी खर्चों में उपयोगी साबित हो रही है।

पत्नी के इलाज में मिली मदद

सरकाघाट तहसील के कंडयोल निवासी रतन सिंह की पत्नी कमला देवी कैंसर से पीड़ित हैं। आईजीएमसी शिमला में उपचार के बाद परिवार को मुख्यमंत्री सहारा योजना की जानकारी मिली। रतन सिंह के अनुसार योजना से मिलने वाली राशि पत्नी की दवाइयों और देखभाल के खर्च में मददगार साबित हो रही है।

पक्षाघात पीड़ित सरोज को मिला सहारा

नौबाही गांव की सुमन कुमारी की ननद सरोज लंबे समय से पक्षाघात से पीड़ित हैं। उन्हें नियमित दवाइयों और देखभाल की आवश्यकता रहती है। सुमन के अनुसार आशा कार्यकर्ता से योजना की जानकारी मिली और अब आर्थिक सहायता से दवाइयों व अन्य जरूरी खर्चों को पूरा करने में मदद मिल रही है।

सरकाघाट में 104 लाभार्थी

तहसील कल्याण अधिकारी सरकाघाट पूनम शर्मा ने बताया कि उपमंडल में मुख्यमंत्री सहारा योजना के 104 लाभार्थी पंजीकृत हैं। इनमें बलद्वाड़ा तहसील के 56 और सरकाघाट तहसील के 48 लाभार्थी शामिल हैं। पात्र लाभार्थियों को नियमानुसार प्रतिमाह सहायता राशि बैंक खातों में दी जा रही है।

ऑनलाइन आवेदन की सुविधा

योजना का लाभ लेने के लिए पात्र लाभार्थी निर्धारित दस्तावेजों के साथ आधार-आधारित ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन के लिए आधार कार्ड, बीमारी से संबंधित चिकित्सा अभिलेख, हिमाचली बोनाफाइड प्रमाण-पत्र, वैध बीपीएल अथवा आय प्रमाण-पत्र और बैंक खाते का विवरण आवश्यक है। निर्धारित शर्तों के अनुसार बीपीएल परिवारों के सदस्य तथा सभी स्रोतों से चार लाख रुपए तक वार्षिक आय वाले परिवार योजना का लाभ ले सकते हैं।

कुल्लू में सजा साहित्य का मंच, गणेश गनी की काव्य-यात्रा पर हुआ मंथन



भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। भाषा व संस्कृति विभाग, कुल्लू और गुरुकुल बहुमुखी शिक्षा संस्था हिमाचल प्रदेश के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को देवसदन में 'दूसरा कुल्लू साहित्य-संवाद-2026' आयोजित किया गया।

राष्ट्रीय स्तर के इस साहित्यिक आयोजन में देश के विभिन्न हिस्सों से पहुंचे साहित्यकारों और कवियों ने साहित्य की विभिन्न विधाओं पर विचार-विमर्श किया। कार्यक्रम के पहले सत्र में प्रसिद्ध कवि गणेश गनी की काव्य-यात्रा पर परिचर्चा आयोजित की गई। इस दौरान सम्भावना प्रकाशन हापुड़ से प्रकाशित उनके काव्य-संग्रह 'ढालपुर में चिनार' का लोकार्पण भी किया गया। सत्र का संचालन डॉ. हेम राज भारद्वाज ने किया। परिचर्चा में वल्लभ (आरा), डॉ. अजीत प्रियदर्शी (लखनऊ), आनन्द कुमार राय (गोरखपुर), डॉ. पान सिंह (शिमला), डॉ. विजय विशाल (मंडी), पवन चौहान (मंडी), डॉ. उरसेम लता और इशिता आर. गिरीश (कुल्लू) सहित साहित्यकारों ने अपने विचार रखे। कार्यक्रम में जम्मू-कश्मीर से पहुंचे विख्यात कवि व लेखक अग्निशेखर मुख्यातिथि रहे, जबकि प्रसिद्ध लेखक गंगा राम राजी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता हिंदी साहित्य के आलोचक एवं उपन्यासकार निरंजन देव शर्मा ने की। दूसरे सत्र में विभिन्न साहित्यिक एवं सामाजिक क्षेत्रों में योगदान के लिए साहित्यकारों और रचनाकारों को गुरुकुल सम्मान-2026 से सम्मानित किया गया। अग्निशेखर को गुरुकुल लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड-2026 प्रदान किया गया, जबकि निरंजन देव शर्मा को उनके उपन्यास 'बाजार' के लिए गुरुकुल सम्मान-2026 से नवाजा गया। इसके अलावा आनंद कुमार राय, डॉ. अजीत प्रियदर्शी, वल्लभ, पवन चौहान, डॉ. उरसेम लता, डॉ. सूरत ठाकुर, इशिता आर. गिरीश, डॉ. विजय विशाल, डॉ. पान सिंह, डॉ. कल्याण सिंह, संजू पॉल और गंगा राम राजी सहित अन्य रचनाकारों को भी उनके साहित्यिक, सांस्कृतिक, सामाजिक और रचन

न्यूज ब्रीफ

गांधी जयंती पर मंडी में निकली प्रभात फेरी, गूंजे 'रघुपति राघव राजाराम' के स्वर



भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 157वीं जयंती पर जिला प्रशासन की ओर से सेरी मंच से प्रभात फेरी निकाली गई। इसमें स्वच्छता, सत्य और अहिंसा के संदेश के साथ गांधी जी के आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया गया। इस अवसर पर महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। प्रभात फेरी में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के कला दल, स्कूली बच्चों, स्थानीय नागरिकों, समाजसेवियों और प्रशासनिक अधिकारियों ने भाग लिया। 'रघुपति राघव राजाराम', देशभक्ति गीतों और 'भारत माता की जय' तथा 'वंदे मातरम' के जयघोष से वातावरण गूंज उठा। प्रभात फेरी सेरी मंच से चौहाटा बाजार, मोती बाजार, कन्या वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला, बालकरूपी मंदिर, सनातन धर्म सभा और पोस्ट ऑफिस होते हुए संकन गार्डन कॉम्प्लेक्स पहुंची तथा गांधी चौक पर संपन्न हुई। यहां गांधी प्रतिमा पर माल्यार्पण और सर्वधर्म प्रार्थना सभा आयोजित की गई। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधि और शहरवासी मौजूद रहे।

स्वच्छता को लेकर बिलासपुर कॉलेज में जागरूकता रैली

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। राजकीय महाविद्यालय बिलासपुर में नशा मुक्ति एवं स्वच्छता जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पीएस कटवाल ने रेड क्रॉस क्लब के सदस्यों और विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि रैली का उद्देश्य समाज को नशे के दुष्प्रभावों और स्वच्छता के महत्व के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने विद्यार्थियों से नशे से दूर रहने तथा लोगों को भी नशामुक्त और स्वच्छ समाज के निर्माण के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। रैली महाविद्यालय परिसर से शुरू होकर कोसरियां सेक्टर, नैना माता मंदिर होते हुए कॉलेज चौक तक पहुंची। इसमें राष्ट्रीय सेवा योजना, राष्ट्रीय कैडेट कोर, रोवर-रेंजर्स और रेड क्रॉस क्लब के अधिकारियों व विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यार्थियों ने नशा मुक्ति और स्वच्छता से संबंधित नारे लगाकर लोगों को जागरूक किया। इस अवसर पर रेड क्रॉस क्लब के संयोजक डॉ. जय चंद सहित विभिन्न इकाइयों के अधिकारी और विद्यार्थी मौजूद रहे।

राजपुर पंचायत में किन्नरों के शगुन की राशि 1100 रुपए तय करने का प्रस्ताव

भारतेन्दु संवाददाता, पांवटा साहिब। ग्राम पंचायत राजपुर में आयोजित ग्राम सभा की बैठक में किन्नरों को दिए जाने वाले शगुन की राशि को लेकर महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किया गया। 20 जुलाई 2026 को पंचायत प्रधान संतोष कुमारी की अध्यक्षता में हुई बैठक में ग्राम सभा ने शगुन की राशि 1100 रुपए निर्धारित करने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया। प्रस्ताव संख्या-13 में कहा गया कि पंचायत क्षेत्र में किन्नरों के आने पर ग्रामीणों से मनमाने तरीके से शगुन मांगे जाने की शिकायतें सामने आती रही हैं। प्रस्ताव में उल्लेख किया गया कि पंचायत क्षेत्र के कई ग्रामीण आर्थिक रूप से कमजोर हैं और अधिक राशि देने में उन्हें परेशानी होती है। ग्राम सभा ने प्रशासन से आग्रह किया कि पंचायत क्षेत्र में किन्नरों को शगुन के रूप में 1100 रुपए की राशि निर्धारित करने की अनुमति प्रदान की जाए। इसके लिए पंचायत की ओर से पांवटा साहिब के उपमंडल दंडाधिकारी से आवश्यक स्वीकृति देने का अनुरोध किया गया है। अब प्रस्ताव पर प्रशासनिक स्वीकृति मिलने का इंतजार है। स्वीकृति मिलने के बाद निर्धारित राशि लागू करने का रास्ता साफ हो सकता है।

यूपीआई पर अतिरिक्त शुल्क के विरोध में मंडी के व्यापारियों ने जताया विरोध

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। यूपीआई लेन-देन पर अतिरिक्त शुल्क लगाए जाने की चर्चाओं के विरोध में मंडी के व्यापारियों ने शुक्रवार को सांकेतिक विरोध प्रदर्शन किया। मंडी व्यापार मंडल के आह्वान पर व्यापारियों ने एक दिन के लिए यूपीआई के माध्यम से लेन-देन से दूरी बनाकर अपनी नाराजगी जाहिर की। मंडी व्यापार मंडल के प्रधान राजेश ने कहा कि डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुरू की गई यूपीआई व्यवस्था को व्यापारियों ने शुरू से अपनाया है। यूपीआई के माध्यम से ग्राहकों को तेज और सुविधाजनक भुगतान की सुविधा मिल रही है। उन्होंने कहा कि अब अतिरिक्त शुल्क लगाए जाने की बात सामने आने से व्यापारियों में चिंता है। उन्होंने कहा कि यूपीआई छोटे-बड़े कारोबारियों के दैनिक लेन-देन का महत्वपूर्ण माध्यम बन चुका है। ऐसे में किसी भी प्रकार का अतिरिक्त शुल्क व्यापारियों और ग्राहकों पर आर्थिक बोझ बढ़ा सकता है। व्यापारियों ने मांग की कि डिजिटल भुगतान व्यवस्था को अतिरिक्त शुल्क से मुक्त रखा जाए। व्यापार मंडल ने स्पष्ट किया कि उनका विरोध यूपीआई व्यवस्था के खिलाफ नहीं, बल्कि अतिरिक्त शुल्क के प्रस्ताव के खिलाफ है। उन्होंने सरकार से व्यापारियों की मांग पर गंभीरता से विचार करने का आग्रह किया।

500 से अधिक मरीजों का जांचा स्वास्थ्य

भारतेन्दु संवाददाता, घुमारवीं। सीर उत्सव के अवसर पर सिविल अस्पताल घुमारवीं में बहु-विशेषज्ञ स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। तकनीकी शिक्षा मंत्री राजेश धर्माणी ने शिविर का शुभारंभ किया। शिविर में आईजीएमसी चमियाना, क्षेत्रीय अस्पताल और सिविल अस्पताल घुमारवीं के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने 500 से अधिक मरीजों की जांच कर परामर्श दिया। मंत्री राजेश धर्माणी ने कहा कि प्रदेश सरकार प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए आदर्श स्वास्थ्य संस्थान विकसित कर रही है। उन्होंने बताया कि घुमारवीं अस्पताल में करीब 30 वर्षों बाद रेडियोलॉजिस्ट की तैनाती होने से अल्ट्रासाउंड सुविधा शुरू हो गई है। इससे गर्भवती महिलाओं और अन्य मरीजों को सुविधा मिली है। उन्होंने कहा कि अस्पताल में अब तक 150 से अधिक बड़ी सर्जरी की जा चुकी हैं और जल्द ही आंखों के ऑपरेशन की सुविधा भी शुरू की जाएगी। इस अवसर पर मंत्री ने प्रोजेक्ट 'सारथी' का शुभारंभ किया। इसके तहत एनएसएस और एनसीसी कैडेट बुजुर्गों, दिव्यांगों और तीमारदारों की सहायता करेंगे। कार्यक्रम के दौरान एचपीवी टीकाकरण करवाने वाली बालिकाओं को प्रमाण-पत्र भी वितरित किए गए।

वॉलीबाल, फुटबॉल, बैडमिंटन में बच्चों ने बिखेरा हुनर

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। जिला स्तरीय एकीकृत खेलकूद प्रतियोगिता-2026 का दो दिवसीय आयोजन शुक्रवार को पड्डल मैदान में संपन्न हुआ। प्रतियोगिता में विशेष आवश्यकता वाले करीब 77 बच्चों ने वॉलीबॉल, फुटबॉल, बैडमिंटन, बोच्चि और एथलेटिक्स में उत्साहपूर्वक भाग लिया। समापन समारोह में तहसीलदार संजीव कुमार मुख्यातिथि के रूप में मौजूद रहे। इस दौरान बच्चों ने शानदार मार्च-पास्ट किया और ध्वज अवतरण के बाद प्रतियोगिता के समापन की घोषणा की गई। प्रत्येक खेल में प्रतिभागियों को चार समूहों में बांटा गया था। प्रतियोगिता का उद्देश्य बच्चों की खेल प्रतिभा को पहचानना और राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं के लिए खिलाड़ियों का चयन करना रहा। समापन अवसर पर सभी प्रतिभागियों को पदक देकर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का राज्य स्तर के लिए चयन किया गया। वॉलीबाल में बालक व बालिका वर्ग, बैडमिंटन, बोच्चि और फुटबॉल के खिलाड़ियों ने बेहतर प्रदर्शन किया। चयनित खिलाड़ियों में रियांश, प्रगुण वर्मा, ईशांत, कल्पना चौहान, राधिका, पायल, सृष्टि, वरुण, अनिल, अमन, लक्ष्य मेहता और सूर्यांश सहित अन्य खिलाड़ी शामिल हैं। अधिकारियों ने खिलाड़ियों को आगामी प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामनाएं दीं।

खलैहल पंचायत की ग्राम सभा में 124 ग्रामीणों ने लिया हिस्सा, कई प्रस्ताव पारित

भारतेन्दु संवाददाता, बरोट। ग्राम पंचायत खलैहल में शुक्रवार को ग्राम सभा की बैठक आयोजित हुई। इसकी अध्यक्षता पंचायत प्रधान सुभाष चंद ठाकुर ने की। बैठक में पंचायत के चार गांवों से 124 महिला-पुरुषों ने भाग लिया। विभिन्न विभागों के कर्मचारियों ने उपस्थित लोगों को विभागीय योजनाओं और सुविधाओं की जानकारी दी। बैठक में उप स्वास्थ्य केंद्र छोटी झरवाड़ की चिकित्सक, मियोट, खलैहल और झरवाड़ के आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, जल शक्ति विभाग के कर्मचारी, पटवार हल्का झरवाड़ के पटवारी व सहायक तथा बिजली विभाग के कर्मचारी मौजूद रहे। ग्राम सभा में वित्त वर्ष 2027-28 के लिए वार्डवार विभिन्न विकास कार्यों का शेल्फ सर्वसम्मति से पारित किया गया। बरोट-मियोट सड़क पर निजी बस सेवा नियमित रूप से संचालित करने के लिए भी प्रस्ताव पारित किया गया। छोटी झरवाड़ गांव में 25 हजार लीटर क्षमता का पानी का टैंक बनाने का प्रस्ताव भी मंजूर हुआ। प्रधान सुभाष चंद ठाकुर ने एंटी चिट्टा अभियान के तहत लोगों को नशे के खिलाफ जागरूक किया। साथ ही ग्रामीणों को स्वच्छता बनाए रखने के लिए भी प्रेरित किया गया।

जीवन को सफल बनाने के लिए कठिन परिश्रम व दृढ़ संकल्प आवश्यक : हर्षवर्धन

पाइनग्रोव स्कूल ने वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह धूमधाम से मनाया

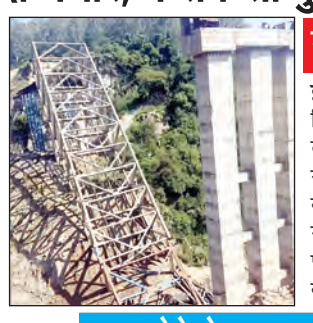


भारतेन्दु संवाददाता, सोलन। उद्योग, संसदीय कार्य तथा श्रम एवं रोजगार मंत्री हर्षवर्धन चौहान ने कहा कि प्रत्येक छात्र तक गुणवत्तायुक्त शिक्षा पहुंचाना प्रदेश सरकार की प्राथमिकता है। हर्षवर्धन चौहान सोलन विधानसभा क्षेत्र के धर्मपुर स्थित पाईनग्रोव स्कूल के वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह-2026 को संबोधित कर रहे थे।

हर्षवर्धन चौहान ने कहा कि जीवन को सफल बनाने के लिए कठिन परिश्रम व दृढ़ संकल्प अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने छात्रों से अपना लक्ष्य निर्धारित कर दृढ़ निश्चय के साथ उसे पाने के लिए कार्य करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार प्रत्येक छात्र को गुणवत्तायुक्त शिक्षा उपलब्ध करवाने के लिए सकारात्मक कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि जहां एक ओर पहली कक्षा से ही बच्चों को आधुनिक शिक्षा प्रदान करने के लिए योजना तैयार की गई है। वहीं आईटीआई स्तर पर आर्टिफिशियल इंटेलीजेंश और ड्रोन जैसे पाठ्यक्रम शुरू किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार का यह निर्णय छात्रों को प्रतिस्पर्धात्मक युग में आगे बढ़ाने में सहायक सिद्ध हो रहा है। उद्योग मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व में छात्रों के उज्ज्वल भविष्य के लिए विभिन्न योजनाएं आरंभ की गई हैं। मुख्यमंत्री सुखाश्रय योजना भी ऐसी ही एक योजना है। इस योजना के तहत बेसहारा व निराश्रित बच्चों को 'स्टेट ऑफ द चिल्ड्रन' का दर्जा दिया गया है और सरकार उनकी पूरी देखभाल कर रही है। योजना के तहत बच्चों को प्रति माह 3 हजार रुपए जेब खर्च के रूप में दिए जाते है तथा शिक्षा, कोचिंग, घर, जमीन, विवाह व स्टार्ट अनुदान भी दिया जाता है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सुखाश्रय योजना के तहत सोलन ज़िला में अभी तक लगभग 204 लाभार्थियों को सामाजिक सुरक्षा के तहत लगभग 6,89,451 रुपए की राशि प्रदान की गई है।

मटौर-शिमला मार्ग पर निर्माणाधीन पुल का गिरा लांचिंग पैड

पांच घायलो में दो गंभीर, करीब सौ फुट नीचे गिरा मुख्य भाग



सुरेंद्र कटोच, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर जिले के मसीयाना में शुक्रवार दोपहर मटौर-शिमला टू लेन (बायपास) पर एक बड़ा हादसा हुआ।

यहां हथली खड्ड के ऊपर निर्माणाधीन पुल का एक हिस्सा (लांचिंग पैड) अचानक भरभराकर करीब 100 फुट गहरी खाई में जा गिरा। पुल का भारी, भरकम स्ट्रक्चर और निर्माण सामग्री करीब 100 फुट नीचे गहरी खाई में जा गिरी। इस हादसे के दौरान काम कर रहे मजदूर भी मलबे के साथ नीचे गिर गए, जिससे मौके पर अफरातफरी मच गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार इस हादसे में मौके पर काम कर रहे करीब पांच मजदूर घायल हुए है, जिनमें से दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों और सूत्रों के अनुसार, शुक्रवार दोपहर करीब 1:30 से 2 बजे के बीच जब पुल के लोहे के ढांचे का लांचिंग पैड सेट किया जा रहा था, तभी अचानक वह एक तरफ से बैठ गया और टूटकर नीचे गिर गया। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन, पुलिस और राहत टीमें तुरंत मौके पर पहुंच गईं। मलबे में अन्य किसी के दबे होने की आशंका को देखते हुए भारी मशीनरी और जेसीबी की मदद से रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है। सभी घायलों को तुरंत रेस्क्यू कर नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया है। इस मार्ग पर बन रहे फोर लेन मार्ग का रानीताल से हमीरपुर के कोहली तक का ये मार्ग टू लेन है।

सुरक्षा इंतजामों पर उठे सवाल

इस हादसे के बाद राष्ट्रीय राजमार्ग और फोरलेन निर्माण में बरती जा रही सुरक्षा सावधानियों और तकनीकी मानकों पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। यदि लोहे के मुख्य भाग को जोडना था तो उसमें बरते जाने वाले अहतियातों का कितना ख्याल रखा गया, इस पर भी प्रशन खड़े हो रहे है। स्थानीय प्रशासन ने मामले को संज्ञान में लेते हुए घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

लोहे के मुख्य भाग को सरकाते समय हुई दुर्घटना, लांचिंग पैड गिरा

ऐसा माना जा रहा है कि पुल बनाने का काम अंतिम चरण में चला हुआ था। अंतिम दौर में लोहे बड़े मुख्य भाग को आगे पिल्लर से जोडने के लिए सरकाया जा रहा था, जैसे ही लोहे का मुख्य भाग को पिल्लर के पास पहुंचाया तो वो वहां से सरक गया और इससे नीचे बेस हिलने से लांचिंग पैड गिर गया।

एनएचएआई के प्रोजेक्ट मैनेजर राकेश यादव ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि घयल मजदूरों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया है। उन्होंने बताया कि पुल के हिस्से के गिरने के तकनिकी कारणों को जांचा जा रहा है।

गांधी-शास्त्री की जयंती पर कांग्रेस ने अर्पित की पुष्पांजलि

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री स्व. लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर गांधी भवन में कांग्रेस की ओर से पुष्पांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कांग्रेस जिलाध्यक्ष चंपा ठाकुर ने की। इस दौरान कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने दोनों महान विभूतियों के चित्रों पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। वक्ताओं ने महात्मा गांधी के स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान तथा लाल बहादुर शास्त्री के देश के विकास में योगदान को याद किया। उन्होंने कहा कि दोनों नेताओं के आदर्श आज भी समाज और देश के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। उपस्थित लोगों ने उनके बताए मार्ग पर चलने तथा देशहित में कार्य करने का आह्वान किया। इस अवसर पर कृष्णा टंडन, तोष कुमार, शशि शर्मा, संजीव गुलेरिया, अनिल सेन, राजेंद्र मोहन, उपेंद्र शर्मा, संजय शर्मा, योगेश, परवीन ठाकुर, रेखा, गीतांजलि, भीम सिंह, दीपक, चमन लाल, ज्ञान कुमारी कौंडल, अलकनंदा, विनय, महेश और केहर सिंह कटोच सहित अन्य मौजूद रहे।

सोलन में प्राकृतिक चिकित्सा केंद्र का लोकार्पण, राज्यपाल कविंद्र गुप्ता ने शिक्षा को संस्कार से जोड़ने पर दिया जोर



भारतेन्दु संवाददाता, सोलन। राज्यपाल कविंद्र गुप्ता ने गण की सेर स्थित विद्या भारती हिमाचल द्वारा संचालित माधव सृष्टि बहु-आयामी शिक्षण संस्थान में प्राकृतिक चिकित्सा केंद्र का लोकार्पण किया। महात्मा गांधी जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में राज्यपाल ने शिक्षा को संस्कार, स्वास्थ्य, योग और आत्मनिर्भरता से जोड़ने पर जोर दिया।

राज्यपाल ने कहा कि गांधी जी के सत्य, अहिंसा, स्वच्छता, आत्मनिर्भरता और सेवा के आदर्श आज भी प्रासंगिक हैं। उन्होंने हिमाचल से गांधी जी के जुड़ाव पर शोध और दस्तावेजीकरण के लिए 'गांधी इन शिमला' पुस्तक के लेखक विनोद भारद्वाज के प्रयासों की सराहना की और उन्हें सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल ज्ञान और रोजगार तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि बच्चों में चरित्र, अनुशासन, आत्मविश्वास, राष्ट्रीय चेतना और सेवा की भावना का विकास करना इसका उद्देश्य होना चाहिए। उन्होंने बताया कि हिमाचल शिक्षा समिति द्वारा विद्या भारती के मार्गदर्शन में प्रदेश में 178 सरस्वती विद्या मंदिर संचालित किए जा रहे हैं। माधव सृष्टि परिसर में शिक्षा, स्वास्थ्य, योग, गौ-सेवा, औषधीय पौधों और कौशल विकास को एक साथ जोड़ने के प्रयासों की राज्यपाल ने सराहना की। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक चिकित्सा केंद्र परिसर की सेवा गतिविधियों को और मजबूत करेगा। उन्होंने योग, प्राणायाम और ध्यान को स्वस्थ जीवनशैली का महत्वपूर्ण हिस्सा बताया तथा युवाओं से खेलों को भी जीवन में शामिल करने का आह्वान किया। इससे पहले विद्या भारती के अखिल भारतीय महामंत्री देशराज ने राज्यपाल का स्वागत किया। योग भारती हिमाचल प्रदेश के संस्थापक श्रीनिवास मूर्ति ने योग और प्राकृतिक चिकित्सा केंद्र की जानकारी दी। हिमाचल शिक्षा समिति के अध्यक्ष मोहन केष्प ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा। कार्यक्रम में पूर्व स्वास्थ्य मंत्री डॉ. राजीव सैजल, सोलन नगर निगम की महापौर सुषमा शर्मा, उपायुक्त मनमोहन शर्मा, पुलिस अधीक्षक टी. साई दत्तात्रेय सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

भुट्टिको में गांधी-शास्त्री की जयंती पर दी श्रद्धांजलि, आदर्शों पर चलने का लिया संकल्प



भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर भुट्टिको परिसर में राष्ट्रीय पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सभा के अधिकारियों, कर्मचारियों और बुनकरों ने दोनों महान विभूतियों को पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी तथा उनके विचारों को जीवन में अपनाने का संकल्प लिया।

सभा अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री सत्य प्रकाश ठाकुर ने कहा कि महात्मा गांधी अहिंसा और सर्वधर्म सम्मान के प्रबल समर्थक थे। गांधी लोकतंत्र में प्रत्येक व्यक्ति की भागीदारी, पंचायती राज, सहकारिता, कृषि और कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देने के पक्षधर थे। उन्होंने कहा कि आज भी इन विचारों को आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। लाल बहादुर शास्त्री के जीवन पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने उनकी मेहनत, लगन और ईमानदारी को याद किया। उन्होंने कहा कि शास्त्री जी ने 1965 के युद्ध के दौरान देश का नेतृत्व किया और 'जय जवान, जय किसान' का संदेश दिया। सत्य प्रकाश ठाकुर ने भुट्टिको के विकास में स्वर्गीय ठाकुर वेदराम के योगदान को भी याद किया। उन्होंने कहा कि वे गांधीवादी विचारों से प्रेरित थे और उन्होंने संस्था में सहकारिता की भावना को मजबूत किया।

इसी भावना के कारण आज भुट्टिको के स्थानीय बुनकरों की पहचान प्रदेश, देश और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बनी है। उन्होंने कहा कि हथकरघा उद्योग को आज पावरलूम क्षेत्र से प्रतिस्पर्धा करनी पड़ रही है। ऐसे में गांधी के स्वदेशी और आत्मनिर्भरता के विचारों को अपनाकर भुट्टिको को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में उपाध्यक्ष रोहित ठाकुर सहित निदेशक मंडल के सदस्य, अधिकारी, कर्मचारी और बुनकर मौजूद रहे।

नगर पंचायत अर्की की बैठक में विकास कार्यों से जुड़े कई प्रस्ताव हुए पारित



भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। नगर पंचायत अर्की की बैठक अध्यक्ष सीमा शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में शहर के विकास और नागरिक सुविधाओं से जुड़े विभिन्न प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किए गए।

नगर पंचायत सचिव अभिनव शर्मा ने बताया कि नगर पंचायत भवन के निर्माण के लिए टेंडर जारी करने का प्रस्ताव मंजूर किया गया। बैठक में आईटीआई अर्की के आसपास झाड़ियों की सफाई, स्ट्रीट लाइट लगाने और आईटीआई मार्ग की मरम्मत करवाने का निर्णय लिया गया। इसके अलावा बारा बस्ती मार्ग को पक्का करने, विश्राम गृह के समीप नालियों को भूमिगत करने, वार्ड नंबर-3 में हवाघर के पास शौचालय बनाने, वार्ड नंबर-1 में पार्क विकसित करने तथा राजमहल मार्ग को पक्का करने के प्रस्ताव पारित हुए। वार्ड नंबर-1 और 3 में बच्चों के लिए झूले लगाने, अधिक मात्रा में कूड़ा एकत्र करने वालों को नोटिस जारी करने और सायर मेले के दौरान एसडीएम से प्राप्त 4.20 लाख रुपए की तहबाजारी राशि वापस करने का भी निर्णय लिया गया। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बन रहे मकानों को एक माह में पूरा करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में पुराने अर्की कोर्ट व एचआरटीसी की भूमि वापस लेने, वार्ड नंबर-4 पार्किंग में पिकअप वाहनों से 1,000 रुपए तहबाजारी लेने और पुराने बस स्टैंड से अस्पताल मार्ग की मरम्मत के लिए लोक निर्माण विभाग को पत्र भेजने का निर्णय हुआ। उद्यान विभाग की भूमि नगर पंचायत को सौंपकर बच्चों के लिए खेल मैदान बनाने का मुद्दा भी उठाया गया। शादी समारोह में किन्नरों को दी जाने वाली राशि 1,100 रुपये तय की गई। बैठक में पार्षद देवेंद्र कुमार, अनुज गुप्ता सहित अन्य पार्षद व कर्मचारी मौजूद रहे।

कुल्लू को स्वच्छता में नंबर एक बनाने के लिए 'कुल्लू बदलाव की ओर' अभियान शुरू

विधायक सुंदर ने स्वच्छता वाहनों को दिखाई हरी झंडी



भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। कुल्लू शहर को स्वच्छता के क्षेत्र में देश का अग्रणी शहर बनाने के उद्देश्य से 'कुल्लू बदलाव की ओर' अभियान का शुभारंभ किया गया।

कुल्लू के विधायक सुंदर सिंह ठाकुर ने स्वच्छता वाहनों को हरी झंडी दिखाकर शहर में कूड़ा-कचरा प्रबंधन की विशेष मुहिम की शुरुआत की। इस अवसर पर विधायक सुंदर सिंह ठाकुर ने कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व में प्रदेश में चल रहा व्यवस्था परिवर्तन अब स्वच्छता के क्षेत्र में भी धरातल पर दिखाई दे रहा है। कुल्लू शहर की स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए नगर परिषद ने 'लॉर्ड शिवा एंटरप्राइजेज' के साथ करार किया है, जो शहर में कचरा प्रबंधन का कार्य संभालेगी। उन्होंने कहा कि कुल्लू प्रदेश का प्रमुख पर्यटन केंद्र है और यहां देश-विदेश से बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंचते हैं। इसके अलावा लाहौल-स्पीति के लोग भी यहां बड़ी संख्या में निवास करते हैं। ऐतिहासिक कुल्लू दशहरे से पहले शहर को युद्ध स्तर पर स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित स्वरूप देने के प्रयास किए जाएंगे। विधायक ने स्वच्छता को जन-आंदोलन बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि शहर में कचरा फैलाने वालों पर नजर रखने के लिए विशेष फ्लाइंग स्क्वायड गठित किया गया है। यह दल सभी वार्डों में औचक निरीक्षण करेगा और स्वच्छता व्यवस्था की निगरानी करेगा। उन्होंने सफाई कर्मचारियों के कल्याण पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि सफाई कर्मचारियों को बेहतर वेतन, स्वास्थ्य, शिक्षा और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवाना सरकार की प्राथमिकता है। विधायक ने क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों की जानकारी देते हुए कहा कि रामशिला से लंकाबेकर तक तटबंध का कार्य लगभग पूरा हो चुका है। इनर अखाड़ा के लिए 8 करोड़ रुपए की परियोजना को मंजूरी मिल गई है। इसके अलावा कुल्लू से भुंतर तक तटबंध निर्माण, घाटों के निर्माण और सौंदर्यीकरण के लिए भी एक बड़ी परियोजना तैयार की जा रही है। इस अवसर पर नगर परिषद अध्यक्ष आशा ठाकुर ने मुख्यातिथि का स्वागत किया। कार्यक्रम में उपायुक्त कुल्लू डॉ. अमित कुमार शर्मा, एसडीएम जय जयवंती ठाकुर, नगर परिषद के पार्षदगण, कार्यकारी अधिकारी ललित कुमार सहित प्रशासनिक अधिकारी और अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

जूडो में बिलासपुर कॉलेज का दबदबा महिला टीम बनी चैंपियन

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। राजकीय महाविद्यालय बिलासपुर के खिलाड़ियों ने शिमला के राजकीय महाविद्यालय चायल कोठी में आयोजित दो दिवसीय हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय अंतर-महाविद्यालय जूडो प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए आठ पदक जीते। प्रतियोगिता में महाविद्यालय के आठ खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया और सभी ने पदक अपने नाम किए। महिला वर्ग में पांच खिलाड़ियों ने भाग लिया, जिनमें चार ने स्वर्ण और एक ने कांस्य पदक हासिल किया। उत्कृष्ट प्रदर्शन के दम पर महिला टीम ने चैंपियनशिप अपने नाम की। वहीं पुरुष वर्ग में तीन खिलाड़ियों ने स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक जीतकर महाविद्यालय का नाम रोशन किया। खिलाड़ियों के महाविद्यालय पहुंचने पर प्राचार्य डॉ. पीएस कटवाल ने टीम प्रभारी डॉ. श्याम लाल और डॉ. संजू बाला के साथ उनका फूल-मालाओं और मिठाई खिलाकर स्वागत किया। इस उपलब्धि से महाविद्यालय परिवार में खुशी का माहौल है। इस अवसर पर वरिष्ठ प्राध्यापक प्रेम जीत सहित अन्य शिक्षक मौजूद रहे।

स्टाफ की कमी से पंचायतों में विकास कार्य प्रभावित

भारतेन्दु संवाददाता, घुमारवीं। पंचायतों में प्रशासनिक और तकनीकी स्टाफ की कमी से विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं। इस समस्या को लेकर पंचायत प्रधान संघ विकास खंड घुमारवीं की बैठक संघ अध्यक्ष देश राज शर्मा की अध्यक्षता में हुई। बैठक में सरकार से पंचायतों में रिक्त पदों को जल्द भरने की मांग की गई। प्रधानों ने कहा कि पंचायतों में विकास कार्यों का दायरा लगातार बढ़ रहा है, लेकिन ग्राम रोजगार सेवक, तकनीकी सहायक और पंचायत सचिवों के कई पद खाली हैं। एक सचिव को कई पंचायतों का जिम्मा सौंपे जाने से प्रशासनिक कार्य और विकास योजनाएं प्रभावित हो रही हैं। तकनीकी स्टाफ की कमी के कारण मनरेगा के प्राक्कलन और माप पुस्तिका तैयार करने में भी देरी हो रही है। संघ ने 16वें वित्त आयोग के तहत पेयजल कार्यों के लिए जारी टाइड ग्रांट को वापस न लेने की मांग भी उठाई। प्रधानों ने कहा कि पेयजल स्रोतों, पाइपलाइन और टैंकों से जुड़े स्वीकृत कार्यों को पूरा करने के लिए यह राशि आवश्यक है। बैठक में विनय कुमार, कुलदीप सिंह, रोशन जम्वाल और सोमा देवी सहित पंचायत प्रतिनिधि मौजूद रहे।

परेशानी बार-बार शिकायत के बावजूद नहीं सुधरी स्ट्रीट लाइटें

तीन माह से घुरकड़ी में स्ट्रीट लाइट बंद



आशीष दमीर, भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। ग्राम पंचायत घुरकड़ी के विभिन्न वार्डों में पिछले करीब तीन माह से स्ट्रीट लाइटें बंद पड़ी हैं। शाम ढलते ही गांव की कई गलियां अंधेरे में डूब जाती हैं, जिससे स्थानीय लोगों और रात के समय आवाजाही करने वाले राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

ग्रामीणों ने जल्द समस्या का समाधान न होने पर पंचायत के खिलाफ कड़ा कदम उठाने की चेतावनी दी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि स्ट्रीट लाइटें खराब होने के कारण रात के समय गलियों से गुजरना मुश्किल हो गया है। अंधेरे के कारण बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों को विशेष परेशानी उठानी पड़ रही है। ग्रामीणों के अनुसार कई स्थानों पर लंबे समय से लाइटें खराब हैं, लेकिन बार-बार शिकायत करने के बावजूद इन्हें ठीक नहीं करवाया गया। लोगों का आरोप है कि समस्या को पंचायत प्रतिनिधियों के समक्ष कई बार उठाया जा चुका है।

इसके बावजूद करीब तीन माह बीतने के बाद भी स्थिति जस की तस बनी हुई है। इससे ग्रामीणों में पंचायत के प्रति रोष बढ़ता जा रहा है। ग्रामीणों ने मांग की है कि संबंधित विभाग या जिम्मेदार लोग जल्द खराब स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत करवाएं, ताकि रात के समय लोगों को सुरक्षित आवाजाही की सुविधा मिल सके। ग्रामीणों का कहना है कि यदि जल्द समस्या का समाधान नहीं हुआ, तो उन्हें मजबूर होकर पंचायत के खिलाफ अपना विरोध दर्ज करवाने के लिए कड़ा कदम उठाना पड़ेगा। उन्होंने पंचायत प्रशासन से इस मामले को गंभीरता से लेते हुए जल्द कार्रवाई की मांग की है।

पाउला क्रीमर का खूबसूरत अंदाज

अमेरिका। पाउला क्रीमर एक अमेरिकी पेशेवर गोल्फर हैं। एक पेशेवर के रूप में, उन्होंने 12 टूर्नामेंट जीते हैं, जिनमें 10 एलपीजी टूर इवेंट शामिल हैं। क्रीमर महिला विश्व गोल्फ रैंकिंग में दूसरे स्थान पर रही हैं। वह 2010 की यूएस महिला ओपन चैंपियन थीं।



एशियन गेम्स:आर्चरी में भारतीय पुरुष रिकर्व टीम ने जीती चांदी

पिछली बार के विजेता दक्षिण कोरिया ने लगातार दूसरी बार स्वर्ण पदक जीता

एजेंसी, नागोया

एशियाई खेलों में आर्चरी में भारतीय पुरुष रिकर्व टीम ने शुक्रवार को रजत पदक अपने नाम किया। नीरज चौहान, यशदीप भोगे और धीरज बोम्मदेवरा की भारतीय तिकड़ी को फाइनल में स्टार खिलाड़ियों से सजी दक्षिण कोरियाई टीम के खिलाफ 1-5 से हार का सामना करना पड़ा। दक्षिण कोरिया ने लगातार दूसरी बार इस स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीत लिया।

फाइनल में दक्षिण कोरिया की ओर से किम जे देओक, किम वूजिन और ली वू सेक ने चुनौती पेश की। पहले सेट में दक्षिण कोरिया ने पहले निशाना साधा। ली ने 8, किम जे देओक ने 10 और किम वूजिन ने 9 अंक हासिल किए। भारत के नीरज ने 9, यशदीप ने 10 और धीरज ने 10 अंक जुटाए। इसके बाद दक्षिण कोरिया ने 10, 9 और 10 अंक हासिल किए, जबकि भारत की ओर से नीरज ने 10, यशदीप ने 8 और धीरज ने 9 अंक बनाए। दोनों



टीमों का स्कोर 56-56 रहा और पहला सेट बराबरी पर छूटा। मुकाबले का स्कोर 1-1 हो गया।

दूसरे सेट में दक्षिण कोरिया ने शानदार प्रदर्शन किया। ली, किम जे देओक और किम वूजिन ने शुरुआत में लगातार 10-10 अंक हासिल किए। भारत की ओर से नीरज, यशदीप और धीरज ने क्रमश: 9, 8 और 8 अंक बनाए। दूसरे क्रम में दक्षिण कोरिया ने 9, 10 और 8 अंक हासिल किए, जबकि भारत के नीरज ने 8, यशदीप ने 9 और धीरज ने 8 अंक जुटाए। दक्षिण कोरिया ने यह सेट 57-50 से जीतकर मुकाबले में 3-1 की बढ़त हासिल कर ली। तीसरे सेट में भारत ने वापसी की कोशिश की और इस बार पहले निशाना साधा। नीरज ने 10, यशदीप ने 9 और धीरज ने 9 अंक हासिल किए। दक्षिण कोरिया की ओर से ली, किम जे देओक और किम वूजिन ने भी क्रमश: 10, 9 और 9 अंक बनाए। पहली बारी के बाद स्कोर बराबर रहा। इसके बाद नीरज का एक तीर 7 अंक पर लगा, जबकि यशदीप ने 9 और धीरज ने 10 अंक हासिल किए। दक्षिण कोरिया की ओर से ली ने 10, किम जे देओक ने 9 और किम वूजिन ने 9 अंक बनाए। दक्षिण कोरिया ने तीसरा सेट 56-54 से जीत लिया और 5-1 की ऐसी बढ़त हासिल कर ली, जिसे भारत पलट नहीं सकता था। इस जीत के साथ दक्षिण कोरिया ने पिछले संस्करण का अपना स्वर्ण पदक बरकरार रखा। भारतीय टीम को लगातार दूसरी बार रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

युजवेंद्र चहल ने फर्स्ट क्लास क्रिकेट को कहा अलविदा

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत के लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल ने फर्स्ट क्लास क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। उन्होंने कहा कि टेस्ट कैप हासिल करना अब संभव नहीं है। चहल ने कभी भारत के लिए टेस्ट क्रिकेट नहीं खेला। उन्होंने 72 वनडे और 80 टी-20 इंटरनेशनल खेले हैं। उनका आखिरी इंटरनेशनल मैच अगस्त 2023 में टी-20 था। चहल ने 2009 में हरियाणा के लिए फर्स्ट क्लास करियर शुरू किया था। उन्होंने 49 मैचों में 32.27 की औसत से 148 विकेट लिए। उनका आखिरी फर्स्ट क्लास क्रिकेट नॉर्थम्पटनशायर के लिए रहा। उन्होंने 2026 काउंटी चैंपियनशिप के डिविजन-2 में 21 विकेट लिए।



पोस्ट में लिखा-अभी सब खत्म नहीं हुआ

चहल ने अपने पोस्ट में लिखा, अभी सब खत्म नहीं हुआ है। देश के लिए खेलने की भूख अभी भी पूरी तरह बरकरार है। मुझे लगता है कि मेरे अंदर अभी क्रिकेट बाकी है। उन्होंने आगे लिखा, मैं वनडे और टी-20 फॉर्मेट में एक और मौका हासिल करने के लिए अपना सबकुछ लगा दूंगा।

कहा-टेस्ट कैप हमेशा मेरा सपना रही

चहल ने कहा कि देश के लिए खेलने की उनकी भूख अभी भी बरकरार है। वह वनडे और टी-20 में वापसी के लिए पूरी कोशिश करेंगे। उन्होंने इंस्टाग्राम पोस्ट में बताया लिखा, मेरे लिए रेड-बॉल क्रिकेट कभी सिर्फ एक और फॉर्मेट नहीं था। यहीं मैंने धैर्य, चरित्र, जुझारूपन और लंबे समय तक मैदान पर रहने की खुशी सीखी। उन्होंने आगे लिखा, मैंने अपना आखिरी फर्स्ट क्लास मैच लॉर्ड्स में खेला। यह लिखना भावुक कर देने वाला है, क्योंकि टेस्ट कैप हमेशा मेरा सपना रही। यह सपना कई सालों तक मेरे साथ रहा। चहल ने कहा, यह सपना पूरा नहीं हुआ, लेकिन मैं अपने सफर से सचमुच संतुष्ट हूं। इस फॉर्मेट में मिले हर मौके के लिए मैं बेहद आभारी हूं।

स्पोर्ट्स विंडो

नेत्रा ने एशियाई खेलों में महिला डिंगी सेलिंग स्पर्धा में कांस्य पदक जीता

एजेंसी, नागोया। चेन्नई की 29 वर्षीय नेत्रा ने कुल 14 अंक हासिल किए। उन्होंने फाइनल रेस में सात और क्वालीफिकेशन रेस में भी सात अंक जुटाए और तीसरे स्थान पर रहीं। थाईलैंड की सोफिया मॉन्टगोमरी ने पांच अंक के साथ स्वर्ण, जबकि सिंगापुर की जेनिया आंग ने 13 अंक के साथ रजत पदक जीता। सेलिंग में प्रत्येक रेस में हासिल किए गए स्थान के आधार पर अंक दिए जाते हैं। पहला स्थान हासिल करने वाले खिलाड़ी को एक अंक मिलता है और सबसे कम कुल अंक वाला खिलाड़ी विजेता बनता है। नेत्रा ने अपनी अंतिम दो रेस में से एक में जीत हासिल की, जबकि दूसरी रेस में वह छठे स्थान पर रहीं। पुरुष वर्ग में भारत के विष्णु सरवनन चौथे स्थान पर रहे। उन्होंने अपनी दोनों अंतिम रेस में दूसरा स्थान हासिल किया, लेकिन क्वालीफिकेशन में मिले 17 अंकों के कारण उनका कुल स्कोर 21 रहा। इस स्पर्धा का स्वर्ण कोरिया के जीमिन हा ने नौ अंकों के साथ जीता। हांगकांग के निकोलस हॉलिडे ने 11 अंकों के साथ रजत, जबकि मलेशिया के मोहद खैरुलनिजाम ने 14 अंकों के साथ कांस्य पदक जीता।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी-20 सीरीज के लिए न्यूजीलैंड टीम में ईडन कार्सन

एजेंसी, वेलिंगटन। न्यूजीलैंड ने इस महीने के अंत में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज के लिए अपनी टीम की घोषणा कर दी है। ईडन कार्सन, मौली पेनफोल्ड, हन्ना रो और बेला जेम्स की टीम में वापसी हुई है। चारों खिलाड़ी उस विस्तृत समूह का हिस्सा थीं, जिन्हें हाल में हुए टी20 विश्व कप के लिए टीम में जगह नहीं मिली थी। ऑफ स्पिनर ईडन कार्सन कोहनी की सर्जरी से उबरने के बाद वापसी कर रही हैं। वह पिछले साल दिसंबर से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से बाहर थीं। 51 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुकी कार्सन न्यूजीलैंड के स्पिन विभाग को मजबूती देंगी, जिसमें कप्तान अमेलिया केर, नैंसी पटेल और फ्लोरा डेवोनशायर भी शामिल हैं। कार्सन ने कहा, 'व्हाइट फर्न्स के माहौल में वापस आना मेरे लिए बेहद खास है। पुनर्वास की प्रक्रिया में काफी धैर्य रखना पड़ा, लेकिन मुझे अपने आसपास बेहतरीन समर्थन मिला और अब मैं मैदान पर लौटकर योगदान देने के लिए तैयार महसूस कर रही हूं। 'सोफी डिवाइन और ली ताहुहू के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास के बाद मौली पेनफोल्ड और हन्ना रो की वापसी से न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाजी आक्रमण को मजबूती मिलेगी। वहीं, सूजी बेट्स के जाने के बाद बेला जेम्स टीम में बल्लेबाजी के विकल्प बढ़ाएंगी।

भारत को सेपकटकरा में कांस्य पदक



एजेंसी, नागोया। भारतीय टीम शुक्रवार को यहां एशियाई खेलों की सेपकटकरा प्रतियोगिता के पुरुष वर्ग के सेमीफाइनल में मेजबान जापान से 0-2 से हार गई और इस तरह से उसे कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। भारत सेमीफाइनल मैच 12-15, 13-15 से हार गया। भारतीय टीम ने दूसरे सेट में जापान को कड़ी चुनौती दी लेकिन आखिर में वह जीत हासिल करने में कामयाब नहीं हो पाई। इससे पहले भारत ने अपने सभी मैच जीतकर ग्रुप ए में शीर्ष स्थान हासिल किया था। उसने ग्रुप चरण में लाओस (2-0), वियतनाम (2-0) और म्यांमार (2-1) को हराया था। दूसरी ओर जापान ने ग्रुप बी में दूसरा स्थान हासिल किया था। उसकी शुरुआत इंडोनेशिया से 1-2 की हार से हुई थी। इसके बाद उसने सिंगापुर और कोरिया को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। इस बीच भारतीय महिला टीम को ग्रुप ए के अपने शुरुआती मुकाबले में थाईलैंड से 0-2 से हार का सामना करना पड़ा। थाईलैंड ने 15-10, 15-4 से जीत दर्ज की।

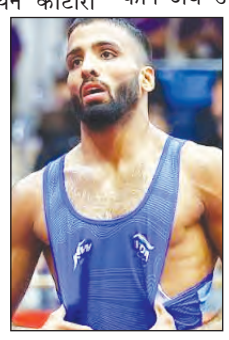
कुश्ती में भारत को झटके, प्रियंका रजत और दीपांशी को मिली हार

एजेंसी, नागोया। एशियाई खेलों में कुश्ती के मुकाबलों में भारतीय पहलवानों के लिए शुक्रवार की सुबह निराशाजनक रही। महिला 76 किग्रा वर्ग में प्रिया मलिक, पुरुष फ्रीस्टाइल 125 किग्रा में रजत रुहाल और महिला 50 किग्रा में दीपांशी को अपने-अपने शुरुआती मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा। महिला 76 किग्रा वर्ग के राउंड ऑफ 16 में प्रिया मलिक को किर्गिस्तान की ऐपेरी मेदेत किजी ने 6-1 से हराया। भारतीय पहलवान पूरे मुकाबले में बढ़त बनाने में सफल नहीं हो सकीं और उन्हें पहले ही दौर में हारकर बाहर होना पड़ा। पुरुष फ्रीस्टाइल 125 किग्रा के राउंड ऑफ 16 में रजत रुहाल को कजाकिस्तान के येदिगे कासिमबेक ने 8-3 से मात दी। पहले दौर में रजत पर निष्क्रियता की चेतावनी मिली और कासिमबेक ने एक अंक हासिल कर 1-0 की बढ़त बना ली। दूसरे दौर में रजत ने शानदार वापसी करते हुए कजाक पहलवान के पैर पर हमला किया और टेकडाउन से दो अंक हासिल कर 2-1 की बढ़त बनाई।

कुश्ती में ओलंपिक चैंपियन को हराकर फाइनल में पहुंचे सुजीत

एजेंसी, नागोया

भारत के सुजीत कलकल ने शुक्रवार को यहां एशियाई खेलों की कुश्ती प्रतियोगिता में अपने दांवपेंच का शानदार नमूना पेश करते हुए ओलंपिक चैंपियन कोटारो कियोका को उलटफेर का शिकार बनाकर पुरुषों के 65 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण पदक के दौर में प्रवेश किया, जबकि दीपांशी फोगाट ने महिलाओं के कांस्य पदक के प्लेऑफ में जगह बनाई।



सुजीत पहले पीरियड के अंत में 0-2 से पीछे चल रहे थे, लेकिन उन्होंने इस कड़े मुकाबले के दूसरे पीरियड में तीन अंक बनाए, जबकि जापानी खिलाड़ी ने एक और अंक जोड़ा। आखिर में दोनों पहलवानों का स्कोर 3-3 से बराबर था, लेकिन सुजीत को अधिक अंक हासिल करने वाला दांव लगाने के कारण विजेता घोषित किया गया।

इससे पहले सुजीत ने अफगानिस्तान के सैयद उमर जजई को 13-3 हराया और क्वार्टर फाइनल में ईरान के अब्बास इब्राहिमजादेहसवादकुही के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करते हुए बिना कोई अंक गंवाए तकनीकी श्रेष्ठता से जीत हासिल की। अब उनका सामना ताजिकिस्तान के अब्दुलमजीद कुदिएव से होगा।

जजई ने शुरुआत में ही सुजीत को कड़ी टक्कर दी और तुरंत दो अंक हासिल करते हुए भारतीय खिलाड़ी को पीछे धकेलकर 3-0 की बढ़त बना ली। सुजीत ने हालांकि जल्द ही पुश-आउट और शोल्डर थ्रो से मुकाबले का रुख पलट दिया और 5-3 से आगे हो गए। सुजीत ने इसके बाद एक और थ्रो और एक रोल के साथ चार और अंक जोड़कर जीत हासिल की और क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। सुजीत अब स्वर्ण पदक मुकाबले में जगह बनाने के लिए जापान के ओलंपिक चैंपियन कोटारो कियोका का सामना करेंगे।

अफगानिस्तान ने नबी रसूली को किया बाहर





एजेंसी, काबुल। अफगानिस्तान ने बांग्लादेश और जिम्बाब्वे के खिलाफ सीरीज के लिए टीमों का ऐलान किया है। ऑलराउंडर मोहम्मद नबी और मिडिल ऑर्डर बल्लेबाज दारविश रसूली को टीम में जगह नहीं मिली है। अफगानिस्तान 9 अक्टूबर से बांग्लादेश के खिलाफ यूएई में एक टेस्ट खेलेगा। इसके बाद 17 से 23 अक्टूबर तक बांग्लादेश और जिम्बाब्वे के साथ ट्राई-सीरीज होगी। ट्राई-सीरीज में तीन वनडे खेले जाएंगे। इसके बाद अफगानिस्तान जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन टी-20 और दो टेस्ट खेलेगा। सभी मैच यूएई में होंगे। नबी और रसूली सितंबर में नई दिल्ली में भारत के खिलाफ हुई तीन मैचों की टी-20 सीरीज के लिए अफगानिस्तान की टीम में थे। अफगानिस्तान वह सीरीज 0-3 से हार गया था। नबी ने तीनों मैच खेले थे। वह दो मैचों में एक भी विकेट नहीं ले सके। रसूली भी हाल के समय में खराब फॉर्म से जूझ रहे हैं। एशियन गेम्स 2026 में रसूली दो बार शून्य पर आउट हुए थे।

5 बार की विश्व चैंपियन ब्राजील का भारत के साथ आज होगा फ्रेंडली मैच

एजेंसी, कोलकाता

भारतीय फुटबॉल टीम अभी तक के अपने सबसे बड़े मुकाबले में शनिवार को यहां जब पांच बार की विश्व चैंपियन ब्राजील के खिलाफ प्रतिष्ठित सॉल्ट लेक स्टेडियम में मैत्री मैच खेलने के लिए उतरेगी तो वह बिना किसी दबाव के अपना सर्वश्रेष्ठ खेल खेलने की कोशिश करेगी। कई स्टार खिलाड़ियों से सजी और विश्व रैंकिंग में पांचवें स्थान पर काबिज ब्राजील पहली बार भारत के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेगा। उसकी टीम में रियाल मैड्रिड के फॉरवर्ड विनीसियस जूनियर, आर्सेनल के डिफेंडर गैब्रियल मैगाल्हेस, मिडफील्डर ब्रूनो गुइमारेस और अनुभवी मार्क्विनहोस शामिल हैं। ब्राजील की टीम ऐसे शहर पहुंची है जहां उनकी पीली जर्सी के दीवानों की कमी नहीं है। विश्व कप के दौरान यह शहर ब्राजील और अर्जेंटीना की जर्सी रंग से पटा रहता है।

कागजों पर भले ही यह मुकाबला बेमेल नजर आ रहा हो लेकिन 138वें स्थान पर काबिज भारत के लिए अपनी प्रगति को परखने का यह शानदार मौका है। भारतीय टीम कभी भी विश्व कप के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाई है और वह सऊदी अरब में होने वाले



2027 एशियाई कप के लिए भी क्वालीफाई करने में असफल रही है जिससे पता चलता है कि एशिया की मजबूत टीमों और भारत के बीच भी बड़ा अंतर है। अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ (एआईएफएफ) इस मुकाबले को अलग नजर से देख रहा है। उसका मानना है कि ब्राजील जैसी प्रतिष्ठित टीम के खिलाफ खेलने से भारत को नए प्रशंसक मिलेंगे और भारतीय खिलाड़ियों को ऐसा अनुभव मिलेगा जो उन्हें शायद ही कभी मिलता। भारत ने फीफा आसियान कप के उद्घाटन सत्र से नाम वापस ले लिया, ताकि ब्राजील के साथ मैच खेल सके। हालांकि, भारत के पूर्व कप्तान बाइचुंग भूटिया ने इस फैसले पर सवाल उठाया है।

अडाणी 3 साल बाद फिर देश के सबसे अमीर

अडाणी परिवार की संपत्ति 10 .85 लाख करोड़, अंबानी दूसरे स्थान पर खिसके

एजेंसी, नई दिल्ली। फोर्ब्स की 2026 की भारत के 100 सबसे अमीर लोगों की सूची में गौतम अडाणी तीन साल बाद फिर पहले स्थान पर पहुंच गए हैं। अडाणी समूह के चेयरमैन गौतम अडाणी और उनके परिवार की कुल संपत्ति 10.85 लाख करोड़ रुपये आंकी गई है। पिछले वर्ष की तुलना में उनकी संपत्ति में 1.99 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई है। डॉलर के लिहाज से भी अडाणी इस वर्ष सूची में सबसे अधिक संपत्ति बढ़ाने वाले कारोबारी रहे। हालांकि, उनकी मौजूदा संपत्ति 2022 में दर्ज 14.43 लाख करोड़ रुपये के शिखर से कम है।

रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी इस बार दूसरे स्थान पर खिसक गए। उनकी संपत्ति 1.80 लाख करोड़ रुपये घटकर 8.3 लाख करोड़ रुपये रह गई। फोर्ब्स के अनुसार, विभिन्न कारोबारों में मार्जिन पर दबाव का असर रिलायंस के शेयरों पर पड़ा है।



◆चार नए नाम जुड़े अनिल अग्रवाल की भी सूची में वापसी

इस वर्ष सूची में चार नए नाम शामिल हुए हैं। इनमें इंडो-एमआईएम के कृष्णा चिवुकुला, अपार इंडस्ट्रीज के कुशल और चैतन्य देसाई, आदित्य इन्फोटेक के आदित्य खेमका और बालाजी वेफर्स के विरानी बंधु शामिल हैं। सूची के मुताबिक 100 सबसे अमीर लोगों की कुल संपत्ति करीब 96.23 लाख करोड़ रुपये रही।

आरओडीटीईपी योजना 31 दिसंबर तक बढ़ी

एजेंसी, नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने निर्यातकों को राहत देते हुए निर्यातित उत्पादों पर केंद्रीय और राज्य स्तर के शुल्कों तथा करों की छूट से जुड़ी आरओडीटीईपी योजना की अवधि 31 दिसंबर 2026 तक बढ़ा दी है। वाणिज्य विभाग ने 30 सितंबर 2026 को जारी अधिसूचना संख्या 41/2026-27 के माध्यम से योजना का विस्तार किया। योजना का लाभ घरेलू सीमा-शुल्क क्षेत्र की इकाइयों, अग्रिम प्राधिकरण धारकों, विशेष आर्थिक क्षेत्र की इकाइयों और निर्यातोन्मुखी इकाइयों द्वारा किए जाने वाले निर्यात पर उपलब्ध रहेगा। आरओडीटीईपी योजना के तहत निर्यातित उत्पादों पर वहन किए गए ऐसे केंद्रीय, राज्य और स्थानीय शुल्क, कर तथा उपकर वापस किए जाते हैं, जिनकी किसी अन्य माध्यम से प्रतिपूर्ति नहीं होती। इसमें उत्पादन और आपूर्ति के पिछले चरणों में जमा अप्रत्यक्ष कर भी शामिल हैं। वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार, 30 सितंबर को लागू परिशिष्ट 4आर और परिशिष्ट 4आरई में अधिसूचित मौजूदा आरओडीटीईपी दरें और मूल्य सीमाएं 31 दिसंबर तक अपरिवर्तित रहेंगी। सरकार के अनुसार, योजना का विस्तार निर्यातकों को अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धी स्थिति बनाए रखने में सहायता करेगा। इससे निर्यातित वस्तुओं पर लगने वाले ऐसे शुल्क और करों का बोझ कम करने में मदद मिलेगी, जिनकी अन्य माध्यमों से वापसी नहीं होती। सरकार ने कहा कि यह कदम वैश्विक बाजार में भारतीय निर्यातकों के लिए समान अवसर सुनिश्चित करने और निर्यात को समर्थन देने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

बिहार के मखाने की विदेशों में बढ़ी मांग, पहली खेप ग्रीस रवाना

एजेंसी, नई दिल्ली

बिहार के मखाने की पहचान अब देश के बाजार तक सीमित नहीं रही है। विदेशी बाजारों में इसकी मांग बढ़ने के साथ ही पूर्णिया से एक मीट्रिक टन फूला हुआ मखाना ग्रीस के लिए रवाना किया गया है। कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) की मदद से भेजी गई यह खेप बिहार के मखाना उत्पादकों को अंतरराष्ट्रीय बाजार से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। इससे उत्पादकों को घरेलू बाजार की तुलना में बेहतर मूल्य मिलने की उम्मीद है। इंडो ग्लोबल एक्सपोर्ट, बेलौरी, पूर्णिया से मंगवाई गई मखाने की यह खेप एसएस फूड्स एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली के माध्यम से ग्रीस भेजी जा रही है। यह खेप भारत के मुंद्रा बंदरगाह से ग्रीस के पिराएउस बंदरगाह तक पहुंचेगी।



एपीडा की मदद से ग्रीस पहुंचा बिहार का मखाना

मखाना उत्पादन में भारत दुनिया में अग्रणी है और देश के कुल उत्पादन में बिहार की हिस्सेदारी करीब 80 से 85 प्रतिशत है। राज्य के 10 जिलों में 35 हजार हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में मखाने की खेती की जाती है। वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 में भारत ने 20 से अधिक अंतरराष्ट्रीय बाजारों में 7000 मीट्रिक टन से अधिक मखाना और इससे बने उत्पादों का निर्यात किया, जिनका मूल्य 22 मिलियन अमेरिकी डॉलर रहा। मखाने की इस खेप को रवाना करने के कार्यक्रम की अध्यक्षता बिहार सरकार के कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने की। इस अवसर पर एपीडा के अध्यक्ष अभिषेक देव, राज्य के बागवानी निदेशक अभिषेक कुमार सहित वरिष्ठ अधिकारी और मखाना निर्यात से जुड़े अन्य हितधारक मौजूद रहे।

नाइकी के शेयरों में 6 फीसदी की गिरावट दर्ज

एजेंसी, नई दिल्ली। नाइकी के शेयरों में करीब छह प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई और यह 13 साल के निचले स्तर पर पहुंच गया। कंपनी के उम्मीद से कमजोर वित्तीय प्रदर्शन ने निवेशकों की चिंता बढ़ा दी है। अपने उच्चतम स्तर से नाइकी का शेयर करीब 82 प्रतिशत नीचे आ चुका है, जिससे कंपनी के बाजार मूल्य में लगभग 230 अरब डॉलर की कमी आई है। पिछले कुछ वर्षों में बिक्री में गिरावट, चीन जैसे महत्वपूर्ण बाजारों में कमजोर मांग और नए प्रतिस्पर्धी ब्रांडों के तेजी से उभरने ने कंपनी के सामने चुनौतियां बढ़ाई हैं। खेल परिधान क्षेत्र के जानकारों के अनुसार, नाइकी की कुछ रणनीतिक गलतियां भी मौजूदा संकट की वजह बनी हैं। कंपनी ने कई खुदरा विक्रेताओं से दूरी बनाकर सीधे ग्राहकों को ऑनलाइन सामान बेचने पर अधिक जोर दिया। इसके अलावा सीमित संस्करण के उत्पादों की उपलब्धता बढ़ने और नए उत्पादों के बजाय डिजिटल कारोबार पर अधिक निवेश का असर भी ब्रांड की स्थिति पर पड़ा।

सख्ती गोयल बोले- किसी देश या सेक्टर को अंदाजों के आधार पर निशाना न बनाया जाए

व्यापारिक कार्रवाई से पहले ठोस प्रमाण जरूरी: गोयल

एजेंसी, मुंबई

वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने अमेरिका के मिल्वौकी में आयोजित जी20 व्यापार मंत्रियों की बैठक में जबरन मजदूरी से बने उत्पादों के खिलाफ व्यापारिक कार्रवाई को लेकर भारत का स्पष्ट पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि किसी देश, क्षेत्र या उद्योग के बारे में केवल आशंका या अनुमान के आधार पर व्यापारिक कदम नहीं उठाए जाने चाहिए। सीमा पर लागू किए जाने वाले उपाय ठोस, सत्यापित और विश्वसनीय प्रमाणों पर आधारित होने चाहिए। भारत का यह रुख वैश्विक व्यापार में पारदर्शिता, उचित प्रक्रिया और नियम आधारित व्यवस्था के महत्व को रेखांकित करता है।

जबरन मजदूरी से तैयार उत्पादों के आयात और व्यापार को रोकने के लिए कई देशों ने कड़े कानून और नीतियां बनाई हैं। अमेरिका और यूरोपीय संघ की ओर से लागू किए गए नियमों के कारण वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में पारदर्शिता और उत्पादों की उत्पत्ति का पता लगाने की क्षमता यानी ट्रेसेबिलिटी पहले से अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। कंपनियों पर यह जिम्मेदारी बढ़ी है कि वे कच्चे माल की प्राप्ति से लेकर अंतिम उत्पाद तैयार होने तक पूरी प्रक्रिया के बारे में स्पष्ट जानकारी उपलब्ध कराएं और यह सुनिश्चित करें कि उत्पादन में श्रमिकों के अधिकारों का उल्लंघन न हो।



फोर्सड लेबर के खिलाफ व्यापारिक कार्रवाई पर भारत का स्पष्ट रुख

गोयल ने बंधुआ और जबरन मजदूरी को समाप्त करने के भारत के संकल्प को दोहराते हुए कहा कि यह प्रतिबद्धता पूरी तरह स्पष्ट और बिना किसी शर्त के है। साथ ही उन्होंने जोर दिया कि व्यापारिक उपाय विश्व व्यापार संगठन के नियमों और उचित प्रक्रिया के अनुरूप होने चाहिए। भारत ने जी20 देशों के बीच वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में जबरन मजदूरी की समस्या से निपटने के लिए अच्छे तौर-तरीकों के स्वैच्छिक आदान-प्रदान का समर्थन किया है। हालांकि, भारत का कहना है कि इस सहयोग को ऐसी निगरानी या नई जिम्मेदारियों का माध्यम नहीं बनाया जाना चाहिए, जिनका इस्तेमाल बाद में एकतरफा व्यापारिक कार्रवाई के आधार के रूप में हो।

गोयल ने भारतीय संविधान के अनुच्छेद 23 का भी उल्लेख किया, जो जबरन मजदूरी पर रोक लगाता है और इसे मौलिक अधिकारों का हिस्सा बनाता है। उन्होंने बताया कि भारत अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन के संबंधित महत्वपूर्ण सम्मेलनों को मंजूरी दे चुका है और जुलाई 2026 में विदेश व्यापार नीति में संशोधन कर जबरन मजदूरी से बने सामानों के आयात पर रोक का प्रावधान किया गया है।